शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 51 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 15 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सदन में मंत्री ने विपक्ष को कथित रूप से दिखाया अंगूठा, विपक्ष का वाकआउट पेज 3
विपक्षी घमंडिया गठबंधन सनातन धर्म को नष्ट करना चाहता है : प्रधानमंत्री पेज 4
पंच प्रण की दिशा में बढ़े भारत के कदम, जी-20 कार्यक्रम उचित... पेज 5
सनातन है, सनातन था और सनातन रहेगा : केंद्रीय मंत्री ठाकुर पेज 8

পূর্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मूर्ख लोग कार्यों के मध्य कठिनाई उत्पन्न होने पर दोष ही निकाला करते हैं।

– आचार्य चाणक्य

दस करोड़ की सब्सिडी का मामला

सबूत मिला तो संन्यास ले लूंगा : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि अगर यह साबित हो जाए कि उनकी पत्नी की कंपनी को केंद्रीय सब्सिडी मिली है तो वह सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले लेंगे। यह बात तब सामने आई है जब बुधवार को कांग्रेस के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की असम इकाई ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कथित तौर पर सरकारी सब्सिडी पाने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। टीएमसी असम इकाई के प्रमुख रिपुन बोरा ने मुख्यमंत्री शर्मा पर केंद्र सरकार की *प्रधानमंत्री किशन संपदा योजना* योजना के तहत 10 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्राप्त करने में उनकी पत्नी के स्वामित्व वाली कंपनी प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड को फायदा पहुंचाने के लिए अपनी आधिकारिक शक्ति का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया, जो मुख्य रूप से बेरोजगार युवाओं और किसानों के लिए है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के जवाब को कांग्रेस नेता द्वारा एक्स पर पोस्ट किए जाने के बाद बुधवार से ही गोगोई और शर्मा के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है। गोयल ने लोकसभा में 22 मार्च, 2023 को असम के भाजपा सांसद पल्लब लोचन दास द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब दिया था। गोगोई ने कहा कि क्या माननीय मुख्यमंत्री केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से शिकायत कर रहे हैं? वह कह रहे हैं कि गोयल -शेष पृष्ठ दो पर

गौरव पर मानहानि का मुकदमा करेंगी रिनिकी

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा नेतृत्व वाली एक कंपनी द्वारा जमीन की कथित खरीद और केंद्रीय सहायता के गबन के आरोपों के सिलसिले में मुख्यमंत्री की पत्नी प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की मालकिन रिनिकी भुइयां शर्मा ने आज पहली बार अपना मुंह खोला है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि उनकी 17 वर्ष पुरानी कंपनी के विरुद्ध लगाए गए सभी आरोप गलत हैं। उनकी कंपनी पूरी तरह से सरकार द्वारा निर्धारित मानडंडों के अनुसार कार्य कर रही है। उनकी कंपनी की संपत्ति का हिसाब सरकारी नियमों के अनुसार सार्वजनिक किया जा चुका है। मुख्यमंत्री की पत्नी ने अपनी संपत्ति के खाते को लेकर लगाए गए आरोपों से इनकार किया है। -शेष पृष्ठ दो पर

चर्चा के लिए नोटिस खारिज होने पर हंगामा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी से जुड़ी कंपनी को सरकारी सब्सिडी देने के आरोप वाले मामले में लगातार विवाद बढ़ता जा रहा है। इसी मामले को लेकर, राज्य की विधानसभा में गुरुवार को हंगामा मच गया। दरअसल, विपक्षी विधायकों ने इस मामले में चर्चा की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने इस मामले पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया था, लेकिन प्रश्नकाल के अंत में स्पीकर बिस्वजीत दैमारी ने नोटिस को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा स्थगन प्रस्ताव के लायक नहीं है। इस पर सदन में हंगामा मच गया। कांग्रेस और सीपीआईएम के विधायकों के साथ-साथ निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई भी नारा लगाने लगे। जब विधायक शांत नहीं हुए तो स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। लोकसभा सदस्य गौरव गोगोई ने बुधवार को आरोप लगाया था खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की वेबसाइट से पता चलता है कि रिनिकी भुइयां शर्मा की फर्म *प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड* को क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी के हिस्से के रूप में 10 करोड़ रुपए मिले हैं। रिनिकी, असम के मुख्यमंत्री की पत्नी हैं। इस आरोप पर मुख्यमंत्री शर्मा ने सफाई दी थी। उन्होंने कहा था कि मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि न तो मेरी पत्नी और न ही जिस कंपनी से वह जुड़ी हैं, उसे कभी भी भारत सरकार से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली है। उधर असम विधानसभा में आज गर्मागर्म माहौल देखने को मिला जब विपक्ष ने बहिर्गमन किया और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुईया को कथित तौर पर केंद्र सरकार से 10 करोड़ रुपए की क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी मिलने के आरोपों पर कड़ा विरोध जताया। कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया ने दावा किया कि विधानसभा में मुद्दा उठाने के बावजूद, उनके प्रश्नों को अनसुना कर दिया गया, जिसके कारण उन्हें बहिर्गमन करना पड़ा। विधानसभा के बाहर देबब्रत सैकिया ने -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कोलकाता : दुर्गापूजा थीम को लेकर प्रदर्शनी लगाएगा यूनेस्को

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की वैश्विक पहचान बन चुकी दुर्गा पूजा को लेकर यूनेस्को भी दिलचस्पी ले रहा है। इस बार दुर्गापूजा के बाद अक्तूबर के अंतिम सप्ताह में बेहतरीन दुर्गा प्रतिमाओं और पूजा थीम की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके लिए यूनेस्को ने ब्रिटिश काउंसिल के साथ हाथ मिलाया है, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार का संस्कृति व पर्यटन मंत्रालय भी मददगार बनेगा। काशी बोस लेन दुर्गा पूजा समिति के महासचिवों में से एक सोमेन दत्त ने बताया कि यूनेस्को की ओर से 24 ऐसी दुर्गा पूजा -शेष पृष्ठ दो पर

दूल्हा गया जेल, उसके बड़े भाई से दुल्हन की शादी

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ से हैरतअंगेज मामला सामने आया है। जहां पुलिस ने शादी के दिन दुल्हन के घर पहुंचने से ठीक पहले दूल्हे को उठा लिया। दूल्हे पर शराब के ठेके में चोरी करने का आरोप है। जिसके चलते पुलिस ने दूल्हे को गिरफ्तार कर लिया। इसकी जानकारी दुल्हन पक्ष के लोगों को हुई तो उन्होंने शादी से इनकार कर दिया। जिसके बाद दूल्हे के बड़े -शेष पृष्ठ दो पर

असम विधानसभा में 23 विधेयक पारित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा के शरदकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को कुल 23 नए और संशोधन विधेयक पारित किए गए। इनमें राजस्व, कृषि और आपदा प्रबंधन विभाग आदि के भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और निपटान में उचित मुआवजा आदि के विधेयक शामिल हैं। जानकारी के अनुसार विधानसभा में सत्र के चौथे दिन पंचायत एवं ग्राम विकास विभाग आदि का असम पंचायत (संशोधन) विधेयक-2023, शिक्षा विभाग के कुल 14 विधेयक अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए गए। विधानसभा में नगांव यूनिवर्सिटी बिल-2023, सिलचर का गुरुचरण -शेष पृष्ठ दो पर

हैलाकांदी में बाल विवाह : 15 गिरफ्तार, जांच जारी

हैलाकांदी। असम के हैलाकांदी जिले में बाल विवाह कराने का मामला सामने आया है। बता दें कि फर्जी दस्तावेज तैयार करके बाल विवाह कराने के आरोप में पंद्रह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसकी जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी। उन्होंने कहा, एक पंजीकृत काजी द्वारा दायर शिकायत पर कार्रवाई करते हुए 16 लोग काजी बनकर बाल विवाह कराने में शामिल थे, बुधवार को जिले के विभिन्न हिस्सों में एक अभियान शुरू किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों को अदालत में पेश किया गया और पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। राज्य सरकार ने फरवरी में बाल विवाह पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की, जिसमें 4,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। उधर अतिरिक्त एसपी शमीर दप्तारी बरुआ ने बताया कि एक काजी ने शिकायत दी थी कि 16 लोग नकली काजी बनकर बाल विवाह करा रहे हैं। पुलिस ने तुरंत बुधवार को जिले के विभिन्न हिस्सों में एक अभियान चलाया। अतिरिक्त एसपी शमीर दप्तारी बरुआ ने कहा कि शुरुआत में 16 लोगों को हिरासत में लिया गया था, लेकिन सबूतों के अभाव में एक को छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर बाल विवाह कराने का आरोप है। बरुआ ने कहा कि गिरफ्तारियां जिले के हैलाकांदी शहर, पंचग्राम, कटलीचेरा, अल्गापुर, लाला, रामनाथपुर और बिलाईपुर इलाकों से की गई हैं। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने आखिरकार सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सभी को अलग-अलग इलाकों से पकड़ा है। हालांकि, -शेष पृष्ठ दो पर

एक कप चाय तक नहीं पिलाई : उद्योग मंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा के शरदकालीन अधिवेशन के चौथे दिन आज शून्यकाल के दौरान विधायक रूपेश ग्वाला द्वारा उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए राज्य के उद्योग मंत्री बिमल बोरा ने कहा कि दुमदुमा में छोटे चाय किसानों के संघ द्वारा उत्पादित कच्ची चाय की पत्तियों के लिए उचित मूल्य की मांग को लेकर हड़ताल किया गया है। चाय कंपनियों के हाथों बिकने संबंधी आरोपों के जवाब में मंत्री ने कहा कि उन्होंने हमें चाय का एक पैकेट भी नहीं पिलाया, बिकना तो दूर की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली वर्तमान राज्य सरकार असम में चाय उद्योग के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। यह स्वीकार करते हुए कि चाय -शेष पृष्ठ दो पर

सिर्फ बर्थ सर्टिफिकेट : 1 अक्तूबर से हो जाएगा काम

नई दिल्ली। जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023 देशभर में 1 अक्तूबर 2023 से लागू होने जा रहा है। इसका मतलब ये है कि अब से बर्थ सर्टिफिकेट की महत्ता काफी ज्यादा बढ़ जाएगी। यह सर्टिफिकेट स्कूल, कॉलेज में दाखिला, ड्राइविंग लाइसेंस के लिए एप्लीकेशन, वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने, आधार रजिस्ट्रेशन, शादी के रजिस्ट्रेशन या सरकारी नौकरी के एप्लीकेशन के लिए अकेला इस्तेमाल किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को एक अधिसूचना जारी करके इस संबंध में घोषणा की है। संसद के दोनों सदनों ने पिछले महीने संपन्न मॉनसून सत्र में जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2023 पारित किया था। इसमें 1969 -शेष पृष्ठ दो पर

मेक्सिको की संसद में एलियन की लाश

मैक्सिको। मैक्सिको की संसद में 700 से 1800 साल पुराने ममी जैसे दो कंकाल देख सनसनी फैल गई। यूएफओलॉजिस्ट जैमे मौसन ने इन्हें पेश किया। उन्होंने दावा किया कि ये कंकाल 2017 में पेरू के कुस्क की एक खदान में मिले थे। कार्बन डेटिंग से इनकी उम्र पता चली। डीएनए टेस्टिंग से इनके मानव नहीं होने के पुख्ता सबूत मिले। इनके हाथ-पैरों में तीन-तीन अंगुलियां हैं। खोपड़ी लंबी और हड्डियां हल्की हैं। संसद में किए गए एक्स रे -शेष पृष्ठ दो पर

मुजफ्फरपुर में नाव हादसा, 14 लापता

पटना (हि.स.)। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के बेनीबाद ओपी क्षेत्र अन्तर्गत बागमती नदी में गुरुवार सुबह नाव पलटने से उसपर सवार 34 में से 14 अबतक लापता हैं। इनमें बच्चे, महिलाएं और पुरुष हैं। सभी मधुरपट्टी और भटगामा गांव के रहने वाले हैं। एसडीआरएफ की चार टीमें खोजबीन कर रही हैं। कुल 20 बच्चों को बचा लिया गया है। लापता लोगों में रितेश कुमार कक्षा (10), कामिनी कुमारी कक्षा (10), बेबी कुमारी कक्षा (10), राधा कुमारी कक्षा (10), सुष्मिता -शेष पृष्ठ दो पर

14 समाचार एंकरों के शो का बहिष्कार करेगा इंडिया

नई दिल्ली। विपक्ष के नेतृत्व वाले इंडिया गुट की समन्वय समिति की बैठक के दौरान लिए गए प्रमुख निर्णयों में से एक उनके प्रतिनिधियों को विशिष्ट समाचार एंकरों द्वारा संचालित टेलीविजन शो में भाग लेने से रोकना है। मीडिया पर अधिकृत उप-समिति समाचार एंकरों की एक सूची लेकर आई है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को बैठक के बाद कहा कि समन्वय समिति ने मीडिया पर उप-समूह को उन एंकरों के नाम तय करने के लिए अधिकृत किया है जिनके शो में भारत की कोई भी -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान के एंटी-नारकोटिक्स का चीफ निकला अंडरवर्ल्ड डॉन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एंटी-नारकोटिक्स फोर्स (एएनएफ) ने भारत में ड्रग्स तस्करी करने वाले हाई प्रोफाइल नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस नेटवर्क को कोई और नहीं, बल्कि लाहौर पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स विंग के प्रमुख अंडरवर्ल्ड डॉन मजहर इकबाल द्वारा संचालित किया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि मजहर इकबाल के नेतृत्व वाला नेटवर्क ड्रोन का इस्तेमाल करके भारत में ड्रग्स, विशेष रूप से हेरोइन की तस्करी करता था। पुलिस जांच के अनुसार, मजहर इकबाल के नेटवर्क द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला ड्रोन 6 किलोग्राम तक ड्रग्स ले जाता था और सीमा पार उड़ान भरने के बाद पंजाब में खेप पहुंचाता था। पाकिस्तान पुलिस ने कहा कि उसे लाहौर में इकबाल के नेटवर्क के अन्य सदस्यों को पकड़ने की उम्मीद है। नेटवर्क के भंडाफोड़ की घोषणा पिछले हफ्ते पाकिस्तानी रेंजर्स ने की थी। रेंजर्स ने कथित तौर पर *मादक पदार्थों, हथियारों और गोला-बारूद* की तस्करी की कोशिश करने के आरोप में पाकिस्तानी क्षेत्र के अंदर छह भारतीयों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। गिरफ्तार तस्करों में से चार गुरमीत सिंह, शिंदर सिंह, जुगिंदर सिंह और -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति बना तो हटा दूंगा 75 फीसदी सरकारी कर्मचारी : रामास्वामी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी ने कहा है कि अगर वह 2024 का चुनाव जीत जाते हैं तो संघीय सरकार के 75 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को हटा देंगे और एफबीआई जैसी कई प्रमुख एजेंसियों को बंद कर देंगे। एक साक्षात्कार में रामास्वामी ने कहा कि उनके निशाने पर शिक्षा विभाग, एफबीआई, आबकारी, तंबाकू, शस्त्र और विस्फोटक ब्यूरो, परमाणु नियामक आयोग, (आंतरिक राजस्व सेवा) आईआरएस और वाणिज्य विभाग होगा। रामास्वामी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

निपाह वायरस : केरल के कई क्षेत्रों में स्कूल-कॉलेज बंद, लगीं पाबंदियां

थिरुवनंतपुरम। उत्तरी केरल के कोझिकोड जिले में *निपाह* वायरस के संक्रमण से दो मरीजों की जान जाने और दो अन्य लोगों के संक्रमित होने के बाद राज्य सरकार ने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कड़े उपाय किए हैं। संक्रमण की गंभीर प्रकृति को देखते हुए कोझिकोड प्रशासन ने सात ग्राम पंचायतों को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया है। सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक पर मंगलवार को जारी एक पोस्ट में कोझिकोड की जिलाधिकारी ए गीता ने कहा कि जिन पंचायतों को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है, उनमें अतानचेरी, मारुथोंकारा, तिरुवल्लूर, कुट्टियाडी, कयाक्कोडी, विल्यापल्ली और कविलुंपरा शामिल हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि अगली सूचना तक इनकंटेनमेंट जोन के अंदर-बाहर किसी भी तरह की यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी और पुलिस को इन इलाकों की घेराबंदी करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि निषिद्ध क्षेत्रों में केवल आवश्यक वस्तुओं और चिकित्सा सामग्री की बिक्री करने वाली दुकानों के संचालन की अनुमति होगी। जिलाधिकारी के अनुसार, कंटेनमेंट जोन में आवश्यक सामान की बिक्री करने वाली दुकानें सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक खोली जा सकेंगी, जबकि दवा की दुकानों और स्वास्थ्य केंद्रों के संचालन के लिए कोई समयसीमा निर्धारित नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि स्थानीय स्व-सरकारी संस्थान और ग्राम कार्यालय न्यूनतम कर्मचारियों के साथ कार्य कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि निषिद्ध क्षेत्रों में बैंक, अन्य सरकारी या अर्द्ध-सरकारी संस्थान, शैक्षणिक संस्थान और आंगनवाड़ी संचालित नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता को ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करना चाहिए और स्थानीय स्व-सरकारी संस्थानों का रुख करने से बचना चाहिए। जिलाधिकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर निषिद्ध क्षेत्रों से गुजरने वाली बसों या वाहनों के वहां रुकने पर पाबंदी होगी। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों और जिला परिवहन अधिकारियों से इस संबंध में निर्देश जारी करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि निषिद्ध क्षेत्रों में सभी के लिए मास्क पहनना, सामाजिक दूरी का पालन करना और सैनेटाइजर का इस्तेमाल करना अनिवार्य होगा। कोझिकोड जिले में निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि होने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने लोगों से नहीं घबराने और एहतियात बरतने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था कि सभी को स्वास्थ्य विभाग और पुलिस के निर्देशों पर सख्ती से अमल करना चाहिए और प्रतिबंधों के पालन में पूरा सहयोग करना चाहिए। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा था कि वायरस से संक्रमित मरीजों में नौ साल का लड़का भी शामिल है। उन्होंने बताया था कि पांच नमूनों में से तीन की जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

पत्रकारों का बहिष्कार लोकतंत्र पर चोट : एनयूजेआई

नई दिल्ली (हि.स.)। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) ने विपक्षी गठबंधन में शामिल 26 दलों द्वारा पत्रकारों के बहिष्कार की निंदनीय घोषणा पर कड़ी आपत्ति जताई है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स से संबद्ध एनयूजेआई के अध्यक्ष रास बिहारी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि विपक्षी दलों द्वारा उठाया गया यह कदम भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में मीडिया के ऊपर दमन का सबसे काला अध्याय है। विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों ने मीडिया का भी राजनीतिकरण कर दिया है। ये सर्वथा अनुचित और अस्वीकार्य है। ये इन दलों में लोकतांत्रिक मूल्यों की भारी कमी को भी दर्शाता है। जल्द ही एनयूजेआई अन्य पत्रकारों संगठनों के साथ एक बड़ी बैठक करके इस तरह से पत्रकारों के बहिष्कार के खिलाफ रणनीति बनाकर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। एनयूजेआई का मानना है कि विपक्षी गठबंधन में शामिल 26 दलों ने पत्रकारों का बहिष्कार कर भारत के महान लोकतंत्र को शर्मसार किया है।

दलगांव में एक ही रात दो मंदिरों में हुई चोरी

दरंग (हिंस)। दरंग के दलगांव में एक ही रात दो मंदिरों में चोरी हुई। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार शिव मंदिर और शनिमंदिर की दान पेटी तोड़कर पैसे लूट लिए गए। दलगांव चौराहे पर स्थित सौ साल पुराने ऐतिहासिक बुढ़ागोहाई मंदिर में बुधवार की रात शिव मंदिर के दानपात्र के ताले तोड़कर दानपात्र के पैसे लूट लिए गए। इसी दौरान चोरों ने मंदिर के पास स्थित शनि मंदिर के दान पात्रों को तोड़कर रुपए लूट लिए। दलगांव थाने के सामने दो मंदिरों में हुई इस चोरी को लेकर जनता में घोर प्रतिक्रिया हुई है।

26 लख रुपए से अधिक मूल्य का सोना समेत चार गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जोराबाट इलाके में एसटीएफ और जोराबाट पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए भारी मात्रा में सोना समेत चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि एसटीएफ और जोराबाट पुलिस ने संयुक्त अभियान के दौरान एक कार (एमएल-05एन-8712) से 518.8 ग्राम सोना समेत 4 तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान कर कार चालक वीरू सिंह (27, मेघालय) इनायत अली (30, राजस्थान) जन्नत बेगम (56, राजस्थान) और मोहम्मद यूसुफ (38, राजस्थान) के रूप में की गई है। गिरफ्तार चारों आरोपित मेघालय से सोना को राजस्थान ले जा रहे थे। जब्त की गई सोने की कीमत लगभग 26 लाख रुपए से अधिक बताई गई है।

चिरांग पुलिस ने 5.4 किग्रा गांजा के साथ तस्कर को पकड़ा

चिरांग (हिंस)। चिराग जिले की पुलिस मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार अभियान चला रही है। इस अभियान में पुलिस को भारी सफलता मिली है। आज चिरांग पुलिस द्वारा दी गई एक आधिकारिक सूचना के अनुसार अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए चिरांग पुलिस ने 5.4 किलोग्राम गांजा जब्त किया। इस सिलसिले में जिले के पानबाड़ी थाना क्षेत्र के अग्रांग इलाके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इस मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

मिस यूनिवर्स : ब्यूटी कांटेस्ट से हटा उम्र प्रतिबंध

अब वह महिलाएं भी *मिस यूनिवर्स* बनने का सपना पूरा कर सकती हैं जो अपनी उम्र के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाती थी। पूरी दुनिया की एक से बढ़कर एक महिलाओं को एक मंच पर लेकर आने वाले वार्षिक इंटरनेशनल सौन्दर्य प्रतियोगिता मिस यूनिवर्स में एक बार फिर बढ़ा बदलाव होने जा रहा है। मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के इतिहास में पहली बार उम्र में कोई पाबंदी नहीं होगी। न्यूयॉर्क फैशन वीक में टान्नर फ्लेचर के *ब्यूटी पेजेंट* शो के दौरान मिस यूनिवर्स 2022 आर बोनी गेब्रियल ने यह ऐलान किया है। मिस यूनिवर्स ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भाग लेने के लिए आयु सीमा हटा दी गई है। इससे पहले मिस यूनिवर्स उम्मीदवार की उम्र 18 से 27 वर्ष के बीच रखी गई थी। अब तक की सबसे उम्रदराज मिस यूनिवर्स का ताज पहनने वाली आर बोनी गेब्रियल खुद पिछले रिकॉर्ड को तोड़ चुकी हैं। 2022 की विजेता वर्तमान में 29 वर्ष की थी, इससे पहले उनसे कम उम्र की लड़कियों के सिर पर ही ये ताज सजा था। हालांकि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियां इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगी। मिस यूनिवर्स विजेता ने न्यूयॉर्क फैशन वीक में कहा कि उम्र किसी महिला की प्रतिस्पर्धा करने और महानता हासिल करने की क्षमता में बाधा नहीं है। मालूम हो कि पहले मिस यूनिवर्स उम्मीदवार की उम्र 18 से 27 वर्ष के बीच होनी अनिवार्य थी। जो उम्मीदवार मिस यूनिवर्स प्रतियोगियता में भाग लेना चाहते हैं वो अपने राष्ट्रीय निदेशक के तहत आवेदन कर सकती हैं। मिस यूनिवर्स प्रतियोगियता में भाग लेना उम्मीदवार राष्ट्रीय प्रतियोगिता के विजेता होना चाहिए। कंटेस्टेंट को अपनी महत्वाकांक्षा को स्पष्ट करने की क्षमता होनी चाहिए।

पृष्ठ एक का शेष

सबूत मिला तो...

ने केवल शर्मा की पत्नी को अनुदान की मंजूरी दी, लेकिन राशि जारी नहीं की। मुख्य विपक्षी दल ने कुछ कागजात जारी करते हुए यह दावा भी किया कि वर्ष 2021 में शर्मा के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी पत्नी रिंकी भुइंया शर्मा की कंपनी ने असम के नगांव में 50 बीघा कृषि भूमि खरीदी और इस खरीद के कुछ दिनों के बाद ही इस भूखंड को औद्योगिकी भूमि में तब्दील कर दिया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनकी पत्नी जिस कंपनी से जुड़ी हुई हैं उसे भारत सरकार से कोई सब्सिडी नहीं मिली है।

गौरव पर मानहानि का ...

उल्लेखनीय है कि गौरव गोगोई ने आरोप लगाया था कि नगांव जिले के कोलियाबर में बरभगिया मौजा के दारी गजी गांव में प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने बड़ी कृषि भूमि की श्रेणी को परिवर्तित कर दिया है। कंपनी ने *प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना* के तहत 10 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्राप्त की है। सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि प्राइड ईस्ट 2006 से विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही है। इस कंपनी के सभी रिकॉर्ड कानून के अनुसार सार्वजनिक डोमेन में हैं। प्राइड ईस्ट किसी भी अन्य योग्य उद्यम की तरह सरकार समर्थित कार्यक्रम, प्रोत्साहन योजना में भाग लेने के लिए पात्र है। लेकिन, प्राइड ईस्ट ने प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत एक पैसा भी नहीं लिया है। जो आरोप लगाए गए हैं, वे केवल एक असमिया महिला पर हमला है। जो 17 साल पुरानी कंपनी चला रही है। इस कंपनी के कुछ कर्मचारी हैं, जो इस खबर से मर्माहत हुए हैं। रिनिकी भुइयां शर्मा ने कहा कि इसलिए सांसद गौरव गोगोई के खिलाफ 10 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा।

चर्चा के लिए ...

अपनी पार्टी की चिंताओं को व्यक्त कर कहा कि आज, हमने विधानसभा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय उठाया, जिसमें हमने मुख्यमंत्री की पारिवारिक कंपनी, प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट की भागीदारी के बारे में पूछा, जिसे कथित तौर पर एक फंड प्राप्त हुआ था खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय से 10 करोड़ रुपए की राशि। लेकिन, मुख्यमंत्री ने इस मामले में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया और कहा कि केंद्र सरकार से कोई फंड नहीं मिला। सैकिया ने आगे कहा कि हमारे पास सबूत है कि 22 मार्च, 2023 को जब असम के सांसद पल्लब लोचन दास ने असम में निवेश के बारे में पूछताछ की, तो केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने जवाब दिया था कि असम के लिए 296 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। क्रम संख्या 7 में, मुख्यमंत्री की पारिवारिक कंपनी का नाम प्रदर्शित किया गया है। एक अन्य चिंता कृषि भूमि को औद्योगिक भूमि में परिवर्तित करने की है। हमारे पास इन मामलों पर जानकारी का अभाव है, और इसलिए हमने विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया और प्राप्त सब्सिडी से संबंधित जवाब मांगा। हम चाहते हैं इस मामले पर चर्चा, और यदि कोई गलत काम पाया जाता है, तो हम गहन जांच का अनुरोध करेंगे। हमने इस मामले को विधानसभा में दो बार उठाया, लेकिन हमारे प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया गया, जिसके कारण हमें बहिर्गमन करना पड़ा। विधानसभा के शरदकालीन सत्र के चौथे दिन विपक्षी दल का वॉकआउट हुआ। स्पीकर विश्वजीत दैमारी ने मुख्यमंत्री की पत्नी की जमीन के मुद्दे से जुड़े विवाद पर चर्चा करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि यह एजेंडे में नहीं है। विकास पर अपना असंतोष और असंतोष व्यक्त करते हुए और मुद्दे पर चर्चा करने से इनकार करते हुए, विपक्षी सदस्यों ने विरोध किया और नारे लगाए, मुख्यमंत्री की पत्नी को प्राप्त कथित भूमि सब्सिडी की गहन जांच की मांग की।

असम विधानसभा में ...

विश्वविद्यालय विधेयक-2023, बंगाईगांव विश्वविद्यालय विधेयक-2023, जगन्नाथ बरुआ विश्वविद्यालय विधेयक-2023, उत्तरी लखीमपुर विश्वविद्यालय विधेयक-2023, बोरोलैंड विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2023, असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2023, असम महिला विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2023, कॉटन यूनिवर्सिटी (संशोधन) विधेयक-2023, शिवसागर विश्वविद्यालय विधेयक-2023, गुवाहाटी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2023, माधवदेव विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2023, कुमार भास्कर बर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन (संशोधन) विधेयक-2023 और असम निरसन विधेयक-2023 हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री, कर्मचारी आदि विभाग के राज्य सरकार और अन्य प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों की गतिशीलता (दक्षता के लिए उपलब्ध जनशक्ति के इष्टतम उपयोग के लिए) विधेयक 2023, वित्त विभाग का असम माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन (मनी लॉन्ड्रिंग का विनियमन) (संशोधन) विधेयक-2023, असम माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2023, आवास और शहरी विकास विभाग आदि का गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक-2023, असम सार्वजनिक सुरक्षा (उपाय) प्रवर्तन (संशोधन) विधेयक-2023, परिवहन विभाग का असमान मोटर वाहन कर (संशोधन) विधेयक-2023 और श्रम एवं कल्याण विभाग का असम ग्रेच्युटी (संशोधन) विधेयक-2023 विधेयक भी पारिए किए गए।

हैलाकांदी में बाल...

सबूतों के अभाव में एक को छोड़ना पड़ा। बरुआ ने कहा कि गिरफ्तार लोगों पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर बाल विवाह कराने का आरोप है। इन लोगों को हैलाकांदी, पंचग्राम, कटलीचेरा, अल्गापुर, लाला, रामनाथपुर और बिलाईपुर इलाकों से पकड़ा गया हैं। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

सिर्फ बर्थ सर्टिफिकेट...

के अधिनियम में संशोधन की मांग की गई थी। जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम के लागू होने के बाद आधार से लेकर सभी जरूरी सरकारी दस्तावेज बनवाने में बर्थ सर्टिफिकेट का महत्तव बढ़ जाएगा। इस बिल को लोकसभा में 1 अगस्त और राज्यसभा में 7 अगस्त 2023 को पास किया गया था। इसके बाद अब केंद्र सरकार ने इस पर नोटिफिकेशन जारी करके नए नियमों को 1 अक्तूबर से लागू करने का ऐलान कर दिया है। यह अधिनियम भारत के रजिस्ट्रार जनरल को पंजीकृत जन्म और मृत्यु का राष्ट्रीय डेटाबेस बनाए रखने का अधिकार देता है। इसके लिए सभी राज्यों की तरफ से मुख्य रजिस्ट्रार और रजिस्ट्रार की नियुक्ति की जाएगी। यह अधिकारी पंजीकृत जन्म और मृत्यु के डेटा को राष्ट्रीय डेटाबेस में शेयर करने के लिए बाध्य होंगे। मुख्य रजिस्ट्रार राज्य स्तर पर एक समान डेटाबेस तैयार करेगा। विधेयक का एक प्रमुख उद्देश्य पंजीकृत जन्म और मृत्यु के लिए राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय डेटाबेस स्थापित करना है। इस पहल से अन्य डेटाबेस के लिए अपडेट प्रक्रियाओं को बढ़ाने, कुशल और पारदर्शी सार्वजनिक सेवाओं और सामाजिक लाभ वितरण को बढ़ावा देने की उम्मीद है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने इस विधेयक को लोकसभा में पेश किया। इस विधेयक के लागू होने पर जन्म पंजीकरण के दौरान माता-पिता या अभिभावक के आधार नंबर की आवश्यकता होगी।

मेक्सिको की संसद...

में इनके पेट में अंडे और कैडमियम व ऑस्मियम जैसी धातु दिखी। इनकी आनुवांशिक संरचना मनुष्यों से 30ñ अलग है। मार्का डॉट काम ने मौसान के हवाले से कहा कि ये नमूने हमारी पृथ्वी के विकास के हिस्सा नहीं हैं। ये एक शैवाल की खान में मिले हैं और बाद में वे जीवाश्म में बदल गए। मैक्सिको के सांसदों ने भी यूएफओ के ऊपर एक सुनवाई आयोजित की है। मंगलवार को दो लाशों को जिन्हें *गैर इंसानी* एलियन जीव माना जा रहा है, उन्हें संसद के अंदर प्रदर्शित किया गया। मौसान एक पत्रकार भी हैं और लंबे समय से परग्रही जीवों के बारे में जांच कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिकी रिटायर्ड मेजर डेविड ब्रुश ने दावा किया था कि अमेरिका के पास एलियन के सबूत हैं। मौसन जब मैक्सिकन सरकार और अमेरिकी अफसरों को कंकाल दिखा रहे थे, तब ब्रुश भी वहीं थे। संसद में इन कंकालों की पेशी के बाद मैक्सिको पृथ्वी पर एलियन की मौजूदगी मानने वाला पहला देश बन गया है। मौसन यूएफओ या एलियन पर ही रिपोर्ट करते रहे हैं। उन्होंने ही 2017 में 5 एलियन ममी मिलने का दावा किया था, जो बाद में मानव बच्चे निकले थे।

मुजफ्फरपुर में नाव...

कुमारी कक्षा (9), समसुल (40), अजमत (04), वसीम (11), सज्जदा प्रवीण (05), शिवजी चौपाल (65), गीता देवी चौपाल (65), नेमत (03), राजेश चौपाल की पत्नी और पिन्टु सहनी हैं। गांव के एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक लड़के ने दो लोगों को बचाया। वह अन्य लोगों को बचाने के लिए फिर नदी में गया लेकिन तेज बहाव के चलते खुद ही डूब गया। नाव पर 9वीं और 10वीं के बच्चे थे जो स्कूल जा रहे थे। बच्चों के साथ नाव पर कुछ गांव के भी लोग थे। कुछ काम करने जा रहे थे तो कुछ सामान लेने। डीएम प्रणव कुमार ने बताया कि सभी टीमें रेस्क्यू में लगी हुई हैं। कितने लोग डूबे हैं इसका आंकड़ा बता पाना मुश्किल है। 14 से 15 लोग बाहर आ गए हैं। हमारी पहली प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित निकालना है। डीएसपी पूर्वी शहरयार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। लोगों से भी घटना की जानकारी ली जा रही है। कितने बच्चे और लोग नाव पर सवार थे, यह स्पष्ट नही हो सका है। रस्सी के सहारे नाव को पार कराया जा रहा था। वह रस्सी टूट गई थी, जिससे हादसा हो गया है। एसडीओ पूर्वी अमित कुमार ने बताया कि हमारा मेन फोकस बच्चों को सुरक्षित निकालने पर है। कितने लोग डूबे हैं उसका अभी कोई क्लियर आंकड़ा नहीं है। एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू शुरू कर दिया है। डूबने वालों में बच्चे, महिलाएं, युवा, बुजुर्ग सभी हैं। नाव किनारे पर पलटी थी। इसलिए कई लोग बचकर बाहर आ गए।

एक कप चाय तक ...

उद्योग वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना कर रहा है, मंत्री बोरा ने कहा कि देश भर में चाय का उत्पादन शुरू होने और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग में कमी के कारण कच्ची चाय की पत्तियों की कीमत में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि सरकार असम में चाय उद्योग को सभी पहलुओं में सही दिशा में ले जाने के लिए विभिन्न चरणों में विचार कर रही है और इस संबंध में विशेषज्ञों के साथ चर्चा भी की है। असम कृषि विश्वविद्यालय ने छोटे किसानों के लिए एक विभाग शुरू किया है और चाय उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए इससे बहुमुखी उत्पाद विकसित करने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग वृक्षारोपण सीमाओं के भीतर वैकल्पिक कृषि पद्धतियों और अन्य समान कृषि पद्धतियों पर चर्चा करने के लिए आईआईटी गुवाहाटी के निदेशक के साथ चर्चा कर रहा है। सरकार ने छोटे चाय किसानों को कच्ची चाय की पत्तियों का उचित मूल्य पाने में आने वाली कठिनाइयों पर ध्यान दिया है और कच्ची चाय की पत्तियों की कीमत तय करने के लिए जिला स्तर पर एक समिति का गठन किया है। असम की अर्थव्यवस्था में छोटे और बड़े सभी चाय क्षेत्रों की समान आवश्यकता है और इसलिए सरकार को सभी को समान महत्व देना चाहिए। मंत्री ने कहा कि सरकार चाय बागानों में चाय की गुणवत्ता में सुधार के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चाय नीति बनायी है। उल्लेखनीय है कि असम भारत और दुनिया में चाय उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। भारत के कुल चाय उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक उत्पादन असम में होता है। भारतीय चाय बोर्ड के अनुसार, 2022 में भारत का कुल चाय उत्पादन 1366 मिलियन किलोग्राम था। जबकि, असम में लगभग 690 मिलियन किलोग्राम उत्पादन हुआ। यह आंकड़ा दर्शाता है कि यह उत्पादन विश्व के कुल उत्पादन 6,422.66 मिलियन का लगभग 11 प्रतिशत है। टी बोर्ड के मुताबिक 2022 में छोटे चाय किसानों का उत्पादन 328.99 मिलियन किलोग्राम था। जो असम के कुल उत्पादन का लगभग 48 फीसदी है। असम में 1 लाख 25 हजार से अधिक छोटे चाय किसान हैं और सरकार ने उन्हें एकजुट करने के लिए विशेष कदम उठाए हैं। भारतीय चाय बोर्ड और असम सरकार पहले से ही काम कर रही है। भारतीय चाय बोर्ड के पास छोटी जोत वाले चाय किसानों के उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न योजनाएं हैं। जिनमें छोटे चाय किसानों के लिए मशीनीकरण, समूहों को सहायता, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को सहायता, वार्षिक पुरस्कार, छोटे चाय किसान समूहों को चाय कारखाने स्थापित करने के लिए सब्सिडी, छोटे चाय किसानों को मिनी चाय कारखाने, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण स्थापित करने के लिए सब्सिडी, मृदा परीक्षण, जैविक प्रमाणीकरण, जैविक खेती में रूपांतरण, जैविक उर्वरक तैयार करना आदि। इसके अलावा, असम सरकार विभिन्न समय पर चाय निदेशालय के माध्यम से छोटे चाय किसानों को सहायता प्रदान करती रही है। चाय बोर्ड चाय की गुणवत्ता में सुधार और उत्पादन लागत कम करने के लिए छोटे किसानों को नियमित प्रशिक्षण दे रहा है। असम सरकार टोकलाई चाय अनुसंधान केंद्र और असम कृषि विश्वविद्यालय की सहायता से नियमित प्रशिक्षण भी दे रही है। चाय उद्योग को मजबूत करने के लिए सरकार पहले ही कई कदम उठा चुकी है। असम सरकार ने छोटे चाय किसानों के प्रशिक्षण के लिए 17 करोड़ रुपए के अनुदान से टोकलाई चाय अनुसंधान केंद्र, जोरहाट में एक आधुनिक वैज्ञानिक प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण कराया है। वर्ष 2017 से 2020 तक छोटे चाय किसानों को नई चाय की खेती के लिए 11 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्रदान की गई है। छोटे चाय किसानों को एकीकृत तरीके से स्थापित करने के लिए छोटे चाय किसान समूहों को सब्सिडी प्रदान की गई है। असम सरकार ने अब तक कुल 42 समूहों को इन समूहों को बनाए रखने के लिए कच्चे पत्तों को परिवहन करने वाले वाहनों की खरीद के लिए 27 मिलियन रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की है। भारतीय चाय बोर्ड भी समय-समय पर विभिन्न तरीकों से समूहों की सहायता करता रहा है।

14 समाचार एंकरों ...

पार्टी अपने प्रतिनिधि नहीं भेजेगी। इंडिया गठबंधन के कई सदस्य दलों द्वारा साझा की गई सूची में रिपब्लिक नेटवर्क के अर्नब गोस्वामी, आजतक के सुधीर चौधरी, न्यूज18 हिंदी के अमीश देवगन, टाइम्सनाउ की नविका कुमार, इंडियाटुडे ग्रुप के गौरव सावंत सहित 14 समाचार एंकरों के नाम शामिल हैं। इंडिया ब्लॉक का उद्देश्य जनता की राय को प्रभावित करना है, जिसके बारे में माना जाता है कि मुख्यधारा के मीडिया घरानों के माध्यम से भाजपा ने इस पर कब्जा कर लिया है। विपक्षी दल इस प्रयास को हासिल करने और अपने संदेश को फैलाने के लिए सोशल मीडिया और स्वतंत्र पत्रकारों पर निर्भर रहे हैं। आप सांसद राघव चड्ढा ने पहले कहा था कि कुछ एंकर हैं जो उत्तेजक बहस करते हैं। हम उनकी एक सूची बनाएंगे और इंडिया गठबंधन के सहयोगी उनके शो में जाना बंद कर देंगे। समन्वय समिति की बैठक में आगामी लोकसभा चुनावों में सीट बंटवारे से संबंधित मामलों, राज्यों में भारतीय दलों के साथ चर्चा के लिए राज्य स्तरीय समितियों के गठन पर भी चर्चा हुई। बैठक में मौजूद 12 सदस्य दलों ने गठबंधन की पहली सार्वजनिक बैठक भोपाल में आयोजित करने का भी निर्णय लिया। बैठक से पहले, भाजपा ने सभा आयोजित करने के विपक्ष के एजेंडे पर विवाद खड़ा कर दिया और आरोप लगाया कि वे *हिंदू धर्म को खत्म करने* पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं।

पाकिस्तान के एंटी-नारकोटिक्स...

विशाल जग्गा पंजाब के फिरोजपुर के रहने वाले हैं, जबकि रतन पाल सिंह और गर्वेंदर सिंह क्रमश जालंधर और लुधियाना से हैं। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार भारतीयों से पूछताछ के बाद मजहर इकबाल के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। हालांकि, अधिकारी उसे गिरफ्तार नहीं कर पाए क्योंकि उसने गिरफ्तारी से पहले ही जमानत ले ली थी। पाकिस्तान के अखबार के मुताबिक कई वरिष्ठ अधिकारियों को मजहर इकबाल की सीमा पार आतंकवाद में लंबे समय से संलिप्तता के बारे में पता था, लेकिन उन्होंने कथित तौर पर उनकी मिलीभगत को सुरक्षित करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन का इस्तेमाल किया। उन्हें पाकिस्तान में कुछ प्रमुख राजनीतिक हस्तियों का भी समर्थन प्राप्त था। 1994 के बाद से इकबाल को अवैध गतिविधियों में शामिल होने के कारण छह बार सेवा से बर्खास्त किया गया और 45 बार निलंबित किया गया था। उसके खिलाफ ज्यादातर मामले मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इतने संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड के बावजूद इकबाल को लाहौर पुलिस के मादक द्रव्य विरोधी विभाग का प्रमुख पद दिया गया था। मजहर इकबाल के खिलाफ पुलिस केस अगस्त के आखिरी हफ्ते में दर्ज किया गया था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि इकबाल और उसके नेटवर्क ने ड्रोन का उपयोग करके पाकिस्तानी शहर कसूर से भारत तक नशीली दवाओं के ट्रांसपोर्टेशन की सुविधा प्रदान की। जांच से पता चला है कि मजहर इकबाल ड्रोन के माध्यम से 30 किलोग्राम से अधिक हेरोइन भारत पहुंचाने में शामिल था और उसे अपने इस काम के लिए दुबई में पेमेंट मिलता था। पाकिस्तान के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मजहर इकबाल ने इन अवैध गतिविधियों के जरिए काफी संपत्ति अर्जित की है। एएनएफ ने डॉन को यह भी बताया कि पूर्व पुलिस अधिकारी ने ड्रग तस्कर अहमद के आवास से 35 किलोग्राम ड्रग्स और तीन कारें बरामद की थीं, लेकिन केवल 450 ग्राम ड्रग्स का मामला दर्ज करने के बाद उसे छोड़ दिया। मजहर कथित तौर पर ड्रग तस्कर से 7.5 करोड़ रुपए लेने के आरोप में एएनएफ द्वारा गिरफ्तार किया गया है। डॉन के मुताबिक, मजहर इकबाल ने कथित तौर पर अरबों रुपए की संपत्ति अर्जित की है और उसके पास शानदार कारों का एक बेड़ा भी है। वह लाहौर के पॉश डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी में चार कनाल के घर में रहते हैं। इसके अलावा उन्हें विभिन्न देशों, विशेषकर अमेरिका से हथियार इकट्ठा करने का भी शौक है।

राष्ट्रपति बना तो हटा ...

के हवाले से कहा गया है कि हम पहले दिन से शुरू कर देंगे, और हम पहले साल के अंत तक कर्मचारियों की संख्या में 50 प्रतिशत कटौती करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि इनमें से 30 प्रतिशत कर्मचारी अगले पांच साल में सेवानिवृत्ति की आयु तक पहुंच जाएंगे। लिहाजा यह जायज है। इस बारे में कोई संदेह नहीं है। लेकिन यह जितना अजीब लगता है, उतना है नहीं। खबरों के अनुसार रामास्वामी ने कहा है कि उनका लक्ष्य चार साल में 22 लाख कर्मचारियों में से 75 प्रतिशत को हटाना है। खबरों के अनुसार संघीय सरकार में लगभग 22 लाख 50 हजार लोग काम करते हैं। 75 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को हटाने के परिणामस्वरूप 16 लाख से अधिक लोगों को नौकरी से निकाल दिया जाएगा, जिससे संघीय बजट में अरबों डॉलर की बचत होगी। हालांकि इससे सरकार के महत्वपूर्ण कामकाज भी रुक जाएंगे।

कोलकाता : दुर्गापूजा थीम...

समितियों का चुनाव किया गया है जो हर साल पूजा का शानदार आयोजन करती हैं। इन समितियां की ओर से इसबार आयोजित होने वाली पूजा के दौरान पंडाल, मूर्तियां और समग्र सजावट की अनूठी प्रतीकात्मक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। यह 20 से 24 अक्तूबर के बीच कोलकाता के टाउन हॉल में आयोजित होगी। दरअसल पांच दिवसीय दुर्गा पूजा कार्यक्रम 11 से 15 अक्तूबर के बीच आयोजित होना है। इसमें देश दुनिया से लाखों की संख्या में लोग दुर्गा पूजा घूमने के लिए बंगाल आते हैं। इस बार यूनेस्को ने जिन 24 पूजा समितियों का चुनाव किया है, उनमें दो घरेलू पूजा भी शामिल हैं।

दूल्हा गया जेल...

भाई से दुल्हन का निकाह किया गया। मामला जिले के सिकंद्राराऊ इलाके का है। यहां के रहने वाले फैसल की शादी 11 सितंबर को अलीगढ़ शहर के रोरावार थाना क्षेत्र के अंतर्गत भोजपुर इलाके में होनी थी। शादी की लगभग सारी रस्में में पूरी हो चुकी थी। सोमवार देर शाम बारात हाथरस के सिकंद्राराऊ से अलीगढ़ के लिए निकली थी, जैसे ही बारात हाथरस की सीमा की तो अलीगढ़ जिला के एटा मार्ग पर टोल प्लाजा पर पहुंची तो पुलिस ने बारात को रोक लिया। इसके बाद पुलिस दूल्हा बने फैसल को पकड़ कर अकराबाद थाने पर ले गई। इसकी जानकारी मिलते ही दुल्हन पक्ष में हड़कंप मच गया। पुलिस का कहना है कि कुछ दिन पहले अकराबाद थाना क्षेत्र के कासिमपुर में एक शराब के ठेके और कैंटीन का ताला तोड़कर 35 पेटी शराब और अन्य सामान चोरी कर बदमाश मौके से फरार हो गए थे। इस दौरान पुलिस ने मौके से एक बाइक और मोबाइल बरामद किया था, तभी से पुलिस इस घटना का खुलासा करने में जुटी थी। उधर, दूल्हे के बड़े भाई चांद मियां से दुल्हन का निकाह कराया गया।

रंगिया : श्री श्री राणीसती मंदिर प्रांगण में भादी अमावस्या उत्सव का आयोजन

रंगिया (विभास)। रंगिया शहर के मध्य स्थापित श्रीश्री राणी सती दादी मंदिर प्रांगण में विगत कई वर्षों की तरह इसबार भी परंपरागत रूप से भादी अमावस्या उत्सव का भव्य आयोजन किया गया है। इसवर्ष मंदिर प्रांगण में इसका 47वां वार्षिक आयोजन धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। दो दिवसीय कार्यक्रमों के साथ उत्सव का शुभारंभ 14 सितंबर (बृहस्पतिवार) को किया गया जिसके अंतर्गत रात्रि 8 बजे माता का भव्य सृंगार दर्शन और संध्या आरती के अलावा रात्रि 9 बजे से बजरंग भजन मंडली के स्थानीय कलाकारों द्वारा मंदिर प्रांगण में कीर्तन का आयोजन किया गया। मंदिर संचालक बुबना परिवार द्वारा मिली जानकारी के अनुसार उत्सव के दुसरे दिन का कार्यक्रम शुक्रवार को सुबह 8.30 बजे-ज्योत प्रज्ज्वलन, 9 बजे -महाआरती एवं प्रसाद वितरण, दोपहर 2 बजे रंगिया महिला मंडल द्वारा मंगल पाठ का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर नलबाड़ी से आमंत्रित सुप्रशिद्ध मंगल पाठ वाचक-सुभाष अग्रवाल एवं तेजकरन बोथरा अपनी सुमधुर वाणी से मंगल पाठ का वाचन करेंगे। इसके साथ ही शाम 7 बजे-छप्पन भोग, 7.30 बजे-संध्या आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। इस मौके पर आयोजकों द्वारा सभी समाज बंधुओ के उपस्थिति की कामना की गई है।

सदन में मंत्री ने विपक्ष को कथित रूप से दिखाया अंगूठा, विपक्ष का वाकआउट

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा में सत्र के चौथे दिन गुरुवार को विपक्ष ने एक मंत्री पर सवालों का जवाब देते समय अंगूठा दिखाने का आरोप लगाकर सदन से सांकेतिक बहिर्गमन किया। विपक्षी दलों ने मंत्री की इस आचरण के लिए कड़े शब्दों में निंदा की है। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान अल्पसंख्यक कल्याण और विकास के मुद्दे पर बहस चल रही थी। प्रतिपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया के अल्पसंख्यक कल्याण के लिए आवंटित राशि से संबंधित सवाल का विभागीय मंत्री चंद्रमोहन पटवारी जवाब दे रहे थे। मंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक विकास विभाग (एमडीडी) इस राशि को अल्पसंख्यकों के विकास के लिए किया गया। मंत्री पटवारी के जवाब से नाखुश विधायक अखिल गोगोई ने कहा कि मंत्री ने गलत जवाब दिया है। मंत्री को कुछ नहीं पता है। मंत्री इस बात को लेकर अखिल गोगोई पर भड़क गए। तभी मंत्री चंद्रमोहन पटवारी खड़े हुए और बोले कि अखिल गोगोई, आपने मुझसे कहा कि मैं कुछ नहीं जानता हूं। मुझे अखिल गोगोई के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। यह बातें कहते हुए मंत्री पटवारी ने कथित रूप से दोनों हाथ उठाकर अंगूठा दिखाया। इस पर विपक्ष ने आरोप लगाया कि विभागीय मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने विपक्ष विधायक को अंगूठा दिखाया। मंत्री के कथित इस अमर्यादित आचरण से विपक्षी सदस्य उत्तेजित हो गए। विपक्षी दलों का कहना है कि मंत्री पटवारी ने विधायक अखिल गोगोई को कथित तौर पर अंगूठा दिखाकर विधानसभा की गरिमा को तार-तार कर किया है। इस पर विपक्षी दल कांग्रेस के विधायकों ने विरोध जताया और चार मिनट के लिए सदन से बाहर चले गए। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि अल्पसंख्यक विकास विभाग के व्यावहारिक प्रमाण पत्र जारी करने में विफलता के लिए जिम्मेदार जिला आयुक्तों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। पटवारी के इस व्यवहार पर विपक्ष के नेता देवब्रत सैकिया ने कहा कि सदन में एक वरिष्ठ मंत्री के विपक्षी विधायक को अंगूठा दिखाने से पवित्र विधानसभा की गरिमा धूमिल हुई है। विपक्षी विधायकों ने मंत्री पटवारी पर विधानसभा में अनुशासन का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी से मंत्री के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

पंचायत संशोधन विधेयक विधानसभा में पारित

गुवाहाटी (हिंस)। पंचायत संशोधन विधेयक 2023 विधानसभा में आज पारित हो गया। असम विधानसभा के चालू शरदकालीन अधिवेशन के चौथे दिन आज सदन में इस संशोधन विधेयक को पारित करते हुए कानून का रूप दे दिया गया। संशोधित कानून के अनुसार, पंचायत चुनाव में अब से ग्राम पंचायत के अध्यक्ष का चुनाव वार्ड सदस्यों द्वारा किया जाएगा। वार्ड सदस्यों के चुनाव में किसी भी पार्टी का चुनाव चिह्न नहीं होगा। पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ ढाई साल तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकेगा। जिला परिषद सदस्यों पर भी अब दलबदल निरोधी कानून लागू होगा। दूसरी ओर, इस बार बैलेट पेपर की जगह ईवीएम का प्रयोग पंचायत चुनावों होगा। नया कानून पंचायत उम्मीदवारों के लिए शैक्षिक योग्यता निर्धारित करता है। जिला परिषद, क्षेत्रीय पंचायत के अभ्यर्थियों को न्यूनतम हायर सेकेंडरी परीक्षा उत्तीर्ण होना होगा। ग्राम पंचायत के सदस्य का उम्मीदवार भी हायर सेकेंडरी पास होना होगा।

जेसीआई, नगांव रॉयल्स ने दरिद्रों में भोजन सामग्री का किया वितरण

नगांव (निसं)। जेसीआई नगांव रॉयल्स के तत्वावधान में चल रहे जैथरा सप्ताह के अंतर्गत चौथे दिन के कार्यक्रम में मंगलवार को सड़क किनारे बैठे दरिद्र लोगों में भोजन समग्री के पैकेट वितरित किए। उक्त पैकेट में चावल, दाल, हल्दी, नमक, सरसों का तेल व बिस्कुट थे। इसके अतिरिक्त जेसीआई नगांव रॉयल्स के दो सदस्यो निशा अग्रवाल व मुस्कान भट्टी के जन्म दिन के मौके पर मंगलवार को ही ग्राम्य पुथीभराल के अंतर्गत चलने वाले संत विनोबा वृद्धा आश्रम के निवासियों के साथ दोनो सदस्यो का जन्म दिन मनाया। वृद्धा आश्रम की महिलाओ के साथ केक काट कर अपनी खुशिया साझा की। इस मौके पर उन्हें मिठाई, नमकीन, जूस, केक और चाकलेट सहित भोजन के पैकेट भेंट किए। वृद्धा आश्रम की महिलाएं इस तरह जेसीआई नगांव रॉयल्स की सदस्याओं को अपने बीच पाकर बहुत खुश हुई और इन सदस्याओ को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इन सभी कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सदस्यो का सहयोग सराहनीय रहा।

24 वीं वाहिनी एसएसबी रंगिया का हिंदी पखवाड़ा आयोजित

रंगिया (विभास)। 24 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रंगिया द्वारा हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन शुरू किया गया जोकि दिनांक 14 सितंबर से प्रारंभ किया गया और यह कार्यक्रम 29 सितंबर तक चलेगा। बताया गया है कि इस हिंदी फखवाड़े में वाहिनी मुख्यालय एवं इसकी समस्त सीमा चौकियों के कार्मिक भाग ले रहे है। इसके अंतर्गत वाद विवाद प्रतियोगता, हिंदी टिप्पणी, प्रारूपण लेखन, कार्यालीन वाक्यांश अनुवाद, हिंदी मौलिक कविता पाठ, हिंदी निबंध लेखन, हिंदी प्रश्नोत्तरी तथा देश प्रेम से संबंधित गीत व कविता आदि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। बताया गया है कि उक्त कार्यक्रम के चयनित प्रथम द्वितीय व तृतीय कार्मिकों को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम का शुभारंभ बल वाहिनी के कमांडेंट

दीपक सिंह द्वारा बृहस्पतिवार को किया गया इस मौके पर उन्होंने हिंदी फखवाड़े में आयोजित प्रतियोगताओं में भाग लेने वाले सभी कार्मिकों को शुभकामनाएं देते हुए राजभाषा हिंदी की बढ़ती आवश्यकता, शक्ति व महत्ता से सभी जवानों को अवगत कराया। उन्होंने वाहिनी कार्यालय के पत्राचार को ज्यादा से ज्यादा हिंदी में करने के लिए भी प्रेरित किया तथा हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने पर बल दिया और समर्पण की भावना से कार्यक्षेत्र को देश हित में कार्य करने का आह्वान किया।

भारतीय उद्यमिता संस्थान, गुवाहाटी एवं आईआईएम शिलांग ने शुरू की स्पेशल लर्निंग प्रोग्राम

गुवाहाटी। भारतीय उद्यमिता संस्थान गुवाहाटी एवं आईआईएम शिलांग ने मिलकर सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट के नाम से एक स्पेशल लर्निंग प्रोग्राम की शुरुआत की है, 6 महीने के सर्टिफिकेट प्रोग्राम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेष कर नॉर्थ-ईस्ट के युवाओं को मौका दिया जाएगा जिसमें उन्हें मैनेजमेंट इन डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत ट्रेनिंग देकर विभिन्न संस्थानों में प्लेसमेंट के रास्ते को सुगम किया जाएगा इस अवसर पर भारतीय उद्यमिता संस्थान के निदेशक डॉ. ललित शर्मा ने बताया कि कैंडिडेट के लिए किसी भी मान्यताप्राप्त कॉलेज से 50 प्रतिशत नंबरों से पास होना जरूरी है। प्रोग्राम में नामांकन करने के लिए 15 सितंबर से 5 अक्तूबर तक फार्म लिए जाएंगे जिसमें से 30 कैंडिडेट का चयन किया जाएगा जिन्हें बहुत ही कम खर्च पर ट्रेंड कर उन्हें विभिन्न संस्थानों में प्लेसमेंट दे दिया जाएगा, विदित है कि पिछले वर्ष भारतीय उद्यमिता संस्थान गुवाहाटी एवं इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट शिलांग के बीच एक समझौता हुआ था जिसके अंतर्गत पूर्वोत्तर के युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हे एक अच्छा विकल्प दिया जाएगा, इस अवसर पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस आईआईएम शिलांग के सेंटर कॉर्डिनेटर डॉक्टर संजीव कुमार निंगोमबम, एसोसिएट फैकल्टी मेंबर्स

भारतीय उद्यमिता संस्थान गुवाहाटी और कोर्स निदेशक डॉक्टर सांतनु मोहन डेका, एवं भारतीय उद्यमिता संस्थान गुवाहाटी के कंसल्टेंट तथा कोर्स कुआर्डिनेटर डॉक्टर भास्कर कुमार काकोटी भी उपस्थित थे, सीपीएमडीएस के अंतर्गत चलने वाले इस प्रोग्राम में पूर्वोत्तर के लोगों के लिए 50प्रतिशत के आरक्षण साथ ही सरकारी नियमों से विभिन्न कोटे का आरक्षण भी रखा गया है तथा नियमों के अंतर्गत सरकारी सहायता भी प्राप्त हो सकता है।

एनटीपीसी ने हिंदी दिवस पखवाड़ा का किया आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। राजभाषा हिंदी के आधिकारिक कार्यों के साथ-साथ दैनिक संचार में व्यापक प्रचार के उद्देश्य से 14 सितंबर, 2023, गुरुवार को एनटीपीसी बंगाईगांव में हिंदी दिवस का उद्घाटन उत्साहपूर्वक किया गया। एनटीपीसी बंगाईगांव में हिंदी पखवाड़ा 14 से 29 सितंबर, 2023 तक आयोजित किया जा रहा है। मुख्य महाप्रबंधक, एनटीपीसी बंगाईगांव, करुणाकर दास ने हिंदी दिवस समारोह की शुरुआत की और सभी उपस्थित कर्मचारियों को राजभाषा शपथ दिलाई। उन्होंने कर्मचारियों से आधिकारिक उपयोग में हिंदी को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस अवसर पर उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान श्री आशुतोष बिश्वास, महाप्रबंधक, प्रचालन; श्री आईआर रेड्डी, महाप्रबंधक, अनुरक्षण; व एसके झा, महाप्रबंधक, ईंधन प्रबंधन, सहित अन्य वरिष्ठ प्रबंधन एवं कर्मचारी मौजूद रहे। मुख्य महाप्रबंधक महोदय ने इस अवसर पर राजभाषा अपील जारी की और सभी को अपने दैनिक आधिकारिक कार्यों में यथासंभव राजभाषा हिंदी का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह संदेश दिया कि हिंदी भाषा में सभी भाषाओं को एक साथ जोड़ने की अपार शक्ति है और इसे बोलना व इसके द्वारा सभी से जुड़ना आसान है। एनटीपीसी बंगाईगांव में हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतिभागी वर्गों हेतु हिंदी कविता पाठ, स्लोगन राइटिंग, निबंध लेखन, अनुवाद प्रतियोगिता, इत्यादि सहित कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उम्मीद है कि कर्मचारी, उनके जीवन साथियों, और बच्चों सहित उनके परिवार के सदस्य राजभाषा पखवाड़ा कार्यक्रम में भारी संख्या में सम्मिलित होंगे। प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण के साथ पखवाड़े का समापन 29 सितंबर, 2023 को कराया जाएगा।

असम राइफल्स के साथ मुठभेड़ में एनएससीएन उग्रवादी की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर में स्थायी शांति के लिए विभिन्न आतंकवादी समूहों के साथ शांति समझौतों पर हस्ताक्षर हो रहे हैं। इसी बीच गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश में असम राइफल्स ने एक मुठभेड़ में नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (एनएससीएन) के केवाईए समूह का एक उग्रवादी मार गिराया है। अरुणाचल प्रदेश में असम राइफल्स की 11वीं बटालियन की एक गश्ती टीम के साथ हुई मुठभेड़ में एनएससीएन (केवाईए) का एक कैडर की मौत हुई है। मृतक की पहचान स्वयंभू कैप्टन जेम्स के रूप में हुई है। मृतक के पास से पिस्तौल, नकदी और आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। कैडर का शव बरामद कर लिया गया है।

विश्वनाथ में हिंदी दिवस समारोह हर्षोल्लास मना

विश्वनाथ (विभास)। हिंदी दिवस समारोह समिति के सौजन्य तथा विश्वनाथ चाराली राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति, राष्ट्रीय विद्यालय एमई, राष्ट्रीय विद्यालय के सहयोग से राष्ट्रीय विद्यालय के सभागार में दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ आज हिंदी दिवस समारोह हर्षोल्लास संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आज सर्वप्रथम प्रातः 9 बजे विश्वनाथ चाराली राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिवार समिति के मुख्य सलाहकार व वरिष्ठ नागरिक शंकर प्रसाद गुप्ता ने हिंदी दिवस समारोह समिति का ध्वजारोहण किया। हिंदी दिवस के दिन वरिष्ठ नागरिक शंकर प्रसाद गुप्ता जी आज 99 वर्ष में प्रवेश किए और सभी को अपने जन्मदिन की मिठाई भी वितरण की। इसके बाद 10 बजे मूल सभा का आयोजन किया गया, जिसका अध्यक्षता राष्ट्रभाषा विद्यालय एम. ई के प्रधानाचार्य व हिंदी दिवस समारोह समिति के उपाध्यक्ष रामचंद्र ठाकुर ने की। विश्वनाथ चाराली राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के उपाध्यक्ष व हिंदी दिवस समारोह समिति के सचिव विनोद कुमार गुप्ता द्वारा संचालित सभा में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वनाथ प्राथमिक शिक्षा के पूर्व अधिकारी करुणाकांत भट्ट, जिला शिक्षा प्रशिक्षण प्रतिष्ठान,

शोणितपुर के प्रवक्ता बबीता हजारिका, माया श्री बोरा, मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ प्रचारक एवं हिंदी शिक्षक शंकर प्रसाद साहू, सेवानिवृत्त शिक्षक व लोकनाथ उपाध्याय, राष्ट्रीय विद्यालय हाई स्कूल प्रबंध समिति के अध्यक्ष मन्जमीर अहमद, विश्वनाथ चाराली राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के साहित्य सचिव मदन गोपाल साहू, समिति के सलाहकार हरिप्रसाद ठाकुर, पारस नाथ गुप्ता, राम प्रकाश राय, गौरीकांत झा, दीपा लोधी, केदार राम आदि अतिथि को मंचासीन कराया गया। मंचासीन अतिथियों को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। समोरह समिति के सचिव विनोद कुमार गुप्ता ने सभा का उद्देश्य व्याख्या की। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत से सभी अतिथियों को स्वागत किया। मुख्य वक्ता क्रमशः शंकर प्रसाद साहू, लोकनाथ उपाध्याय, मः जमीर अहमद, मदन गोपाल साहू ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भारत के मनीषी द्वारा हिंदी भाषा के प्रचार- प्रसार के अहम योगदान के बारे में जिक्र किया। हिंदी भाषा में सभी को कार्य करने के लिए आह्वान की लोकनाथ उपाध्याय ने हिंदी भाषा की उत्पत्ति के प्रकाश डालते हुए ब्रज, अप्रभंश से लेकर खड़ीबोली हिंदी के विकास पर सारगर्भित व्याख्यान दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए हिंदी पत्र-पत्रिका का प्रकाशन करने के लिए उपाध्याय जी ने सुझाव दी। इसके बाद एक झूमर नृत्य विद्यार्थियों द्वारा किया गया जिसमें दर्शकों को अपने नृत्य से मन मोह लिया। तत्पश्चात् बुधवार, 13 सितंबर को विश्वनाथ चाराली राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के कार्यकरी अध्यक्ष व समारोह समिति के प्रतियोगिता संचालन सूर्य नारायण पांडे द्वारा कुशल नेतृत्व में आयोजित छात्र-छात्राओं की विभिन्न प्रतियोगिता क्रमशः कविता आवृत्ति, राष्ट्रभाषा हिंदी की महत्ता (भाषण), देशभक्ति गीत एवं भजन में प्रथम, दूसरा, तृतीय स्थान प्राप्त विजेता को प्रशस्ति पत्र तथा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

माहेश्वरी महिला समिति के तत्वावधान में नंदोत्सव मनाया गया

गुवाहाटी (विभास)। छत्रीबाड़ी स्थित आसाम माहेश्वरी भवन में दिनांक 13/9/23 बुधवार को माहेश्वरी महिला समिति के तत्वाधान में नंदोत्सव का कार्यक्रम मनाया गया जिसमें भजनो के साथ नृत्य नाटिका, लड्डू गोपाल सजाओ प्रतियोगिता तथा छप्पन भोग का कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस उपलक्ष में सुंदर दरबार सजाया गया जहां सभी लड्डू गोपालजी को विराजमान किया गया। सर्वप्रथम महेश बंदना ओर गणेश जी के भजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। लड्डू गोपाल सजाओ प्रतियोगिता की जज श्रीमती चित्रा दुधोड़िया के निर्णय अनुसार उन्होंने प्रथम स्थान पर विनीता मुंदड़ा व द्वितीय नेहा भट्टड़ रहीं तथा सांत्वना पुरस्कार मीनाक्षी दम्माणी को प्राप्त हुआ। बड़ी संख्या में समाज की बहने इस उत्सव में उपस्थित थीं तथा मधुर सुरीले भजनों की प्रस्तुति व नृत्य तथा नाटिका आदि में बढ़-चढ़कर भाग लिया। समिति की बहनों ने बहुत सुंदर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जिसमे सभी बहने भावविभोर होगई जैसे लग रहा था बृंदावन में गोपियां रास रचा रही हो। तत्पश्चात भगवान की आरती करके छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया गया। समिति द्वारा सभी बहनों के लिए अल्पाहार का प्रबन्ध किया गया था।

मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर में *सीआईआई फूडप्रो नॉर्थ-ईस्ट* का उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित *सीआईआई फूडप्रो नॉर्थ ईस्ट* के पहले संस्करण का उद्घाटन बृहस्पतिवार को हुआ। गुवाहाटी के बेतकुची स्थित मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर में आज से शुरू हुए तीन दिवसीय *सीआईआई फूडप्रो नॉर्थ ईस्ट* के स्वागत सत्र कई जानी-मानी हस्तियों ने हिस्सा लिया। असम औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मानवेंद्र प्रताप सिंह ने उल्लेख किया कि *फूड प्रो* जैसे आयोजन उत्तर पूर्व को उत्तर पूर्व में खाद्य प्रसंस्करण गंतव्य के रूप में पेश करने में सहायक हैं। इस बात की मांग बढ़ रही है कि असम सरकार खाद्य प्रसंस्करण में निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज तैयार कर रही है। हाल ही में असम के नलबाड़ी में पेप्सिको के साथ 800 करोड़ रुपए का एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। राज्य सरकार अगले पांच वर्षों में 15000 टन आलू प्रसंस्करण करने का अनुमान लगा रही है। इस मौके पर फूड प्रो नॉर्थ ईस्ट 2023 के अध्यक्ष और ब्लू स्टार लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बी त्यागराजन ने उल्लेख किया कि सीआईआई उत्तर पूर्व क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और *फूडप्रो नॉर्थ ईस्ट 2023* इसी प्रतिबद्धता का परिणाम

है। फूडप्रो ने पिछले साल दक्षिण भारत में अपना 14वां संस्करण आयोजित किया था। उन्होंने विश्वास जताया कि फूडप्रो नॉर्थ ईस्ट प्रौद्योगिकी, ज्ञान के आदान-प्रदान और कौशल विकास के साथ क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखेगा। फूडप्रो नॉर्थ-ईस्ट 2023 का विषय *उत्तर-पूर्व में खाद्य प्रसंस्करण के लिए बाजार का बढ़ना* है, और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लू स्टार लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बी त्यागराजन ने कही। इससे पहले सीआईआई नॉर्थ-ईस्ट काउंसिल के अध्यक्ष और अमृत सीमेंट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक प्रदीप बागला ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और सीआईआई असम राज्य परिषद के उपाध्यक्ष भास्कर फुकन ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। उद्घाटन समारोह में असम सरकार द्वारा बागवानी उत्पादों को विकसित करने के लिए की जा रही पहल के बारे में बोलते हुए, असम सरकार के बागवानी और खाद्य प्रसंस्करण विभाग के निदेशक तिरंगा बोरा ने बागवानी उत्पादों के लिए आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के बारे में बात की। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए विभाग द्वारा स्थापित प्रशिक्षण सुविधाओं के बारे में उल्लेख किया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा राज्य में स्थापित क्लस्टर आधारित पहल और मेगा फूड पार्कों के बारे में भी प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य में सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले आलू के बीज की खरीद के लिए आईटीसी और महिंद्रा के साथ गठजोड़ पर प्रकाश डाला। उन्होंने खाद्य क्षेत्र में निवेश के लिए बांग्लादेश के साथ गठबंधन करने की असम सरकार की इच्छा के बारे में भी बात की। वहीं एनईआरएएमएसी की पहल के बारे में बोलते हुए, एनईआरएएमएसी के प्रबंध निदेशक, कमोडोर राजीव अशोक (सेवानिवृत्त) ने इस वर्ष त्रिपुरा में अनानास प्रसंस्करण इकाई को फिर से खोलने का उल्लेख किया। उन्होंने 18 सितंबर, 2023 से त्रिपुरा राज्य में काजू प्रसंस्करण संयंत्र को फिर से खोलने की भी जानकारी दी। एनईआरएएमएसी अपनी उपज के जीआई प्रमाणीकरण के लिए उत्तर पूर्व में विभिन्न राज्य सरकारों के साथ काम कर रहा है। एनईआरएएमएसी क्षेत्र में कार्यान्वयन के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की विभिन्न योजनाएं चला रहा है। इस आयोजन को उद्योग और प्रमुख हितधारकों से जबरदस्त समर्थन मिला है। इस पहल को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई), भारत सरकार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, असम सरकार *मेजबान राज्य* और मणिपुर, त्रिपुरा और नगालैंड सरकार *साझेदार राज्य* के रूप में समर्थित है। इस आयोजन को मसाला बोर्ड और सीएफटीआरआई - केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, नाबार्ड और एपीडा जैसी अन्य सरकारी नोडल एजेंसियों से भी भागीदारी मिली है। भारत सरकार द्वारा दिए गए विभिन्न प्रोत्साहनों की बदौलत उत्तर पूर्व क्षेत्र खाद्य प्रसंस्करण के लिए उभरते क्षेत्र के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है। इन पहलों से न केवल कृषि उत्पादकों को लाभ हो रहा है बल्कि परिवहन, पैकेजिंग, विज्ञापन और विपणन में रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। फूडप्रो नॉर्थ-ईस्ट में क्षेत्रीय सम्मेलनों, बी2बी, बी2जी और बी2सी बैठकों के अलावा पूरे भारत से 50 से अधिक प्रदर्शकों की भागीदारी के साथ 3 दिवसीय प्रदर्शनी है। एक्सपो में देश भर से 6, 000 से अधिक व्यापारिक और व्यापारिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है। प्रदर्शनी के मौके पर, 14 सितंबर 2023 को खाद्य प्रसंस्करण पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया है। सम्मेलन में खाद्य प्रसंस्करण और कृषि उद्योगों के 200 से अधिक वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने भाग लिया है। सम्मेलन का उद्देश्य पूर्वोत्तर में कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में हितधारकों के बीच प्रौद्योगिकी-आधारित ज्ञान को बढ़ावा देना है, जिसमें उत्तर पूर्व में रसद और चुनौतियों को नेविगेट करने और पूंजी तक पहुंच को मजबूत करने पर सत्र शामिल हैं। तीन दिवसीय फूडप्रो नॉर्थइर्रस्ट का समापन 16 सितंबर को मनीराम दीवान ट्रेड सेंटर, गुवाहाटी में होगा।

विपक्षी घमंडिया गठबंधन सनातन धर्म को नष्ट करना चाहता है : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता का श्रेय देश की 140 करोड़ जनता को दिया

बीना/नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि विपक्षी दलों का आईएनडीआईए गठबंधन देश और समाज को विभाजित करने में जुटा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी घमंडिया गठबंधन सनातन धर्म को नष्ट करना चाहता है। प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश के बीना में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की बीना रिफाइनरी में पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स और राज्य भर में दस नई औद्योगिक परियोजनाओं सहित 50,700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीना रिफाइनरी में पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स और शुरू की जा रही अन्य विकास पहल से मध्य प्रदेश की प्रगति को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार देश में महिलाओं को 75 लाख नए गैस कनेक्शन देगी। प्रधानमंत्री ने भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता का श्रेय देश की 140 करोड़ जनता की सामूहिक शक्ति को दिया। उन्होंने कहा कि इससे लोगों और देश का गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा, ह्वभारत ने गुलामी को मानसिकता को पीछे छोड़कर अब स्वतंत्र होने के स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ना शुरू किया है। कोई भी देश, जब ऐसा ठान लेता है, तो उसका कायाकल्प होना शुरू हो जाता है। इसकी एक तस्वीर अभी आपने जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी देखी है। जो आपकी भावना है, वो आज पूरे देश की भावना है। इस जी20 की सफलता का श्रेय मोदी को नहीं बल्कि आप सबको जाता है। ये आप सबका सामर्थ्य है, ये 140 करोड़ भारतवासियों की सफलता है। ये भारत की सामूहिक शक्ति

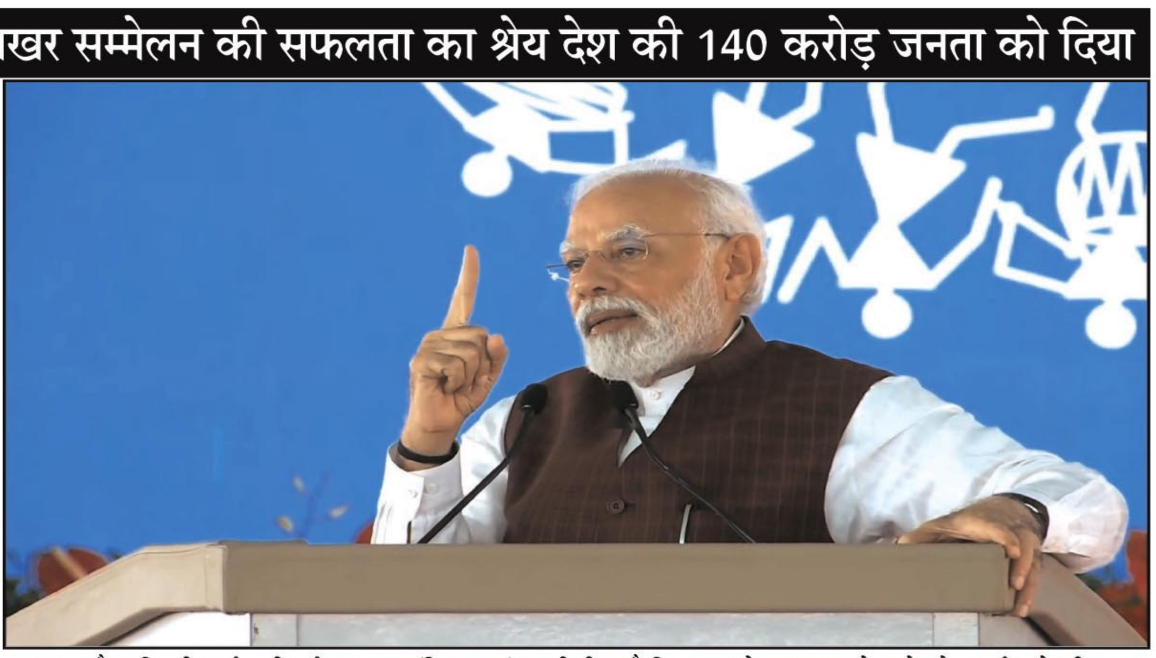

का प्रमाण है ह्व विपक्षी आईएनडीआईए पर तीखा हमला करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वहीं दूसरी तरफ कुछ ऐसे दल भी हैं, जो देश और समाज को विभाजित करने में जुटे हैं।

इन्होंने मिलकर एक आईएनडीआईए बनाया है, जिसे कुछ लोग घमंडिया गठबंधन भी कहते हैं। इनका नेता तय नहीं है, नेतृत्व पर भ्रम है। इसके बावजूद इन्होंने अपनी मुंबई मीटिंग में ये घमंडिया गठबंधन कैसे काम करेगा, इसकी नीति और रणनीति बना दी है। इन्होंने अपने एक छिपा हुआ उद्देश्य भी तय कर लिया है। इस घमंडिया गठबंधन की नीति और रणनीति है, भारत की संस्कृति पर हमला करने की। इस आईएनडीआईए का निर्णय है कि भारतीयों की आस्था पर हमला करो। इस घमंडिया गठबंधन की नीयत है कि भारत को जिन विचारों और संस्कारों ने हजारों वर्ष से जोड़ा है, उसे तबाह कर दो। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये घमंडिया गठबंधन वाले सनातन संस्कारों और परंपरा को समाप्त करने का संकल्प लेकर आए हैं। जिस सनातन को गांधी जी ने जीवनपर्यंत माना, जिस सनातन ने उन्हें अस्पृश्यता के खिलाफ आंदोलन चलाने के लिए प्रेरित किया।

ये घमंडिया गठबंधन के लोग उस सनातन परंपरा को समाप्त करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज इन लोगों ने खुलकर बोलना शुरू किया है। कल ये लोग हम पर होने वाले हमले और बढ़ाने वाले हैं। देश के कोने-कोने में हर सनातनी को, इस देश को प्यार करने वाले को सतर्क रहने की जरूरत है। आईएनडीआईए वाले सनातन को मिटाकर देश को एक हजार साल की गुलामी में धकेलना चाहते हैं लेकिन हमें मिलकर ऐसी ताकतों को रोकना है। हमारी एकजुटता से उनके मंसूबों को नाकाम करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में लंबे समय तक शासन करने वालों ने भ्रष्टाचार और अपराध के अलावा और कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पर लोगों को भरोसा ही नहीं था, इसलिए कोई निवेशक नहीं आता था। हमने राज्य में कानून व्यवस्था स्थापित कर मध्य प्रदेश की जनता को भय से मुक्त कराया। इससे आज बड़े-बड़े निवेशक यहां फैक्टरी लगाना चाहते हैं।

भारतीय रेलवे के प्रोबेशनर्स ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय रेलवे (2018 बैच) के 255 प्रोबेशनर्स के एक समूह ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। प्रोबेशनर्स को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय रेलवे न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था बल्कि भारत की एकता और सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता की भी रीढ़ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह उन जैसे युवा अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे रेलवे पारिस्थितिकी तंत्र की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाएं और भारतीय रेलवे को दुनिया में सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदाता बनाने का प्रयास करें। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रौद्योगिकी आज सभी क्षेत्रों में प्रेरक शक्ति है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय रेलवे के लिए जो हर दिन लाखों लोगों की जरूरतों और मांगों को पूरा करती है और हर महीने लाखों टन माल का परिवहन करती है, प्रौद्योगिकी का यथासंभव सर्वोत्तम उपयोग करना आवश्यक है। राष्ट्रपति

ने युवा अधिकारियों से लोगों के अनुकूल और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन प्रणाली के लिए नए अनुप्रयोगों और प्रणालियों को तैयार करके देश की तकनीकी उन्नति में एक नया रास्ता तय करने में योगदान देने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि जो लोग ट्रेनों में यात्रा करते हैं वे अपनी यात्रा की यादें अपने साथ लेकर जाते हैं। उन्होंने अधिकारियों से यात्रियों के साथ अपने मेहमानों के रूप में व्यवहार करने और सर्वोत्तम सेवा और सर्वोत्तम अनुभव प्रदान करने का आग्रह किया, जिसे वे संजोकर रख सकें। उन्होंने हर तरह से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्नत तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित-अनुप्रयोगों के साथ, रेल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कुशल और फुलप्रूफ सिस्टम डिजाइन किए जाने चाहिए।

2008 मालेगांव विस्फोट मामले में एनआईए की जांच हुई पूरी

नई दिल्ली, (हि.स.)। मालेगांव 2008 विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने विशेष एनआईए अदालत में आवेदन दायर कर अदालत को सूचित किया कि उसने सबूतों की रिकॉर्डिंग पूरी कर ली है और उनकी ओर से बयान दर्ज करने के लिए और गवाहों को बुलाने की जरूरत नहीं है। एनआईए ने इस मुकदमे में 323 गवाहों के बयान दर्ज किए जबकि 37 गवाह मुकर गए। 29 सितंबर, 2008 की रात करीब 9 बजकर 35 मिनट पर मालेगांव में शकील गुड्स ट्रांसपोर्ट कंपनी के ठीक सामने एक बम धमाका हुआ था। यह धमाका एक मोटरसाइकिल में हुआ था। इस धमाके में छह लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 101 लोग घायल हुए थे। धमाके के बाद 30 सितंबर, 2008 को मालेगांव के आजाद नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ था। चूंकि ये मामला आतंक से जुड़ा हुआ था, इसलिए महाराष्ट्र सरकार के आदेश के बाद महाराष्ट्र एटीएस ने इस मामले की जांच अपने पास ली और 21 अक्टूबर, 2008 को एफआईआर में यूएपीए और मकोका की धारा लगाई गई। मालेगांव हादसे के जांच के दौरान 20 जनवरी, 2009 को महाराष्ट्र एटीएस ने मामले में पहली चार्जशीट दायर की थी, उसमें 11 लोगों को गिरफ्तार और तीन लोगों को फरार दिखाया गया था। इसी मामले में एटीएस ने 21 अप्रैल, 2011 को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश के बाद 1 अप्रैल, 2011 को मालेगांव बम धमाके की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी गई थी। एनआईए ने अपनी जांच के दौरान 13 मई, 2016 को चार्जशीट दायर की, जिसमें छह लोगों के खिलाफ सबूत नहीं मिले। इनमें प्रज्ञा सिंह ठ-ाकुर, शिव नारायण करसंग्रा, श्याम भंवर लाल साहू, प्रवीण तकलकी, लोकेश शर्मा और धनसिंह चौधरी का नाम शामिल था। एनआईए ने कहा था कि इस मामले में मकोका नहीं लग सकता। इसके बाद आरोपितों ने जमानत की अर्जी डाली, जिसके बाद कर्नल पुरोहित और प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत दूसरे आरोपितों को जमानत मिल गई थी। आरोपितों ने जमानत मिलने के बाद कोर्ट में डिस्चार्ज एप्लीकेशन दायर की। 27 दिसंबर, 2017 को स्पेशल एनआईए कोर्ट में आरोपितों के डिस्चार्ज एप्लिकेशन पर फैसला सुनाया गया, जिसमें श्याम स-ाहू, शिव नारायण करसंग्रा और प्रवीण तकलकी को आरोपों से बरी कर दिया गया था। राकेश धावड़े और जगदीश म्हात्रे पर से कई धाराएं कोर्ट ने हटाईं और उन दोनों पर सिर्फ आर्म्स एक्ट के तहत ही आरोप तय किए। प्रज्ञा सिंह ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरोहित, रमेश उपाध्याय, समीर कुलकर्णी, अजय रहिकर, सुधाकर चतुर्वेदी, सुधीर द्विवेदी के खिलाफ दायर मकोका, यूएपीए की धारा 17, 29, 23 और आर्म्स एक्ट की धाराएं हटा दी गई थीं लेकिन उन पर से यूएपीए की धारा 18, हत्या और हत्या की साजिश की धाराएं लगाकर आरोप तय कर दिए गए थे। उसके बाद से ट्रायल चल रहा है।

देश के विकास में किसानों और खेती से जुड़ी संस्थाओं का बड़ा योगदान : उप राष्ट्रपति

जयपुर, (हि.स.)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी पत्नी डॉ सुदेश धनखड़ के साथ एक दिवसीय दौरे पर गुरुवार को राजस्थान पहुंचे। जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र एवं राज्य सरकार के मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय ने उनका स्वागत किया। इस्-ाके बाद उप राष्ट्रपति केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर गए, जहां केंद्रीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। उप राष्ट्रपति ने संस्थान द्वारा विकसित की गईं उन्नत नस्ल की भेड़ों और उत्पादों का निरीक्षण किया और संस्थान के निदेशक, वैज्ञानिकों और स्टाफ के साथ मुलाकात कर उन्हें संबोधित किया। अपने संबोधन में उप राष्ट्रपति ने केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान के द्वारा किए जा रहे कामों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जी-20 में भारत के विकास का डंका देख कर सब दंग रह गए हैं। वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष ने कहा है कि भारत में जो विकास पिछले छह वर्ष

में हुआ है वह 50 वर्ष में भी नहीं हो सकता था। उन्होंने कहा कि इसमें सबसे बड़ा योगदान किसानों का है और खेती से जुड़ी आप जैसी संस्थाओं का है।

उप राष्ट्रपति ने कहा भारत देश किसान की बदौलत है। हमारे यहां एक अप्रैल 2020 से 80 करोड़ लोगों को सरकार की ओर से फ्री चावल, गेहूं, दाल मिल रहे हैं। ये दम हमारे किसानों का है और ये राशन किसानों की बदौलत ही मिल पा रहा है। कृषि में बदलावों की आवश्यकता पर बल देते हुए धनखड़ ने कहा कि भारत के किसान को बदलने की जरूरत है और उन्होंने खुशी व्यक्त की कि ये बदलाव आ रहा है। उप राष्ट्रपति ने देश के कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे इस बदलाव का प्रेरक बनें। इस अवसर पर टोंक के सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, सीएसडब्ल्यूआरआई के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर, संस्थान के वैज्ञानिक, शोधार्थी व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने उप राष्ट्रपति धनखड़ के सपत्नीक जयपुर पहुंचने पर सांगानेर एयरपोर्ट पर उनकी अगवानी की। राज्यपाल ने बुके भेंट कर उनका स्वागत किया।

मराठा समाज को आरक्षण दिलाने की सरकार की जिम्मेदारी : एकनाथ शिंदे

– मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद मनोज ने 17 दिन बाद समाप्त की भूख हड़ताल

मुंबई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सुबह जालना पहुंच कर भूख हड़ताल पर बैठे मनोज जारंगे से मिले और मराठा आरक्षण देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद मनोज जारंगे ने अपना आंदोलन वापस ले लिया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि मराठा समाज को आरक्षण दिलाने की जिम्मेदारी सरकार की है। सरकार इस दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री के इस आश्वासन के बाद जालना जिले अंतरवाली सराटी गांव में मराठा आरक्षण के लिए पिछले 17 दिन से

भूख हड़ताल पर बैठे मनोज जारंगे ने अपना आंदोलन वापस ले लिया है। इस मौके पर मनोज जारंगे ने कहा कि जब तक मराठा समाज को आ-रक्षण नहीं मिल जाता, वे शांत नहीं बैठेंगे। उन्हें विश्वास है कि मराठा समाज को आरक्षण मिलेगा ही। इसीलिए उन्होंने मुख्यमंत्री पर विश्वास रखकर अपना आंदोलन वापस लिया है। मनोज जारंगे सभी मराठा समाज के लोगों को कुनबी प्रमाण पत्र देने की मांग कर रहे हैं।

संसद के विशेष सत्र को लेकर विपक्ष ने जताई नाराजगी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने नाराजगी जाहिर की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि सरकार ने 18 से 22 सितंबर के लिए संसद का विशेष सत्र तो बुला लिया लेकिन विशेष सत्र का पूरा एजेंडा अभी तक साफ नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के दबाव में जिन एक-दो मुद्दों को सरकार ने साझा किया है, वह पर्याप्त नहीं है। वेणुगोपाल ने कहा कि मोदी सरकार लगातार लोकतंत्र पर हमला कर रही है। यह सरकार नियम-कायदा नहीं मानती है। उन्होंने कहा कि सरकार का संसदीय एजेंडा बिल्कुल भी पा-रदर्शी नहीं है। आरजेडी से राज्यसभा सांसद मनोज झा ने भी संसद के विशेष सत्र को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि एजेंडा पहले ही साफ करना था। यह सरकार संसदीय प्रणाली का मजाक बना रही है। एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि वह संसद में अच्छी चर्चा के लिए, बहस के लिए व अच्छी नीतियों के साथ एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने के लिए दिल्ली जाती हैं लेकिन वहां माहौल बदल गया है। यह सरकार चर्चा के एजेंडे तक को विपक्ष से साझा नहीं करती है।

पुणे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय समन्वय बैठक का शुभारंभ

पुणे, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक महाराष्ट्र के पुणे में गुरुवार सुबह शुरू हुई। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्त-ात्रेय होसबाले ने भारत माता का पूजन कर बैठक का शुभारंभ किया। संघ प्रतिवर्ष अपने आनुषंगिक संगठनों से संवाद कर सांगठनिक कामकाज का ब्योरा प्राप्त करता है। ऐसी बैठक को समन्वय बैठक कहा जाता है। इस वर्ष पुणे में आयोजित तीन दिवसीय बैठक में संघ परिवार के 36 संगठनों के 267 पदाधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 30 महिला प्रतिनिधि भी हैं। बैठक में सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, डॉ. मनमोहन वैद्य, अरुण कुमार, केसी मुकुंद, रामदत्त चक्रधर, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश जोशी उपाख्य भैयाजी जोशी, सुरेश सोनी, वी. भागैय्या, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका शांतक्का, प्रमुख कार्यवाहिका सीता गायत्री अन्नदानम, स्त्री शक्ति की अध्यक्ष शैलजा, राष्ट्रीय सेवा भारती की महामंत्री रेणु पाठक, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष रामचन्द्र खराड़ी, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही, भारतीय किसान संघ के संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी, विद्या भारती के अध्यक्ष रामकृष्ण राव, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) विष्णुकान्त चतुवेर्दी, भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष हिरण्मय पंड्या, संस्कृत भारती के संगठन मंत्री दिनेश कामत आदि हिस्सा ले रहे हैं। बैठक में वर्तमान राष्ट्रीय व सामाजिक प-िरदृश्य, शिक्षा, सेवा, आर्थिक व राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। सामाजिक परिवर्तन के पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, स्वदेशी आचरण तथा नागरिक कर्तव्य के विषयों को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा होगी। संगठन के विस्तार और विशेष प्रयोगों की जानकारी भी साझा की जाएगी। बैठक का समापन 16 सितंबर को होगा।

कार्यालयी कामकाज में हिन्दी के सरल शब्दों का हो उपयोग : शाह

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हिन्दी दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि कार्यालयी कामकाज में हिन्दी के सरल शब्दों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। शाह ने गुरुवार को हिन्दी दिवस के मौके पर एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की भाषाओं की विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम 'हिंदी' है। स्वतंत्रता आन्दोलन से लेकर आजतक देश को एकसूत्र में बांधने में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शाह ने कहा कि हिंदी के समृद्ध होने से इस देश की सारी भाषाएं समृद्ध होंगी और इस देश की सारी भाषाओं के समृद्ध होने से हिंदी ही समृद्ध होगी। हिंदी उन समस्त भारतीय भाषाओं की मूल परंपरा से है, जो इस देश की मिट्टी से उपजी हैं, यहीं पुष्पित और पल्लवित हुई। शाह ने कहा कि हिंदी एक

जनतांत्रिक भाषा रही है। इसने अलग-अलग भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ-साथ कई वैश्विक भाषाओं को सम्मान दिया है और उनकी शब्दावलियों, पदों और व्याकरण के नियमों को अपनाया है। गृह मंत्री ने कहा कि किसी भी देश की मौलिक और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने लिखा है कि, "निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कौ मूल", यानी अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। सभी भारतीय भाषाएं और बोलियां हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। जिन्हें हमें साथ लेकर चलना है। शाह ने कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने की दृष्टि से अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई और पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़-ावा देने की भी पहल की है। गृह मंत्री ने कहा कि राजभाषा विभाग की ओर से 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' की भी नई परम्परा शुरू की गई है। 13-14 नवंबर, 2021 को बनारस में पहला और 14 सितम्बर 2022 को सूरत में दूसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

तीन शहादत के बाद अनंतनाग के कोकरनाग में आतंकवादियों से फिर शुरू हुई मुठभेड़

अनंतनाग, (हि.स.)। अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में बुधवार को सेना के कर्नल, मेजर और जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक की शहादत के बाद रोका गया अभियान गुरुवार को सुबह फिर से शुरू किया गया है। कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में बुधवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना की 19 राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट के कमान अधिकारी सेना के कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौचक और डीएसपी हुमायूं भट बलिदान हो गए थे। बुधवार को इन अधिकारियों पर हमला करने वालों में लश्कर के दो आतंकी थे, जिसमें कोकरनाग नौगाम का उजैर खान शामिल है। उजैर खान ने 2022 में लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन का दामन थामा था। कश्मीर जोन पुलिस ने कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौचक और डीएसपी हुमायूं भट की अटूट वीरता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि इन बहादुर साथियों ने चल रहे ऑपरेशन के दौरान सामने से नेतृत्व करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया। हमारी सेनाएं उजैर खान सहित एलईटी के 2 आतंकवादियों को घेरने में दृढ़ संकल्प के साथ जुटी हुई हैं। डीएसपी हुमायूं मुजम्मिल भट्ट का अंतिम संस्कार बुधवार शाम को बडगाम में किया गया।

वायु सेना ने तेज की वीवीआईपी फ्लीट के लिए 12 नए आधुनिक हेलीकॉप्टरों की तलाश

– देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत की हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बाद जरूरत महसूस हुई

– अगस्ता वेस्टलैंड सौदे के एक दशक बाद विदेशों में भारतीय मिशनों को सक्रिय किया गया

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीड-ीएस) जनरल बिपिन रावत की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत के बाद से भारत के शीर्ष नेतृत्व को अत्याधुनिक नए वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की तलाश है। अब मिसाइलों से बचाव सहित आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं वाले नए हेलीकॉप्टरों की खोज तेज कर दी गई है। अगस्ता वेस्टलैंड की विफलता के एक दशक बाद फ्रांस, अमेरिका, रूस और इटली में भारतीय रक्षा अताशे को हेलीकॉप्टरों का तकनीकी विवरण जुटाने का काम सौंपा गया है। दर-असल, देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत को ले जा रहा वायु सेना का हेलीकॉप्टर एमआई 17वी5 तमिलनाडु के कन्नूर में 08 दिसंबर 2021 को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस दुर्घटना में उनकी पत्नी मधुलिका रावत समेत हेलीकॉप्टर में सवार 14 में से 13 लोगों की मौत हुई थी। एक चाय बागान में कम दृश्यता की स्थिति के दौरान हुई दुर्घटना के दौरान उनका हेलीकॉप्टर उन्नत एवियोनिक्स से सुसज्जित नहीं था, जो पायलटों को प्रारंभिक चेतावनी दे सकता था। इस दुर्घटना ने सरकार का ध्यान सुरक्षित हेलीकॉप्टरों की आवश्यकता पर केंद्रित किया। इसी के बाद भारत के शीर्ष नेतृत्व ने देश के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य वीवीआईपी के लिए अत्याधुनिक नए वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की जरूरत महसूस की। मौजूदा समय में वायु सेना वीवीआईपी लोगों को लाने-ले जाने के लिए रूसी एमआई-17 वी-5 हेलीकॉप्टरों की मदद ले रही है, लेकिन यूक्रेन युद्ध के कारण रखरखाव के मुद्दे सामने आए हैं। वायु सेना ने 2028 तक इन

हेलीकॉप्टरों को रिटायर करने की योजना बनाई है। इसलिए शीर्ष नेतृत्व के आने-जाने के लिए मिसाइलों से बचाव सहित आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस नए 12 हेलीकॉप्टरों की तलाश तेज कर दी गई है। वायु सेना से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि अगस्ता वेस्टलैंड की विफलता के एक दशक बाद भारतीय वायु सेना ने अब फिर से वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की तलाश तेज की है। संभावित हेलीकॉप्टरों की पहचान करने के लिए अब विदेशों में भारतीय मिशन को सक्रिय किया गया है। उनसे ऐसे हेलीकॉप्टरों की तलाश करने के लिए कहा गया है जो घरेलू उड़ान स्थितियों और भूगोल की विविधता को देखते हुए घरेलू जरूरतों के अनुरूप हो सकते हैं। फ्रांस, अमेरि-का, रूस और इटली सहित कई देशों में भारतीय रक्षा अताशे को ऐसे हेलीकॉप्टरों में विशेषज्ञता वाले विक्रेताओं की पहचान करने और तकनीकी विवरण एकत्र करने का काम सौंपा गया है। भारत ने पहले भी इसी तरह के हेलीकॉप्टर खरीदने की कोशिश की है। यूपीए शासनकाल में वीवीआईपी फ्लीट के लिए अगस्ता वेस्टलैंड के एडब्ल्यू 101 हेलीकॉप्टर को चुना गया था। इस बावत 2010 में हस्ताक्षरित 3,565 करोड़ रुपये का अनुबंध हथियार डीलरों और भारतीय अधिकारियों के बीच रिश्वतखोरी के आरोपों के बाद विवादों में आ गया। इसके बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने जनवरी 2014 में लोकसभा चुनावों से पहले यह सौदा रद्द कर दिया था। इससे पहले अगस्ता वेस्टलैंड 2012 में पहले बैच के रूप में 03 हेलीकॉप्टरों की डिलीवरी कर चुका था, जो आज भी दिल्ली में वायु सेना के पालम एयरबेस पर खड़े हैं।

मुख्यमंत्री ने देखा यूपी पुलिस और एनएसजी का शौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और यूपी पुलिस के संयुक्त अभ्यास गांडीव-5 का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने एनएसजी के वार्षिक अभ्यास के पांचवें संस्करण में विभिन्न सर्जिकल ऑपरेशन की तैयारियों को भी परखा। गांडीव-5 अभ्यास कार्यक्रम का उद्देश्य आतंकी हमले, किसी विमान के अपहरण या बंधक स्थिति में कमांडो बल के योजना मापदंडों को वैलिडेट करना है। कानून व्यवस्था को लेकर उल्लेखनीय काम करने वाली योगी सरकार प्रदेश में आतंकी घटनाओं को लेकर भी सजग है। इस तरह की घटनाओं को रोकने और उनसे निपटने के लिए समय-समय पर मुख्यमंत्री के निर्देश पर सुरक्षाबल मॉक ड्रिल करते रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस और एनएसजी की टीम ने इस तरह की घटनाओं पर अपनी तैयारियों को और पुख्ता करने के लिए संयुक्त अभ्यास 'गांडीव-5' को अंजाम दिया। अभ्यास के दौरान जहां पुलिस मुख्यालय में मुख्यमंत्री ने तैयारियों को परखा वहीं लोकभवन में राज्य प्रशासन, यूपी पुलिस की विभिन्न इकाइयों और एनएसजी द्वारा संयुक्त रूप से काउंटर टेरर की मॉक ड्रिल्स की गई। दरअसल 1984 में आतंकी और अपहरण के खतरों को बेअसर करने के लिए सर्जिकल कमांडो ऑपरेशन करने के लिए एनएसजी को एक संघीय आतंकवाद-रोधी बल के रूप में खड़ा किया गया था। इसके पास एक विशेष दस्ता भी है जो वर्तमान में उच्च जोखिम वाले वीवीआईपी को सशस्त्र सुरक्षा कवर प्रदान करता है।

पंच प्रण की दिशा में बढ़े भारत के कदम, जी20 कार्यक्रम उचित उदाहरण : केशव मौर्य

वाराणसी, 14 सितंबर (हि.स.)। पंच प्रण की दिशा में भारत के कदम बढ़ चुके हैं। जी20 कार्यक्रम इसका सबसे उचित उदाहरण है। जी20 कार्यक्रम से सभी ने देखा कि विश्व के सशक्त देशों के नेतृत्व का कार्य भारत ने निभाया है। यह बात उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हिन्दुस्थान समाचार समूह की ओर से आयोजित भारतीय भाषा सम्मान दिवस कार्यक्रम में कही। अपने संबोधन के बीच उप मुख्यमंत्री ने शंकराचार्य जी को दंडवत प्रणाम किया और इनके चरणपादुका की पूजा भी की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि काशी के लाडले सांसद नरेन्द्र मोदी के सामने आज सभी प्रण छोटे पड़ रहे हैं। भारत को समृद्ध तौर पर पेश करने के प्रण के साथ आज प्रधानमंत्री मोदी ने कोणार्क के सूर्यमंदिर को विश्वभर में लोगों को बैकड्राप के तौर लगाने के लिए प्रेरित किया है। यही स्थिति नालंदा विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी की फोटो भी दुनियाभर में सोशल मीडिया पर छाई हुई है। जबकि पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जब काशी आते थे तो सारे मंदिरों को पर्दे से ढक दिया गया था। इतना ही नहीं स्वतन्त्रता प्राप्ति के तत्काल बाद सोमनाथ मंदिर, जिसे आतताइयों ने तोड़ दिया था, तत्कालीन गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में बनाया गया था। उसी तरह मोदी भी देश को सांस्कृतिक तौर पर सक्षम और समृद्ध बनाने में जुटे हैं। कार्यक्रम के विषय पंच प्रण को लेकर उन्होंने कहा कि हम सभी का प्रण देश को समृद्ध बनाना है, लेकिन संस्कार, शिक्षा और सुरक्षा के अभाव में समृद्धि अधूरी रहती है।

इसलिए जरूरी है कि हम निष्ठा के साथ प्रण करें और संतों और अपने अभिभावकों का आशीर्वाद लेकर लक्ष्य को प्राप्त करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जहां देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, वहीं हिन्दुस्थान समाचार ने भी आज अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं। हिन्दुस्थान समाचार जो देश की सबसे बड़ी एजेंसी बन रही है, उसके कार्यक्रम में आकर बहुत खुशी होती है, फिर चाहे वह कानपुर का कार्यक्रम हो या काशी का। उन्होंने कहा कि आज का वक्त हमें अपनी विरासत पर गर्व करने का है। संतों के आशीर्वाद और विज्ञान के सहयोग से हम आज चंद्रमा पर भारत के तिरंगे को लहरा पाने में सफल हुए हैं। चांद पर पहुंचने के बाद अब हम सूर्य की ओर देख रहे हैं और हमारे वैज्ञानिक आदित्य एल-1 के जरिये उस ओर बढ़ भी रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर को राष्ट्र मंदिर बनाने की दिशा में प्रयास हो रहा है। इसमें देश के हर क्षेत्र और वर्ग के लोगों से सहयोग लिया जा रहा है। सर्वसहयोग की मंशा से ही आज सरकार की ओर से मेरी माटी मेरा देश योजना चलाई गई है, जिसमें हर घर से मिट्टी और अक्षत बटोरे जा रहे हैं। भाषा के तौर पर हिंदी के विस्तार और उसकी प्रासंगिकता को लेकर उन्होंने कहा कि दुनियाभर के देश अपनी भाषा में शिक्षा प्राप्त कर गर्व करते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मध्य प्रदेश में मेडिकल की पढ़ाई भी हिंदी में कराने की योजना अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भविष्य में बहुत जल्द उत्तर प्रदेश में भी यह व्यवस्था शुरू होगी।

बीएसए बदायूं की तानाशाही रवैये के खिलाफ शिक्षकों में आक्रोश, सीएस को भेजा ज्ञापन

फतेहपुर, (हि.स.)। बदायूं प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष के खिलाफ बीएसए द्वारा गैर कानूनी तरीके कार्रवाई करने के विरूद्ध प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में शिक्षकों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद बदायूं के जिलाध्यक्ष संजीव कुमार शर्मा को द्वेषपूर्ण भावना से दुष्प्रेरित होकर निलंबित करने वाली बदायूं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्वाति भारती के विरुद्ध प्राथमिक शिक्षक संघ के सदस्यों द्वारा तानाशाही, अनियमितता व भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। बीएसए स्वाति भारती की अनियमितता तानाशाही का संगठन द्वारा विरोध किया जा रहा है। प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष राजीव शर्मा जो कमपोजिट विद्यालय आरिफपुर नवादा विकास खण्ड क्षेत्र जगत में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। विगत 05 सितंबर को शिक्षक दिवस की अवसर पर झूठे एवं मनगढ़ आरोप लगा कर बीएसए स्वाति भारती द्वारा निलंबित कर दिया गया था। जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि बेसिक शिक्षा अधिकारी बदायूं को शासनादेश एवं नियमों का ज्ञान नहीं है जिसके कारण वह मनमानी ढंग से कर रही हैं। स्वाति भारती द्वारा शिक्षक दिवस पर संजीव कुमार शर्मा को निलंबित करके संपूर्ण शिक्षक समाज को अपमानित किया गया है। जिसे प्रदेश के सभी शिक्षक आक्रोशित हैं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही नहीं किये जाने पर शिक्षक संघ के नेतृत्व में प्रदेश के शिक्षक आगामी 20 सितंबर से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय बदायूं में धरना देंगे।

प्रयागराज एवं भोपाल में वायु सेना दिवस पर होगा परेड और एरियल डिस्प्ले

प्रयागराज, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना 08 अक्टूबर को अपनी 91वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों में वायु सेना दिवस समारोह की मेजबानी की नई परम्परा के तर्ज पर, इस वर्ष वायु सेना दिवस परेड और एरियल डिस्प्ले का आयोजन प्रयागराज में किया जाएगा। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय, प्रयागराज के विंग कमांडर एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी समीर गंगाखेडकर ने देते हुए बताया कि प्रयागराज के वायु सेना स्टेशन बमरौली में समारोही परेड का आयोजन किया जाएगा एवं ओडी फोर्ट के समीप संगम क्षेत्र में एरियल डिस्प्ले का आयोजन किया जाएगा। वायुयानों द्वारा विभिन्न नजदीकी फॉरमेसन और रोमांचक युद्धाभ्यासों का प्रदर्शन वहाँ की खूबसूरत छटा को और भी अधिक आकर्षक एवं मनोहरी बना देगा। विंग कमांडर ने बताया कि वायुसेना दिवस समारोह एक सप्ताह पहले ही 30 सितम्बर को मध्य प्रदेश के भोपाल में भोजताल झील के किनारे आयोजित एक एयर शो के साथ प्रारम्भ हो जायेगा। भारतीय वायुसेना प्रयागराज और भोपाल दोनों स्थानों पर एरोबेटिक प्रदर्शनों के साथ स्थानीय लोगों का स्वागत करने और उन्हें मंत्रमुग्ध करने के लिए उत्सुक है।

कानपुर में प्रधानमंत्री संपदा योजना के तहत 18 लाभार्थियों का हुआ चयन

कानपुर, (हि.स.)। मछुआरा समाज की आर्थिक स्थित मजबूत करने के लिए केन्द्र की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में कानपुर के 18 लाभार्थी चयनित किए गए हैं। जबकि इस योजना का लाभ पाने के लिए कुल 61 लोगों ने आनलाइन आवेदन किया था। सहायक निदेशक मत्स्य कानपुर नगर एन.के. अग्रवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत पूरे देश में कुल 53 योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार ने कानपुर में कुल आठ योजनाओं के लिए आवेदन मांगे थे। इन आठ योजनाओं में निजी भूमि तालाब योजना के तहत बॉयो फ्लॉक योजना, बोट सब्सिडी योजना, मछलियों के लिए चारा तैयार करने की योजना, कारोबार के लिए वाहन उपलब्ध कराने की योजना, मछुआ आवास योजना, सहकारी समिति गठन समेत कुल आठ योजनाओं का लाभ पाने के लिए इस वित्तीय वर्ष में कानपुर के मछुआरा समाज, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, पिछड़ा वर्ग, एस.सी वर्ग के कुल 61 लोगों ने आवेदन किया था। उप्र शासन ने कुल 18 लोगों का चयन किया है। इसमें से कुछ लोगों का चयन बॉयो फ्लॉक योजना के तहत हुआ है। चयनित हुए सभी लाभार्थियों का कानपुर कार्यालय के माध्यम से पूरा सहयोग किया जा रहा है। कुछ तो ऐसे लाभार्थी इस बार आए हैं, उन्हें कोई जानकारी ही नहीं है। लाभार्थियों से अपील है कि वह कार्यालय से सम्पर्क करके अपने कार्यों को अतिशीघ्र शुरू करें। इससे उन्हें अनुदान की धनराशि मिल पाएगी।

ईडी के गवाह ने कोर्ट में कहा, मुंगेरी और अशोक के दबाव में दिया था बयान

रांची, (हि. स.)। अवैध खनन मामले में ईडी कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा के समक्ष ईडी के गवाह विजय हांसदा ने बयान दिया। विजय हांसदा ने कहा कि उसने मुंगेरी यादव और अशोक यादव के दबाव में ईडी को बयान दिया था। उसे कहा गया था कि ईडी पूछताछ में जो कहे, उसका समर्थन करो नहीं तो जेल में तुम्हारा खाना-पीना भी बंद हो जाएगा। इसपर विजय हांसदा से पूछा गया कि इस बात की जानकारी क्या किसी को दी गई थी? विजय ने कहा कि नहीं, उसने किसी को इस बात की जानकारी नहीं दी। सुनवाई के दौरान न्यायिक हिरासत में ईडी को दिये गए विजय हांसदा के बयान की वीडियो फुटेज भी दिखाई गई। अब शुक्रवार को फिर विजय हांसदा का क्रॉस एग्जामिनेशन किया जाएगा। कोर्ट में पंकज मिश्रा के अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा, प्रेम प्रकाश के अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा और स्नेह सिंह मौजूद थीं जबकि ईडी के विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार कोर्ट में उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि अवैध खनन मामले में पंकज मिश्रा, प्रेम प्रकाश, दाहू यादव और उसके पिता पशुपतिनाथ भी आरोपित हैं।

तरहसी प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर पक्ष में 17 और विपक्ष में पड़े दो वोट

पलामू, (हि.स.)। तरहसी प्रमुख प्रिया कुमारी के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर गुरुवार को प्रखंड कार्यालय के सभागार में चर्चा एवं मतदान की प्रक्रिया पूरी की गई। पूर्वाह्न 11:00 बजे से चर्चा की शुरूआत हुई और 12:00 बजे तक चली। इस दौरान अविश्वास प्रस्ताव को लेकर वोटिंग भी कराई गई, जिसमें अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 17 जबकि विपक्ष में दो लोगों ने मतदान किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पीठासीन पदाधिकारी पंचायत समिति सदस्य तरहसी सह मेदिनीनगर सदर एसडीओ राजेश साह उपस्थित थे। इनके अलावा प्रखंड विकास पदाधिकारी सचिदानंद महतो, अंचलाधिकारी केदारनाथ सिंह, तरहसी के मुखिया पंकज सिंह, उदयपुरा वन के मुखिया महेन्द्र पास्वान, गुरहा की मुखिया सबा फिरदौस समेत सभी पंचायत समिति सदस्य उपस्थित थे।

पीठासीन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद मतदान हुआ, जिसमें पक्ष में 17 व विपक्ष में दो वोट पड़े। पूरे मामले से चुनाव आयोग को अवगत करा दिया जायेगा। वहां से तिथि निर्धारित होने के बाद प्रमुख पद पर चुनाव की प्रक्रिया पूरी की जायेगी।

पलामू के जीएलए कॉलेज में मोबाइल की रोशनी में प्रैक्टिकल परीक्षा, परेशान रहे छात्र

पलामू, (हि.स.)। गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज (जीएलए) के जूलॉजी विभाग में बुधवार को आयोजित प्रैक्टिकल परीक्षा में विद्यार्थी या तो क्लास के बाहर या मोबाइल की रोशनी में परीक्षा देने को विवश रहे। क्योंकि, वहां बिजली की उचित व्यवस्था तक नहीं है। मामले में छात्र संगठन वाईजेके स्टूडेंट्स फेडरेशन के विकास यादव ने कहा कि जीएलए कॉलेज में बिजली तक की उचित व्यवस्था नहीं है। विद्यार्थी अपने फोन के सहारे परीक्षा देने को विवश हैं। यह बेहद शर्मनाक है।जिला अध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि महाविद्यालय प्रशासन पूर्णतः गैर जिम्मेदारी से काम कर रहा है। जिला सचिव मोहित साहू ने कहा कि प्रमंडल के इतने बड़े महाविद्यालय की स्थिति ऐसी है कि यहां बिजली जैसे आधारभूत सुविधा पूर्णतः नहीं है। जिला उपाध्यक्ष कृष्ण यादव ने कहा कि विद्यार्थियों की परेशानी से महाविद्यालय और विश्वविद्यालय को कोई फर्क नहीं पड़ता है। वे सब जान-बूझ कर इसे अनदेखा करते हैं। विकास मौर्य ने कहा कि ऐसी स्थिति में विभाग के शिक्षक और प्राचार्य को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए लेकिन यह सब बातें यहां के लिए आम हो गई हैं। वाईजेके स्टूडेंट्स फेडरेशन के पदाधिकारियों ने जब वहां के शिक्षक से बात की गई तो उनके पास भी कोई सही जवाब नहीं था। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के साथ हम भी इस भीषण गर्मी में समस्याओं का सामना हम भी कर रहे हैं। प्राचार्य से बात की गई तो उन्होंने तत्काल उस कक्षा में बिजली की व्यवस्था की। स्टूडेंट्स फेडरेशन ने महाविद्यालय प्रशासन से मांग किया कि सर्वप्रथम कॉलेज की मूलभूत सुविधाओं में सुधार करें। यदि इस पर त्वरित कार्रवाई नहीं होती है तो संगठन आंदोलन करने के लिए तैयार है।

राशि वापस करने एवं प्राथमिकी दर्ज करने का प्रोक्टर ने दिया आदेश

पश्चिम चंपारण(बगहा), (हि.स.)। महेश्वर नाथ महामाया महिला कॉलेज, बेतिया में अहर्ताविहीन शिक्षक - शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को बिहार सरकार से वेतन मद में लिए गये सरकारी अनुदान की राशि को बिहार महालेखाकार के द्वारा वापस करने के दिये गये आदेश को पालन कराने के लिए विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर के प्रोक्टर सह कॉर्डिनेटर तदर्थ समिति महेश्वर नाथ महामाया महिला कालेज के डॉ अजीत कुमार ने 27सितम्बर तक महाविद्यालय के खाता में वापस जमा कराने का आदेश कालेज के प्राचार्य को दे दिया है। साथ में यह भी आदेश दिया है कि वितरण कराने वाले प्रबंधन के सदस्यों को भी संबंधित कर्मियों से राशि वापस करना सुनिश्चित करने का आग्रह पत्र दें। यह भी आदेश दिया है कि यदि निर्धारित तिथि तक पैसा वापस जमा नहीं कराया जाता है, तो दोनों पक्षों पर स्थानीय थाना में आगामी 12 अक्टूबर तक पब्लिक मनी डिमांड रिकवरी एक्ट के तहत आपराधिक मामला दर्ज कराना सुनिश्चित करें। बताया जा रहा कि बिहार सरकार से वेतन मद में बिना अहर्ता का पैसा लेनेवाले में पूर्व प्राचार्य डॉ०अरुण कुमार प्रसाद, वर्तमान परीक्षा नियंत्रक डॉ० राकेश कुमार वर्मा, बर्सर अवध किशोर ओझा, लाइब्रेरियन निर्मला कुमारी, सहायक लक्ष्मण आदि का नाम शामिल है। वही पैसा वितरण कराने वाले प्रबंधन सदस्यों में पूर्व प्राचार्य गीता नाथ, वर्तमान विधायिका रेणु देवी, डॉ० अशोक कुमार श्रीवास्तव, डॉ० रेवती रमन, डॉ० प्रवीण कुमार श्रीवास्तव डॉ० धनंजय सिंह, डॉ परमेश्वर भगत, पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी श्रीप्रकाश का नाम शामिल है। उक्त आदेश से प्रभावित कालेज कर्मी और तत्कालीन प्रबंधन के सदस्यों में हडकंप और खलबली मच गयी है।

आगामी लोकसभा चुनाव के पहले रोड नही तो वोट नहीं का आंदोलन करेगी आम आदमी पार्टी

पश्चिम चंपारण (बगहा), (हि.स.)। बगहा अनुमंडल अंतर्गत प्रखंड बगहा-के मदनपुर राष्ट्रीय पथ727 मदनपुर मोड़ से सालिकपुर (उत्तर प्रदेश सीमा) तक दो राज्यों को जोडने वाली राष्ट्रीय उच्च पथ 727 का सड़क तैयार नहीं होने पर वाल्मीकिनगर संसदीय क्षेत्र के मतदाता मतदान का वहिष्कार करेंगे। मतदान वहिष्कार करने के लिए बगहा के एक रिटायर्ड फौजी सह आप नेता रमेश प्रसाद उक्त संसदीय क्षेत्र में लोगों बीच जाकर जनजागृति कर रहें हैं। लोगों से मिलकर उक्त सड़क के अभी तक बनकर तैयार नहीं होने का कारण लोगों को समझा रहें हैं।उनका कहना है कि राष्ट्रीय उच्च पथ 727 पूर्वी चम्पारण के छपवा से शुरू होकर पश्चिम चम्पारण के बगहा ,मदनपुर होकर उत्तर प्रदेश के कसया 169 किलोमीटर तक जाती है, जिसमें 104 से 110 किलोमीटर के बीच मात्र छः किलोमीटर सड़क हमारी सरकारें नहीं बना पा रही है, जो राष्ट्रीय उच्च पथ 727 चिन्हित है ।जिस पर हजारो छोटी- बडी वाहन प्रतिदिन आवागमन करती हैं। साथ ही भार वाहक गाडियां भी कई प्रदेश से इस सड़क पर आवागमन करती है। आगे वो बताते हैं कि 25 एकड वन भूमि लोकहित के लिए राज्य सरकारे उपयोग कर सकती है,केन्द्र सरकार ने राज्यों को पत्र निर्गत कर दिया है, इसलिए सड़क नहीं बन पाने का कारण शासन और प्रशासन है। इसलिए शासन और प्रशासन को सबक सीखाने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव का वहिष्कार करनी चाहिए।

जी-20 में अमेरिकी प्रवक्ता के हिंदी में संबोधन ने दिखाई हिंदी और हिंदुस्तान की ताकत

बेगूसराय, (हि.स.)। जिला मुख्यालय स्थित एसबीएसएस महाविद्यालय में आज हिंदी दिवस के अवसर पर "हिंदी भाषा का भविष्य" विषय पर एकल व्याख्यान का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुंगेर विश्वविद्यालय के आरडी एंड डीजे महाविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ. रवीश कुमार सिंह थे। डा. रवीश का स्वागत महाविद्यालय के प्रधानाचार्य एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने चादर एवं फूल मालाओं से किया। अपने प्रभावशाली वक्तव्य में डॉ. रवीश ने कहा कि हिंदी प्रतिरोध की भाषा है। सरहपा से नागार्जुन तक हिंदी कविता का जो विशाल परिसर है वो लगातार विस्तार पा रहा है। हिंदी भाषा आने वाले चुनौतियों से लड़ने में सक्षम है। यह बात दुनिया की किसी अन्य भाषा अंग्रेजी और फ्रेंच आदि में देखने को नहीं मिलता है। स्वागत वक्तव्य देते हुए हिंदी विभागाध्यक्ष डा. नीलेश कुमार ने कहा कि हिंदी का इतिहास गौरवमय है और उसका भविष्य भी स्वर्णिम होगा। वर्तमान समय में हिंदी का विस्तार जिस रूप में हो रहा है, वह किसी भी भाषा की शक्ति और सामर्थ्य को दिखलाता है। डा. राजकुमार ने कहा कि आज दुनिया हिंदी को अपना रही है। जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी प्रवक्ता हिंदी में बोल रही थी। यह हिंदी और हिंदुस्तान की ताकत को दशार्ता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डा. अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी देश ही नहीं, बल्कि आने वाली दुनिया की भाषा होगी। हिंदी विभाग के स्नातकोत्तर में नामांकन हो रहा है, जल्दी ही कक्षाएं भी शुरू होंगी। महाविद्यालय की प्रतिष्ठा में इससे वृद्धि हुई है। हमारा हिंदी विभाग लगातार अपनी कार्यशैली और उत्सवधर्मिता से ना सिर्फ इस महाविद्यालय बल्कि अन्य महाविद्यालयों में भी प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। धन्यवाद ज्ञापन डा. अरमान आनंद ने किया। इस अवसर पर भाषण एवं कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें शिवानी कुमारी, सानिया सना, कुंदन कुमार एवं परमजीत आनंद को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डा. अमित कुमार गुंजन, डा. मोहम्मद परवेज, डा. विवेक कुमार सिन्हा, डा. रोली कुमारी, डा. रणविजय कुमार एवं डा. श्वेता भारती, शिक्षकेत्तर भी उपस्थित थे।

सीपीआई ने बारह सूत्री मांगों को लेकर फारबिसगंज ब्लॉक में किया धरना प्रदर्शन

अररिया, (हि.स.)। फारबिसगंज प्रखंड मुख्यालय परिसर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत गुरुवार को राज्य कमेटी के आह्वान पर बारह सूत्री मांगों सहित जनसमस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कामरेड शिवनारायण सिंह ने किया। धरना कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के जिला मंत्री कामरेड गेनालाल महतो ने कहा कि केंद्र की जन विरोधी सरकार देश के अंदर गरीबी और बेरोजगारी सहित भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेवार है। इस सरकार को आगामी लोकसभा चुनाव में पूरी ताकत के साथ बदलना है। केन्द्र की सरकार गरीब,मजदूर,छात्र, नौजवान और महिलाओं के खिलाफ में नीतियां बनाती है जिससे दिनों दिन देश की स्थिति बिगड़ती जा रही है। इससे पहले आमजन की समस्याओं को लेकर एफसीआई चौक से बड़ी संख्या में लाल झंडे से लैस होकर नारेबाजी करते हुए पार्टी कार्यकर्त्ता प्रखंड मुख्यालय परिसर पहुंचे और जमकर प्रदर्शन करते हुए केन्द्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन के दौरान बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारों को रोजगार देने, सांप्रदायिकता पर रोक लगाने, गरीबों को बसने के लिए पांच डिसमिल जमीन, प्रखंड क्षेत्र के सहबाजपुर पंचायत क्षेत्र के झोखरन में पुल की समस्या, पंचायती राज्य के विकास हेतु मुखिया के अधिकार की कटौती को वापस लेने, सीलिंग एवं भूदान की बंदोवस्त जमीन पर दखल दिलाने सहित बारह सूत्री मांगों के समर्थन में चर्चा करते हुए जमकर नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन के उपरांत मांगों का ज्ञापन बीडीओ संजय कुमार को सौंपा गया।

संपादकीय

नई ऊर्जा का दौर

प्रधानमंत्री मोदी और सऊदी अरब के युवराज एवं प्रधानमंत्री मुहम्मद बिन सलमान के दरमियान कई समझौता-दस्तावेजों पर दस्तखत किए गए। वे द्विपक्षीय वार्ता के निष्कर्ष थे, लेकिन उनमें नवीकरणीय ऊर्जा का समझौता बेहद महत्वपूर्ण और प्रासंगिक माना जा रहा है। यदि दुनिया के पर्यावरण को छलनी होने से बचाना है, तो कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगानी होगी। पृथ्वी के तापमान को कम करना होगा, लिहाजा हरित और स्वच्छ ऊर्जा की प्राथमिकता बनानी होगी। सऊदी अरब भारत का भरोसेमंद और बड़ा कारोबारी साझेदार है। हमें तेल और गैस मुहैया कराने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है। बीते साल 4.3 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया गया है।

> भारत ने अमरीका और सऊदी अरब के संबंधों को सामान्य कराया है। दोनों देश प्रतिबद्ध हैं कि चीन 'अड़ंगेबाज' न बन सके। नवीकरणीय ऊर्जा समय की दरकार है और एक मजबूत, साबित विकल्प भी है। भारत और सऊदी अरब के बीच समझौता हुआ है कि वे नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमताओं का विस्तार करेंगे। सऊदी अरब ने लक्ष्य तय किया है कि वह 2030 तक अपनी कुल ऊर्जा का 50 फीसदी हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा का रखेगा। भारत में इस ऊर्जा का 2022 में उत्पादन 175 गीगावाट था। अब 2030 तक उसे बढ़ा कर 450 गीगावाट किया जाएगा। एक गीगावाट 1000 मेगावाट के बराबर होता है। अर्थात हम 4 .5 लाख मेगावाट अतिरिक्त ऊर्जा पैदा करने की स्थिति में होंगे। इसका अधिकांश भाग 'सौर ऊर्जा' का होगा, जो हमें सूर्य के प्रकाश से सहज सुलभ है। हम विश्व सौर गठबंधन देशों के सदस्य भी हैं। भारत वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा के सूत्रधार की भूमिका में है। देश में तो घरों की छत तक पर सौर प्लांट लगाए जा रहे हैं।

करीब 24 लाख भारतीय सऊदी अरब में कार्यरत हैं। करीब 2700 भारतीय कंपनियां वहां काम कर रही हैं। भारतीय कई कंपनियों के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) भी हैं। बीते साल करीब 1.75 लाख भारतीय हज के लिए वहां गए। सऊदी अरब एक प्रगतिशील देश बन रहा है। वहां सिनेमा पर थोपी गईं पाबंदियां हटा ली गई हैं। अरबी औरतें कार चलाती हैं। बुर्के की बंदिशें जबरन नहीं हैं। भारत ने अमरीका और सऊदी अरब के संबंधों को सामान्य कराया है। दोनों देश प्रतिबद्ध हैं कि चीन 'अड़ंगेबाज' न बन सके। नवीकरणीय ऊर्जा समय की दरकार है और एक मजबूत, साबित विकल्प भी है। भारत और सऊदी अरब के बीच समझौता हुआ है कि वे नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमताओं का विस्तार करेंगे। सऊदी अरब ने लक्ष्य तय किया है कि वह 2030 तक अपनी कुल ऊर्जा का 50 फीसदी हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा का रखेगा। भारत में इस ऊर्जा का 2022 में उत्पादन 175 गीगावाट था। अब 2030 तक उसे बढ़ा कर 450 गीगावाट किया जाएगा। एक गीगावाट 1000 मेगावाट के बराबर होता है। अर्थात हम 4.5 लाख मेगावाट अतिरिक्त ऊर्जा पैदा करने की स्थिति में होंगे। इसका अधिकांश भाग 'सौर ऊर्जा' का होगा, जो हमें सूर्य के प्रकाश से सहज सुलभ है। हम विश्व सौर गठबंधन देशों के सदस्य भी हैं। भारत वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा के सूत्रधार की भूमिका में है। देश में तो घरों की छत तक पर सौर प्लांट लगाए जा रहे हैं। भारत-अरब देशों में संभावनाएं ये भी जताई जा रही हैं कि दोनों देशों के 'नेशनल ग्रिड' समंदर के नीचे एक इंटरलिंक के जरिए जोड़े जा सकते हैं, नतीजतन ऊर्जा दोनों देशों को निरंतर उपलब्ध होगी। दोनों देशों ने अपने पारंपरिक स्रोतों के जरिए नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन पर महत्वपूर्ण प्रयास जारी रखे हैं। यह नए दौर की जरूरतों के लिए नए अनुसंधान माने जा सकते हैं। एक अनुमान यह भी सामने आया है कि अगले साल तक नवीकरणीय ऊर्जा की वैश्विक क्षमता करीब 4500 गीगावाट तक बढ़ सकती है। यह अमरीका और चीन की साझा क्षमता से दोगुनी होगी। बहरहाल राज्यवार नवीकरणीय ऊर्जा का विकास और बढ़ोतरी फिलहाल असमान है। यह गंभीर चुनौती भी है। चूंकि नई ऊर्जा के भंडारण की लागत काफी है, लिहाजा वह आकर्षक नहीं है। राज्यों में ऊर्जा की 'चरम मांग' की स्थितियां भी भिन्न हैं। बेशक भारत में नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार लगातार हो रहा है और 2030 तक क्षमताएं खूब बढ़ जाएंगी। यदि वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमताओं में बढ़ोतरी होती रहती है, तो देशों के 'नेशनल ग्रिड' को जोडन्ना किफायती होगा। भारत-अरब के प्रयोगों से स्थितियां और आर्थिक पहलू स्पष्ट होंगे। बैटरियों के जरिए ऊर्जा भंडारण की प्रौद्योगिकी में भी तेजी से सुधार हो रहे हैं, लेकिन व्यापार करने वाले देशों को सावधान और सतर्क रहना पड़ेगा कि प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग न किया जाए। बहरहाल भारत और सऊदी अरब के बीच समझौते से उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है कि नवीकरणीय ऊर्जा का भविष्य उजला है। दोनों देशों ने रक्षा, पर्यटन, व्यापार समेत कई क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रिड को जोडने की सोचना वाकई अभिनव शुरुआत है। आतंकवाद पर भी भारत के रुख से सऊदी अरब को सहमत होना चाहिए। वास्तव में आतंकवाद पूरे विश्व के लिए ही एक बड़ा खतरा है, अतः सऊदी अरब को भारत की चिंताओं से सरोकार होना चाहिए। भारत को यह कोशिश करनी चाहिए कि सऊदी अरब पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद फैलाने से रोके। तभी इस देश के साथ हमारे रिश्ते मजबूत हो पाएंगे।

कुछ अलग

हिंदी क्लब में हिमाचल

हिंदी भाषा में राष्ट्र को दूर तक देखने के नजरिए से हिमाचल के सरोकार अभिलषित जरूर हुए, लेकिन क्या यह भाषा राज्य के सपनों में भी आई। बेशक सियासत ने अपना काम किया, पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने अपना नाम किया, लेकिन हिंदी राज्य बनकर भी यहां शिक्षा से भविष्य तक अंग्रेजी में सपने देखे जाते हैं। यह दीगर है कि सृजन की दुनिया में हिंदी के हिमाचली लेखकों ने पहाड़ के दर्द, पहाड़ के हर मर्ज और पहाड़ की पीढियों को साहित्य की विविधता और गहराई में झांकने का एक मुकम्मल भाषायी योगदान एवं ओजस्वी श्रमदान सौंपा। इस दौरान लेखन कार्य खूब होने लगा है और इसलिए हिमाचल के अस्तित्व में आने की जिरह और विस्तृत होने की वजह कम हो गई। कुछ लेखकों ने आंचलिक बोलियों को हिंदी की रंगोली में सजाया, लेकिन हिमाचली भाषा के सारे स्रोत व रंग ढके ही रह गए। हिमाचल के सांस्कृतिक पक्ष को मजबूत करने के लिए जिस तरह के प्रादेशिक सरोकार चाहिए थे, उनके खिलाफ अनेक कारणों से गोलबंदी हुई और 'न तेरा, न मेरा' के अहंकार ने उस संभावना को रद्द करना शुरू कर दिया जो हिमाचल की विशालता में पहाड़ की भाषा को संगठित व परिमार्जित कर पाती। आश्चर्य यह है कि हिंदी चुनते-चुनते हमने अपने ही लोकसाहित्य की मूल भावना को खूंटी पर टांग दिया। भाषायी मामले में हिमाचल का दोगलापन राष्ट्रीय भाषा के आलोक में भी स्पष्ट होता है, जहां कुछ साहित्यिक कतारें खुद को देश से संबद्ध करने की मर्दानगी दिखाती हैं, तो कुछ अपने पदों के हिसाब से भाषा के संपर्क सूत्र बनकर हिंदी साहित्य के बड़े नामों से खुद को जोड़ते रहे। क्या हिमाचल का हिंदी साम्राज्य 'दक्खिनी हिंदी' के जगत के बराबर हो गया या मुगालतों में हिंदी राज्य बनकर हमने अपनी ही बोलियों के हाशिए चुन लिए हैं। हिमाचल बनने से पहले भाषा के विषय हमारे नजदीक थे, लेकिन अब एक दुर्ग है भाषा। पूर्व में जब हिमाचल कुछ रियासतों से जुडक़र भाषायी मसले को संबोधित कर रहा था, तो उर्दू का प्रयोग केवल कलम नहीं, दिल और जुबान के रिश्तों को सुकून दे रहा था। इसी तरह पंजाब में रह गए पर्वतीय क्षेत्रों ने पंजाबी के गीत-संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं से भाषा की रुहानियत सीखी। जिस पंजाबी भाषा के सुर हिमाचल के सत्तर फीसदी इलाके की बोलियों से मिल कर ताल बनाते हैं, उसे हम अब हिमाचली भाषा के उद्गम से दूर रखना चाहते हैं। पंजाबी ने तो अपनी संरचना में बिलासपुर और कुछ मंडी की बोलियों को भी अपने साथ मिला कर बड़ा किया, लेकिन जब हिमाचली भाषा का प्रश्न आता है, तो हम इसे तथा इसके नजदीक तमाम पहाड़ी बोलियों को अछूत बनाना चाहते हैं। क्या पंजाब ने हिंदी साहित्य को पंजाबी से मजबूत नहीं किया और अगर हम हिमाचली भाषा के श्रृंगार को एक सूत्र में पिरोकर सृजन करें, तो क्या प्रदेश में हिंदी साहित्य की अपनी धार और विशिष्टता नहीं होगी।

पूरी दुनिया भारतीय संस्कृति को जानने एवं समझने का प्रयास भी कर रही

भारत का सांस्कृतिक वैभव एक नया आकार ले रहा है

प्रहलाद सबनानी

> भारत की संस्कृति और सभ्यता आदि काल से ही अपने परम्परागत अस्तितिव के साथ अजर अमर बनी हुई है। भारत में गीत संगीत, नाटक परम्परा, लोक परम्परा, धार्मिक संस्कार, अनुष्ठान, चित्रकारी और लेखन के क्षेत्र में एक बहुत बड़ा संग्रह मौजूद है जो मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में जाना जाता है। इसे संजोने, संवारने और निखारने का महती प्रयास हाल ही के समय में बहुत मजबूती के साथ किया जा रहा है। विशेष रूप से पिछले एक दशक में भारत की संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं जिससे न केवल विश्व के लोगों को देश के माटी की सौंधी खुशबू मिली है बल्कि पूरी दुनिया भारतीय संस्कृति को जानने एवं समझने का प्रयास भी कर रही है।

भारतीय सनातन संस्कृति, सभ्यता और परम्पराएं विश्व में सबसे अधिक प्राचीन मानी जाती है। भारतीय संस्कृति को विश्व की अन्य संस्कृतियों की जननी भी माना गया है। भारत की संस्कृति और सभ्यता आदि काल से ही अपने परम्परागत अस्तितिव के साथ अजर अमर बनी हुई है। भारत में गीत संगीत, नाटक परम्परा, लोक परम्परा, धार्मिक संस्कार, अनुष्ठान, चित्रकारी और लेखन के क्षेत्र में एक बहुत बड़ा संग्रह मौजूद है जो मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में जाना जाता है। इसे संजोने, संवारने और निखारने का महती प्रयास हाल ही के समय में बहुत मजबूती के साथ किया जा रहा है। विशेष रूप से पिछले एक दशक में भारत की संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं जिससे न केवल विश्व के लोगों को देश के माटी की सौंधी खुशबू मिली है बल्कि पूरी दुनिया भारतीय संस्कृति को जानने एवं समझने का प्रयास भी कर रही है। भारत का अतीत वर्तमान से भी सुंदर एवं प्रभावशाली रहा है। कोणार्क का सूर्य मंदिर, मदुराई का मीनाक्षी मंदिर, एलोरा का कैलाश मंदिर, कांचीपुरम में वरद राजा मंदिर, मुडेरा में सूर्या मंदिर के अलौकिक रूप एवं अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी में बाबा विश्वनाथ धाम कारिडोर, उज्जैन में महालोक कारिडोर, केदारनाथ धाम का पुनर्विकास, पवित्र डेरा बाबा नानिक करतारपुर साहिब कारिडोर के रूप में भारत के सांस्कृतिक वैभव को एक नया आयाम दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त रामायण सर्किट, बौध सर्किट, तीर्थंकर सर्किट समेत अन्य पर्यटन सर्किट भी विकसित किए जा रहे हैं।

भारत में 40 विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें से 32 सांस्कृतिक स्थल, 7 प्रकृतिक स्थल और 1 मिश्रित स्थल है। इसके अलावा सरकार की देखरेख में शामिल लगभग 3000 स्मारकों को मोमेंट्स ओफ नैशनल इम्पॉर्टन्स घोषित किया गया है। भारत के संस्कृति मंत्रालय का मिशन कला और संस्कृति के सभी रूपों का परीक्षण, संवर्धन, प्रचार और प्रसार करना है। संस्कृति मंत्रालय के कार्य है – एतिहासिक स्थलों, प्राचीन स्मारकों का संरक्षण, पुस्तकालयों का प्रबंधन और प्रशासन, साहित्यिक, दृश्य और मंच कलाओं का संवर्धन, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विभूतियों और घटनाओं का शताब्दी वर्ष आयोजन, बौद्ध और तिब्बती अध्ययन संस्थानों का संवर्धन, कला और संस्कृति के क्षेत्र के लिए निजी भागीदारी करना, दूसरे देशों के साथ सांस्कृतिक करार करना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक आदान प्रदान करना, सांस्कृतिक जागरूकता पैदा करना। उक्त

समस्त कार्यों का बखूबी निर्वहन संस्कृति मंत्रालय कर रहा है। पिछले एक दशक के दौरान भारत की सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में कई मील के पत्थर जोड़े गए हैं।

भारत के सांस्कृतिक मंत्रालय ने कई नवाचार प्रारम्भ किए हैं। जैसे, ई-टिकटिंग की सुविधा, भारत अवश्य देखें स्मारक और पुरातत्व स्थल पोर्टल प्रारम्भ करना, सभी केंद्रीय संरक्षित स्मारकों में फोटोग्राफी की अनुमति देना, इसरो के सहयोग से एएसआई स्मारकों की सेटेलाइट मैपिंग करना, विदेशों में गई भारतीय मूर्तियों की वापसी के प्रयास करना, स्मारक और पुरातत्व स्थल पोलिथिन मुक्त घोषित करना, पर्यटकों के लिए एक कैशलेस टूल प्रारम्भ करना, विदेशों में भारतीय उत्सव और त्यौहारों की धूम पैदा करना, देश में म्यूजियम कल्चर का तेजी से विकास करना, आदि। शीघ्र ही युगे-यूगीन राष्ट्रीय संग्रहालय भी देश को समर्पित होने जा रहा है जो देश का सबसे बड़ा म्यूजियम होगा।

देश को राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त हुए 7 दशक से अधिक का समय हो चुका है और हमने अभी हाल ही में आजादी के 75 वर्षों के बाद अमृत काल मानाया है। आजादी के अमृत महोत्सव की आधिकारिक यात्रा 12 मार्च 2021 को प्रारम्भ हुई। जिसे हमारी आजादी की 75 वर्षगांठ के लिए 75 सप्ताह की गिनती शुरू की थी जो उत्सवों के साथ निरंतर गतिमान रही। इस बीच उत्सवों की लम्बी श्रृंखला चली और 15 अगस्त 2023 तक यह यात्रा निर्बाध गति से चलती रही। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान 166,000 से अधिक कार्यक्रम देश और दुनिया में आयोजित किए गए। जिसमें हर घर तिरंगा, वन्दे भारतम, कलांजलि जैसे कई बड़े कार्यक्रम भी शामिल रहे।

अमृत महोत्सव के पांच स्तम्भ हैं – स्वतंत्रता संग्राम@ 75, विचार@ 75, समाधान@ 75, कार्य@ 75, उपलब्धियां@ 75। जनभागीदारी से मनाया जा रहा आजादी का अमृत महोत्सव, देश की इन 75 वर्षों की उपलब्धियों को पूरी दुनिया के सामने रखने का एक प्रयास है और इसके साथ ही अगले 25 वर्षों के लिए संकल्पों की रूपरेखा भी रखी जा रही है।

भारत की सांस्कृतिक विरासत का पर्यटन एक बेहतरीन रंग बनकर उभरता है। भारत विविधताओं का देश है। यह एक बहुसांस्कृतिक और विविधताओं का राष्ट्र है। यहां की संस्कृति, सभ्यता, विरासत, त्यौहार, उत्सव, उपासना, व्यंजन, बोली, भाषा, आदि भिन्न भिन्न होते हुए भी भारत देश एक है, अटूट है। यह विशेषताएं न केवल भारत को विशेष पहिचान दिलाती हैं बल्कि पूरी दुनिया के सामने भारत को खास भी बनाती है।

कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को घुटने टेकने को मजबूर कर दिया था और कोरोना के दंश ने पर्यटन की रफ्तार को कुंद कर दिया था। भारत सरकार ने चुनौतियों में अवसरों को तलाशा और पर्यटन उद्योग में नई जान फूंक दी है जिससे अब भारत का पर्यटन उद्योग नई ऊंचाईयों को छू रहा है। भारत में पर्यटन पहिले से काफी अलग नजर आ रहा है। पर्यटन को नई ऊंचाईयां देने के लिए अथक प्रयास किए गए है। पर्यटन स्थलों को विकसित किया गया है, सुविधाओं का विस्तार किया गया है, परिवहन को सुगम बनाया गया है, आधारभूत ढांचे को विकसित किया गया है। साथ ही कई अन्य प्रयास भी किए गए हैं। अतुल्य भारत, वीजा ओन अराइवल, प्रसाद योजना, देखो अपना देश, एक भारत श्रेष्ठ भारत, हरित पर्यटन मिशन, स्वदेश दर्शन योजना, स्वच्छता अभियान, स्वच्छ पर्यटन ऐप, अडाप्ट ए हेरिटिज, रामायण सर्किट, सूफी सर्किट, बुदेलखंड सर्किट, धर्मशाला घोषणा पत्र (2022) जैसी की नई योजनाएं प्रारम्भ की गई हैं।

केंद्र सरकार ने ग्रीन और डिजिटल पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करते हुए राष्ट्रीय पर्यटन नीति का मसौदा तैयार किया है। इसमें विकास भी विरासत भी की तर्ज पर देश में पर्यटन क्षेत्र को विकसित किया जा रहा है। राष्ट्रीय पर्यटन नीति में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है। जिसमें हरित पर्यटन और डिजिटल पर्यटन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। आतिथ्य क्षेत्र को और कुशल बनाया जा रहा है। इसके साथ ही सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। ईज ओफ टुरिजम को बढ़ावा देते हुए पर्यटन के लिए टैक्स ढांचे में राहत प्रदान किए जाने के प्रयास हो रहे हैं।

सफलता का फार्मूला

> लिखने से बहुत सी बातें खुद-ब-खुद स्पष्ट हो जाती हैं क्योंकि तब हमारा दिमाग एक ही विषय पर फोकस करता है। इससे कई नए आइडिया आते चलते हैं। इस तरह हम खुद अपना मार्गदर्शन करते हैं और समस्या का समाधान ढूंढ लेते हैं। पढऩे में यह जितना आसान लग रहा है, यह सचमुच इतना ही आसान है भी, बस शुरुआत की देर है। एक बार जब आप समस्याओं से पार पाने के लिए यह तरीका अपना लेते हैं तो समस्याओं के हल ढूंढना इतना आसान हो जाता है कि आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं, किसी की भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं, नैया को मंझधार से निकाल सकते हैं। खुद सफल हो सकते हैं, अपने आसपास के लोगों की सफलता में सहायक हो सकते हैं। सफलता का यह आजमाया हुआ फार्मूला है और इस फार्मूले की सफलता में कोई संदेह न है, न हो सकता है।

जीवन बहुत आसान नहीं है। खासकर तब, जब हमें कोई राह न सूझ रही हो। मन चारों ओर भटक रहा हो और कोई रास्ता दिखाई न देता हो। जब हम स्वयं को विवश महसूस कर रहे हों तो लगता है कि हम उड़ सकते थे, लेकिन किसी ने हमारे पंख काट डाले हैं। जब हम फंसा हुआ महसूस करें तो ऐसा ही होता है और हमारे सारे प्रयत्न विफल होते नजर आते हैं। क्या करना चाहिए तब? कैसे निकल सकते हैं ऐसी विषम स्थिति से? याद रखिए, जीवन में समस्याएं तो सबको आती हैं, लेकिन जो व्यक्ति शांत रहकर समस्याओं का निवारण करता है, वही जीवन में सफल होता है। जीवन कठिन तब लगता है जब व्यक्ति स्वयं को बदलने के बजाय परिस्थितियों को बदलने का प्रयास करता है। दरअसल, हम आधारभूत गलती ही यह करते हैं कि हम बाहरी स्थितियों से प्रभावित होकर पहल करने की अपनी शक्ति गंवा बैठते हैं या यह मान लेते हैं कि हमारे पास पहल करने की शक्ति है ही नहीं, जबकि वस्तुस्थिति इसके बिल्कुल विपरीत होती है। राह पथरीली हो तो हम सारे रास्ते पर कालीन नहीं बिछा सकते, पर हम जूते पहन सकते हैं ताकि वे पत्थर हमें न चुभें। उसी तरह जब स्थितियां विपरीत हों तो हमें यह देखना होता है कि हम अपने अंदर क्या बदलाव लाएं, क्या नए हुनर सीखें, किससे सहायता मांगें ताकि हम अपने लक्ष्य तक पहुंच सकें।

जब हम यह निश्चय कर लेते हैं कि हमने कोई काम करना है तो हमारा दिमाग खुद-ब-खुद रास्ते की अड़चनों पर फोकस करने के बजाय उनके संभावित समाधान के बारे में सोचने लगता है और रास्ते निकाल लेता है, लेकिन अगर हम अड़चनों पर फोकस करें तो हमें अड़चनें इतनी बड़ी लगने लगती हैं कि हम डर कर बैठ जाते हैं और कुछ भी नहीं कर पाते।

डर के कारण जड़ता आती है, निष्क्रियता आती है और हम अपनी असफलता सुनिश्चित कर लेते हैं। इसके विपरीत जब हम समस्या के समाधान तलाशने की कोशिश करते हैं तो हमारा दिमाग सोचने लगता है और बहुत बार कोई न कोई रास्ता निकल आता है। कभी-कभार यह संभव है कि राह देर से मिले, समाधान एकदम न मिले, लेकिन तब भी हम पर निराशा नहीं हावी होती क्योंकि हम उम्मीद नहीं छोड़ते। सफलता और असफलता के बीच बस यही एक फर्क है। जब कभी भी हमें लगे कि हम फंस गए हैं, मंझधार में हैं, तूफान में घिर गए हैं, तो निराश होने के बजाय समाधान ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए। इस संबंध में मैं एक छोटा सा फार्मूला याद रखने की अनुशंसा करता हूं और वह फार्मूला ऐसा है जिसे अंग्रेजी वर्णमाला के छह अक्षरों से याद रखा जा सकता है। इस फार्मूले के वे अक्षर हैं- बी, ई, डी, ओ, ए और आर। पहले तीन अक्षर बी, ई, डी हमारी वर्तमान स्थिति के सूचक हैं। बी, ई, डी यानी बेड, यानी बिस्तर। जब हम बी, ई, डी की स्थिति में होते हैं तो हम बिस्तर पर हैं, यानी नींद में हैं, निष्क्रिय हैं, जड़ता की स्थिति में हैं। यहां बी से बनता है ब्लेम, यानी दोषारोपण। हम स्थितियों को दोष देते हैं, दूसरे व्यक्तियों को दोष देते हैं, अपनी किस्मत को, गरीबी को, साधनहीनता को दोष देते हैं। ई से बनता है एक्सक्यूज, यानी बहानेबाजी। अपनी अकर्मण्यता दूर करने के बजाय हम बहाने गढ़ लेते हैं। डी से होता है डिनायल, यानी वस्तुस्थिति को समझने और स्वीकार करने से इन्कार। ये तीन प्रवृत्तियां हैं, मनोदशाएं हैं जिनके कारण हम अड़चनों से डर जाते हैं और निष्क्रिय होकर बैठ जाते हैं, मानो हम बेड पर, यानी बिस्तर पर गहरी नींद में सो रहे हों। अब हम इसी फार्मूले के बाकी तीन अक्षरों पर आते हैं। ये तीन अक्षर हैं ओ, ए और आर। ओ, ए, आर, यानी ओर, यानी चप्पू, पतवार। जब नाव मंझधार में हो तो पतवार के सहारे हम उसे किनारे पर लाने की कोशिश करते हैं। ओ से बनता है, ओनरशिप यानी, किसी भी अड़चन को दूर करने का काम मेरा है, सपने मेरे हैं तो पूरा करने का यत्न भी मैं ही करूंगा, मेरे लिए कोई मसीहा नहीं आएगा, अपना मसीहा मैं खुद हूं। ए से बनता है अकाउंटेबिलिटी, यानी जवाबदेही। अगर अड़चनें हैं और मैं उन्हें दूर नहीं कर पा रहा हूं तो जवाबदेही मेरी है। आखिरी अक्षर है आर, जिससे बनता है रेस्पांसिबिलिटी, यानी जिम्मेदारी। इसका मतलब है कि अड़चनों से बाहर निकलने की जिम्मेदारी भी मेरी है। जब हम यह समझ लेते हैं तो निष्क्रियता दूर हो जाती है, जड़ता दूर हो जाती है और हम प्रयत्नशील हो जाते हैं। परिणाम यह होता है कि देर-सवेर समस्या का हल निकल आता है। मेरे इस फार्मूले में जड़ता दिखाने वाले तीन अक्षर हैं- बी, ई, और डी। और समाधान की ओर ले जाने वाले भी तीन ही अक्षर हैं- ओ, ए और आर। अब हम समाधान की ओर ले जाने वाले अक्षरों का कुछ और विश्लेषण करेंगे। इनमें पहला अक्षर है ओ, यानी ओनरशिप, यानी यह स्वीकार करना कि सपने मेरे हैं तो अड़चनों को दूर करने का काम भी मेरा ही है। दरअसल, सफलता का पूरा मंत्र इसी एक अक्षर में समाया हुआ है। जब मान लिया कि यह काम मेरा है तो इसका पहला चरण है यह सोचना कि मैं एक अकेला ऐसा क्या काम करूं कि यह अड़चन दूर हो जाए। इसका दूसरा चरण है कि वह काम मैं कब करूंगा जो इस अड़चन को दूर कर सके।

इसका तीसरा चरण है कि मैं और क्या कर सकता हूं जो मुझे इस अड़चन से पार पाने में सहायक है। इसका चौथा और सर्वाधिक महत्वपूर्ण चरण है कि हम कागज-पेन लें, और सभी संभावित अड़चनों की लिस्ट बनाएं। यह बहुत जरूरी है कि हम लिस्ट लिखित में बनाएं। फिर हम उनके संभावित समाधानों की लिस्ट बनाएं, फिर हम यह लिखें कि हम कौनसा ऐसा काम कर सकते हैं जो हमें समस्या के समाधान के नजदीक ले जा सकता है, फिर यह लिखें कि वह काम हम कब तक खत्म कर लेंगे।

देश दुनीया से

भावनात्मक एकता में बांधती है हिंदी

समाज में एकता के लिए भाषा का माध्यम अनिवार्य अंग है। जिस देश में राष्ट्रीय सहानुभूति के लिए भाषा का आशीर्वाद नहीं होता वहां जातीय जीवन के लक्षण परिलक्षित नहीं होते। जहां विचार विनिमय की एकता का साधन भाषा एक नहीं अपितु अनेक रूपों में उपलब्ध हो वहां एकता संजोने में कठिनाई हो सकती है। एक विचार शैली, एक विचारधारा, एक भाषा से ही अद्भुत होती है। इसकी अनेकता समाज की अनवरत अवनती का कारण है। संसार के सभी राष्ट्रों में उन्नत भाषा की दो शैलियां परलक्षित होती हैं। इनमें से एक साहित्यिक भाषा है और दूसरी व्यावहारिक। यदि हम अपने देश के प्राचीन इतिहास को लें, तो उसमें भी दो शैलियां प्रचलित रही हैं। एक उनकी साहित्यिक भाषा संस्कृत थी और व्यावहारिक भाषा नाना प्रकार की प्राकृतिक उपभाषाएं थी। कालक्रम से वह प्राकृतिक उपभाषाएं वर्तमान जान भाषा में परिवर्तित होकर महत्व प्राप्त करने लगी और धीरे-धीरे संस्कृत गौण हो गई। इस संस्कृत भाषा का स्थान धीरे धीरे हिन्दी लेने लगी है। किसी भी राष्ट्र की पहचान प्रधानता तीन बातों से होती है। यह तीन राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रभाषा हैं। इन तीनों में ही राष्ट्रभाषा सर्वोपरि है जो समस्त देशवासियों को एकता के सूत्र में पिरोती है। हिंदी हमारे देश की राष्ट्रीय भाषा भावात्मक एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकता की भाषा है। देशवासियों को एकता में जोड़ती है। भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरे भारतवर्ष को संगठनात्मक एकता में संगठित करती है। हिंदी ही भारतीयों के सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की भाषा रही है। यह राष्ट्र की सामाजिक, सांस्कृतिक से लेकर देश की अस्मिता तक की पहचान है। हिंदी से ही हमारा साहित्य लोक साहित्य अनुप्रणीत है। इससे ही हम अपना सुख-दुख बांट पाते हैं। भावों की वाटिका और जीवन का साथी है। प्रगति की प्रेरणा है। इसमें जीवन के तत्व छिपे हैं। इतिहास, परंपरा, संस्कृति और धर्म दर्शन अपनी भाषा हिंदी से भरे हैं। भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाया, हालांकि इसे 26 जनवरी 1950 का देश के संविधान द्वारा आधिकारिक भाषा के रूप में इस्तेमाल करने के विचार को मंजूरी दी गई। हर वर्ष देश 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाता है क्योंकि 1950 के अनुच्छेद 343 के तहत इस दिन भारत के संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी भाषा को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाया। तब से लेकर हिंदी भाषा की यात्रा निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रही है। हिंदी सिनेमा, साहित्य, योग, कथा प्रवचन कारों की मदद से हिंदी विदेशों में भी अपना अस्तित्व बनाने में कामयाब हुई है और इसे इक्कीसवीं सदी की भाषा के रूप में जाना जाने लगा है। इसकी लोकप्रियता को देखकर अनेक विदेशी अंग्रेजी चैनलों ने अपना हिंदी में प्रसारण प्रारंभ किया है। हिंदी विश्व की चौथी ऐसी भाषा है जिसे सबसे ज्यादा लोग बोलते हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में भारत में 44 फीसदी लोग हिंदी भाषा बोलते हैं। पूरे विश्व की बात करें तो दुनिया में तकरीबन 80 करोड़ लोग ऐसे हैं जो उसे बोल या समझ सकते हैं। भारत के बाहर हिंदी जिन देशों में बोली जाती है उनमें पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार, इंडोनेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, यमन, युगांडा और कनाडा आदि देश शामिल हैं। 12वां विश्व हिंदी सम्मेलन नाडी फीजी में 15 से 17 फरवरी 2023 को फीजी सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय 'हिंदी पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक' था। पूर्ण सत्र में इस विषय पर चर्चा की गई।

> हिंदी ही भारतीयों के सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की भाषा रही है। यह राष्ट्र की सामाजिक, सांस्कृतिक से लेकर देश की अस्मिता तक की पहचान है। हिंदी से ही हमारा साहित्य लोक साहित्य अनुप्रणीत है। इससे ही हम अपना सुख-दुख बांट पाते हैं। भावों की वाटिका और जीवन का साथी है। प्रगति की प्रेरणा है। इसमें जीवन के तत्व छिपे हैं। इतिहास, परंपरा, संस्कृति और धर्म दर्शन अपनी भाषा हिंदी से भरे हैं। भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाया, हालांकि इसे 26 जनवरी 1950 का देश के संविधान द्वारा आधिकारिक भाषा के रूप में इस्तेमाल करने के विचार को मंजूरी दी गई।

दृष्टिकोण

आंसुओं का हथियार...

बदलते दिनों में आंसुओं की दयनीयता के बखान के स्थान पर इस दुनिया में नवस्थापन और अपने-अपने मूल्यों के प्रतिपादन का एक अचूक हथियार बनते देख मन गदगद हो गया। इससे पहले आंसू बहाना कमजोरी की निशानी माना जाता था और इसे प्रायः औरतों के त्याज्य स्त्रैण नाव से जोड़ दिया जाता था। प्रेमिका मान-मनुहर हार के लिए इनका सहारा ले लेती थी और अपने ओ जी, ए जी के पांवों की बेडियां बनती हुई नजर आने लगती। प्रेम के बिछोड़े से लेकर आंसुओं की डगर से अध्यात्म की यात्रा तय हो जाती। मैं नीर भरी दुःख की बदली जैसी अमर कविता पंक्तियों से मित्र दिवस से लेकर प्रभु मिलन के मुक्ति दिवस तक की यात्रा तय हो जाती। लेकिन पुरुषोचित स्वभाव के लिए प्रायः यही कहा जाता रहा कि जो वास्तव में पुरुष है, वह कभी आंसू नहीं बहाता। अपने चौड़े सीने और बलिष्ठ कन्धों पर आपदा और दुर्भाग्य का हर वार सह लेता है, लेकिन कभी आंसू नहीं बहाता। बड़े-बूढ़े भी पीठ थपथपा कर कह देते, 'विषम परिस्थितियों का हंस कर या साहस से मुकाबला करो, मर्दों को घिघिया कर आंसू बहाना शोभा नहीं देता।' लेकिन इस बीच जमाना तेजी से बदल गया महानुभाव। बलिष्ठ कन्धों और चौड़े सीने वाले मर्दों की प्रजाति लुप्त हो गई। उनके स्थान पर नजर आने लगे झुके कन्धों और सींकिया बदन वाले जीने की भीख मांगने से उखड़े और बेकार नौजवान। उनकी पास की हुई डिग्रियां उनके गले का नौक बन गयीं, क्योंकि उनके पास उन्हें दुःखों की वैतरणी पार करवाने के लिए कोई सिफारिशों की नौका या उनके प्रार्थना-पत्रों को गौर के काबिल बनाने के लिए उनके नीचे चांदी के पहिये लगाने की सामर्थ्य नहीं थी। ऐसी हालत में हर दौड़ में फिसड्डी रह जाने वाले इस देश को कुछ सामाजिक सर्वेक्षणों की ताजा रपटों ने रिश्वतखोरी, मध्यजनों के इस्तेमाल और भ्रष्टाचारी देशों में सिरमौर कह सर्वश्रेष्ठ के कोष्टक में डाल दिया है। अब आंसुओं को बहस वाले लोगों के कायाकल्प और रूपान्तरण की बात भी सामने आने लगी। अब आंसू दीनहीनता का परिचायक, श्रृंगार रस में करुणा का समावेश करने वाले नहीं रहे, बल्कि एक हथियार में भी परिवर्तित होने लगे। मांगने वालों को लगा कि अगर अपने प्रार्थनापत्र के नीचे चांदी के पहियों के साथ आंसुओं का गीलापन भी चस्पां कर दो तो ये ज्यादा तेजी के साथ भागने लगते हैं। महिला सशक्तिकरण और नारी स्वाधीनता तथा पुरुष से समानता के इस नये युग के आविर्भाव के साथ आंसू बहाने का वह कारुणिक रस तो जैसे गायब ही हो गया। हर व्यथागाथा के राजनीतिकरण के इस जमाने में आंसू भी रूप बदल संघर्ष में अपना रास्ता हमवार करने का एक हथियार बनने लगे। आंसू कमजोरी ही नहीं ईमानदारी उद्गारों का भावुक उद्घोष भी होते हैं। उखड़ते आन्दोलन के पांव फिर से जमा देते हैं। लोग अपने गांव-घरों से पानी के कनस्तर उठा नेता जी के आंसू पोंछने चल दिये। इन आंसुओं ने नेता जी का कद एक बालिश्त बढ़ा दिया।

चीन ने ताइवान को कब्जाने का ब्लूप्रिंट जारी किया: वहां के लोगों को बिजनेस का लालच दे रहा; एयर डिफेंस जोन में 40 एयरक्राफ्ट भेजे

बीजिंग।
चीन ने ताइवान पर कब्जा कर उसे अपने में मिलाने के लिए एक ब्लूप्रिंट जारी किया है। इसके लिए वो तटीय क्षेत्र फुजियान और ताइवान के बीच दूरियां कम करना चाहता है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की सेंट्रल कमेटी और स्टेट काउंसिल ने ताइवान पर कब्जे और उसके बाद वहां अपनी सत्ता जमाने के लिए फुजियान को प्रैक्टिस जोन बनाया है। बीजिंग की तरफ से प्लान जारी करने से ठीक पहले एक चीनी एयरक्राफ्ट और करीब 2 दर्जन वॉरशिप ताइवान के पास नजर आए थे। इसके अलावा गुरुवार को भी चीन ने ताइवान के एयर डिफेंस जोन में अपने वॉरशिप्स और एयरक्राफ्ट भेजकर शक्ति प्रदर्शन किया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में चीनी एयरफोर्स के 40 एयरक्राफ्ट ताइवान के दक्षिणी हिस्से में दाखिल हुए।

ताइवान में अगले साल होने हैं राष्ट्रपति चुनाव - चीन फुजियान में ताइवान के लोगों के लिए घर और बिजनेस सेटल करने की व्यवस्था करेगा। चीन ने ये ब्लूप्रिंट ऐसे समय जारी किया है जब ताइवान में अगले साल जनवरी में राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहे हैं। दरअसल, चीन एक तरफ अपने वॉरशिप्स और एयरक्राफ्ट भेजकर ताइवान को डराना चाहता है और दूसरी तरफ बिजनेस और सेटलमेंट के मौके देकर उन लोगों को आमंत्रित कर रहा है, जो ताइवान के चीन में मिलने के पक्ष में है।

ताइवान से आने वाले लोग शुरू कर सकेंगे टीवी-रेडियो प्रोडक्शन - चीन ने ब्लूप्रिंट में फुजियान आने वाले ताइवान के लोगों के लिए नौकरी और बिजनेस के बेहतर विकल्प देने का वादा किया है। साथ ही उसने इंडस्ट्रियल और कैपिटल को-ऑपरेशन बढ़ाने की भी बात कही है। चीन ताइवान की कंपनियों को अपने स्टॉक एक्सचेंज में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहा है। ताइवान की कंपनी को चीन में अपने रेडियो और टीवी प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने का मौका दिया जाएगा। इसके अलावा इस ब्लूप्रिंट में ताइवान के आम लोगों और वर्कर्स के लिए फुजियान में बसने के मौकों के बारे में भी बताया गया है। उसने ताइवान के लोगों के लिए प्रांत में रहना और काम करना आसान बनाने के लिए सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ाने का संकल्प लिया है। साथ ही इन लोगों के लिए चीन में प्रॉपर्टी खरीदना, सही इलाज और स्कूलों में दाखिले के प्रोसेस को भी आसान बनाने का जिक्र है। ब्लूप्रिंट में बताया गया है कि कैसे फुजियान आकर ताइवान के लोगों के लिए विकास के रास्ते बढ़ जाएंगे। ताइवान के एक सांसद वांग टिंग-यू ने चीन के ब्लूप्रिंट को बेतुका बताया है। उन्होंने कहा- चीन को अपने कर्ज और आर्थिक स्थिति पर ध्यान देने चाहिए, जबकि वो ताइवान पर कब्जा करने के लिए योजना बनाने में लगे हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तानी मूल के परिवार पर बेटी की हत्या का शकः ब्रिटेन में 10 साल की बच्ची का शव मिलने से पहले पाक भागे; लौटते ही गिरफ्तार

ब्रिटेन । ब्रिटेन ब्रिटेन की पुलिस ने 10 साल की सारा शरीफ की हत्या के शक में पाकिस्तान मूल के

उसके तीन रिश्तेदारों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक उसका पिता, सौतेली मां और एक उसका चाचा शामिल है। 10 अगस्त को सारा शरीफ का शव साउथ ईस्ट इंग्लैंड के वॉकिंग में उसके घर के पास मिला था। उसके शरीर पर चोट के कई निशान थे। सारा की मौत के बाद ही उसके रिश्तेदार ब्रिटेन छोड़कर भाग गए थे। कल उनके पाकिस्तान से लौटते ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। उनसे पूछताछ की जा रही है। तीनों आरोपी पाकिस्तान के सियालकोट से दुबई गए। वहां से ब्रिटेन लौटे। पुलिस लागातार उनकी फ्लाइट को ट्रैक कर रही थी। विमान लैंड होने से पहले ही एयरपोर्ट के बाहर पुलिसबल तैनात कर दिया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद सारा की मां ने कहा- मुझे लग रहा है मेरे कंधों से बहुत बड़ा बोझ उतर गया है। सारा की हत्या के आरोपी पिता और सौतेली मां ने पाकिस्तान से एक वीडियो भी रिलीज किया था। इसमें उन्होंने खुद को निर्दोश बताया था। उन्होंने कहा था कि वो पुलिस के डर से पाकिस्तान में छिपे हैं। अगर पुलिस उन्हें परेशान नहीं करेगी तो वो जांच में पूरा सहयोग देंगे। तीनों आरोपी सारा के 5 भाई-बहनों को अपने साथ ले गए थे। उन्हें पाकिस्तान की कोर्ट ने एक सरकारी फैसिलिटी में रखने के निर्देश दिए हैं। ब्रिटेन ने तीनों आरोपियों को पकड़ने के लिए इंटरनेशल वारंट जारी किया गया था। पुलिस को 10 अगस्त को 999 पर आई एक इमरजेंसी कॉल के बाद सरे के वोकिंग इलाके की एक सोसायटी स्थित घर से सारा शरीफ का शव मिला था। यह कॉल आरोपी पिता ने की थी। उसने खुद को सारा का पिता बताते हुआ कहा था कि वो पाकिस्तान में है। वहीं मलिक के छोटे भाई ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने पिछले हफ्ते दो बार हमारे घर पर छापा मारा था। परिवार के अन्य सदस्यों की तस्वीरें ली गईं। इसके साथ ही उनके परिवार को तीनों आरोपियों के ढिकाने का पता मिलते ही फौरन पुलिस को सूचित करने की चेतावनी दी गई थी।

हियरिंग लॉस के बारे में बता देती हैं आंखेंः एकटक देखकर बातें सुनने वालों के कान कमजोर होते हैं, इनकी आंखों में मूवमेंट नहीं होता

वॉशिंगटन। आपकी आंखें बता सकती हैं कि आपके कान कमजोर हो रहे हैं। नई रिसर्च में ये दावा किया गया है। रिसर्चर्स का कहना है कि जिस व्यक्ति को कम सुनाई देता है वो एक जगह पर देखकर बात को आसानी से सुनने की कोशिश करता है। यानी किसी बात को सुनते समय उसकी आंखों में ज्यादा बदलाव नहीं होते। वो एक ही जगह पर फोकस करता है। पहले हुई कई रिसर्च में सामने आया है कि जब हम ज्यादा गंभीरता से सोचते हैं तो हमारी आंखों की पुतलियों में किसी तरह का मूवमेंट नहीं होता। दूसरे शब्दों में कहें तो जब हम कुछ याद करने की कोशिश करते हैं तो एक ही जगह पर एकटक देखते हैं। इस दौरान हमारी आंखों में कोई बदलाव या मूवमेंट नहीं होता। अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि शोरगुल में भी हम फोकस करके एक आवाज को सुनने की कोशिश करते हैं, तो क्या हियरिंग लॉस है। रिसर्चर एरिक कुई और ब्योर्न हेरमैन का कहना है कि शोरगुल में किसी एक आवाज पर फोकस करना हियरिंग लॉस नहीं है। ये एक नॉर्मल प्रोसेस है कि जब हम फोकस करते हैं तो आंखों में मूवमेंट नहीं होती। इसी फैक्ट को ध्यान में रखकर हमने स्टडी की है। इसके आधार पर हम कह सकते हैं कि हियरिंग प्रोसेस और कानों से जुड़ी बीमारियों का पता लगाने में आखें अहम रोल प्ले करती हैं। स्टडी के मुताबिक, इनर इयर में वायरल इंफेक्शन आने से नर्व को नुकसान पहुंचाता है। इससे हियरिंग लॉस हो सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो तापमान बढ़ने, घटने और नमी के कारण कान में फ्ल्यूड बनने से लंबे समय तक सूजन और इंफेक्शन रहने के कारण सुनाई देने की क्षमता कम होना शुरू हो जाता है। एक से दो दिन तक रहने वाला इंफेक्शन रिकवर हो जाता है। दो सप्ताह से ज्यादा और लंबे समय तक यह इंफेक्शन रहने से पर्दे में खिंचाव आ जाता है। फ्रांस के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल इंस्टीट्यूट की रिसर्च रिसर्च में पाया गया है कि कुछ लोगों में शुगर और डिप्रेशन की वजह से सुनने की समस्या हो रही है।

तालिबान की सरकार को मान्यता देने के करीब चीन

अफगानिस्तान में राजदूत नियुक्त ; ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बना

काबुल/ बीजिंग।
अफगान अधिकारियों ने दावा किया है कि तालिबानी कब्जे के बाद चीन ने काबुल में अपना पूर्णकालिक राजदूत नियुक्त कर दिया है। इसके साथ ही चीन ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश भी बन गया है।

दरअसल, 2021 में अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज होने के बाद से तालिबान अंतरराष्ट्रीय मान्यता की मांग कर रहा है। हालांकि, अभी तक किसी भी देश ने ऐसा नहीं किया है। काबुल में अपना पूर्णकालिक राजदूत नियुक्त कर चीन इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तालिबान के एक प्रवक्ता ने कहा कि नए चीनी राजदूत झाओ जिंग ने प्रधानमंत्री मोहम्मद हसन अखुंद और विदेश मंत्री शेख अमीर खान मुत्तकी से मुलाकात की है। हालांकि, चीन ने अफगानिस्तान में राजदूत की नियुक्ति को सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बताया है।

चीन की मांग तालिबान पर लगी पाबंदियां हटें...

तालिबान की सरकार में शामिल कई अधिकारियों पर अंतरराष्ट्रीय पाबंदियां लगी हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएन में अफगानिस्तान की सीट पर अमेरिका के समर्थन वाली पुरानी सरकार काबिज है। अफगानिस्तान में चीन के पिछले राजदूत वांग यू ने 2019 में यह पद संभाला था और पिछले महीने उनका कार्यकाल समाप्त हुआ। काबुल में राजदूत की उपाधि वाले अन्य दूसरे राजनयिक भी हैं, लेकिन उन सभी की नियुक्ति तालिबान के कब्जे से पहले ही हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक जब राजदूत झाओ की कार पुलिस के काफिले के साथ राष्ट्रपति भवन पहुंची। चीन की ऐंबैसी की तरफ से जारी एक बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की गई है कि वो अफागनिस्तान में तालिबान की सरकार से डायलॉग बढ़ाएं। साथ ही देश में एक मॉडर्न पॉलिसी अपनाने और आतंकवाद से लड़ने में मदद करें। बयान में अमेरिका का नाम लिए बिना कहा गया है- अफगानिस्तान में जो कुछ हुआ उससे सबक लेने की जरूरत है। उन्हें आतंक से लड़ाई के दोहरे स्टैंडर्ड को छोड़ना चाहिए। चीन ने बाहरी देशों में सीज की गई अफगानिस्तान की संपत्ति छोड़ने और तालिबान पर लगी पाबंदियों को भी हटाने की मांग की है।

कूटनीतिक मान्यता नहीं मिलने का किसी देश पर क्या असर होता है

अगर किसी देश में सरकारों को मान्यता नहीं मिलती तो वह देश इंटरनेशनल ट्रीटी में शामिल नहीं हो सकते। इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं मिलता। उनके कूटनीतिक प्रतिनिधि विदेशों में लीगल एक्शन से छूट नहीं पा सकते हैं। वे किसी और सरकार के सामने या विदेशी अदालतों में प्रोटेस्ट या प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं। जब यह माना जाता है कि कोई सरकार अपने देश में विदेशी हितों को सुरक्षित रखने में नाकाम रही है या इंटरनेशनल स्तर पर जवाबदेही पूरा नहीं कर पा रही है तो उसके अन्य देशों से रिश्ते खराब हो सकते हैं। सैन्य विद्रोह या बगावत को भी उस समय मान्यता मिलती है जब वहां की नई सरकारें यह सुनिश्चित करती हैं कि इंटरनेशनल लेवल पर वह जिम्मेदारी निभाने को पूरी तरह तैयार हैं। बर्मा को ही लें। वहां छह महीने पहले सैन्य विद्रोह हुआ था। सेना ने वहां प्रशासन पर कब्जा कर रखा है। समानांतर सरकार भी चल रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई सरकार को मान्यता नहीं है और वह डिप्लोमेटिक चैनल्स के जरिए ज्यादा से ज्यादा देशों से मान्यता हासिल करने की कोशिश कर रही है।

अफगानिस्तान के 1 ट्रिलियन लिथियम रिजर्व में निवेश करेगा चीन

चीन काफी समय से तालिबान से नजदीकियां बढ़ा रहा है। साल की शुरुआत में ही चीन ने अफगानिस्तान के लिथियम रिजर्व में निवेश करने की इच्छा जाहिर की थी। इसके लिए तालिबान के माइनिंग और पेट्रोलियम मंत्री शहाबुद्दीन दिलावर ने चीन की कंपनी गोचिन के अधिकारियों से काबुल में मुलाकात की थी। मंत्री दिलावर ने कहा था कि इस निवेश से 1 लाख 20 हजार नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। चीन की कंपनी ने तालिबान से ये भी वादा किया है कि वो सलांग पास को 7 महीनों के भीतर ठीक कर देंगे। साथ ही एक और टनल भी बनाएंगे।

किम जोंग ने पुतिन को दिया उत्तर कोरिया दौरे का न्योता, नाराज अमेरिका ने दी ये चेतावनी

नई दिल्ली ।
रूस की यात्रा पर गए नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने बातचीत के दौरान अब रूस के राष्ट्रपति को उनके देश आने का न्योता दिया है। इसकी जानकारी दी है और बताया है कि पुतिन ने किम जोंग का आमंत्रण स्वीकार भी कर लिया है। अपने स्वागत समारोह के अंत में, किम जोंग उन ने पुतिन को सुविधाजनक समय पर डीपीआरके (डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया) का दौरा करने के लिए विनम्रतापूर्वक आमंत्रित किया। पुतिन ने खुशी के साथ निमंत्रण स्वीकार किया और रूस-डीपीआरके दोस्ती के इतिहास और परंपरा को आगे बढ़ाने की अपनी इच्छा की पुष्टि की। उत्तर कोरियाई नेता ने रूस के लिए पूर्ण और बिना शर्त समर्थन का संकल्प लिया क्योंकि दोनों नेताओं ने एक शिखर सम्मेलन आयोजित किया था। कथित तौर पर, किम ने अगले 100 वर्षों के लिए स्थिर, भविष्य-उन्मुख संबंधों को बढ़ावा देने की इच्छा व्यक्त की। यूक्रेन में युद्ध का अप्रत्यक्ष लेकिन स्पष्ट संदर्भ देते हुए किम ने कहा, रूस वर्तमान में अपने संप्रभु अधिकारों, सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए वर्चस्ववादी ताकतों के खिलाफ एक न्यायपूर्ण लड़ाई में लगा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पुतिन से वार्ता के दौरान उत्तर कोरियाई नेता ने कहा कि डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया ने हमेशा रूसी सरकार द्वारा उठाए गए सभी कदमों के लिए अपना पूर्ण और बिना शर्त समर्थन व्यक्त किया है। किम जोंग उन ने कहा, मैं इस अवसर पर इस बात की पुष्टि करता हूं कि हम साम्राज्यवाद विरोधी मोर्चे और स्वतंत्रता के मोर्चे पर हमेशा रूस के साथ खड़े रहेंगे। दोनों पक्षों ने साम्राज्यवादियों के सैन्य खतरों, उकसावे और अत्याचार के सामने रणनीतिक और सामरिक सहयोग को और मजबूत करने पर भी सहमति व्यक्त की।किम जोंग-उन और पुतिन की इस बैठक को लेकर अमेरिका और दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने चिंता व्यक्त की है कि उत्तर कोरिया यूक्रेन में युद्ध के बीच रूस को हथियार और गोला-बारूद प्रदान कर सकता है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि क्रेमलिन से इस बात के संकेत मिले हैं कि दोनों नेताओं ने सैन्य सहयोग पर चर्चा की, लेकिन इसके विवरण का खुलासा नहीं किया गया है।

साइंटिस्ट्स ने सुअर के भ्रूण में इंसानी किडनी डेवलप कीः ये 60 प्रतिशत मानव कोशिकाओं से बनी, 5 साल में मिली सफलता

वॉशिंगटन।
वैज्ञानिक सुअर के भ्रूण में ज्यादा इंसानी कोशिकाओं वाली किडनी विकसित करने में सफल हुए हैं। यह लोंगों में आगे चलकर किडनी और दूसरे अंगों का प्रत्यारोपण करने के लिए महत्वपूर्ण रिसर्च है। सेल स्टेम सेल जर्नल में प्रकाशित स्टडी के मुताबिक इस तकनीक में सुअर के भ्रूण की आनुवांशिक संरचना में बदलाव किया गया और उसके बाद उसमें मानव कोशिकाएं रोपित की गईं। इससे जानवर के भीतर अधिकांश इंसानी कोशिकाओं वाली किडनी तैयार हो गई। वैज्ञानिकों का कहना है कि पहली बार किसी अन्य प्रजाति के भीतर इंसानी अंग को विकसित किया गया है।

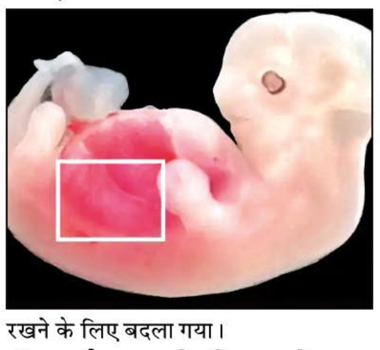

सुअर में जेनेटिक रूप से कुछ बदलाव किए गए

गुआंगझाउ इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिसिन एंड हेल्थ के वैज्ञानिक मिगुअल एस्टेबन ने कहा कि हमें इस काम में पांच साल का समय लगा। उन्होंने बताया कि पहले हमने सुअर में जेनेटिक रूप से कुछ बदलाव किया जिससे कि इंसानी कोशिकाअओं को विकसित करने के लिए स्थान बनाया जा सके। इंसानी कोशिकाओं को भी एक अलग माहौल में अस्तित्व बनाए रखने के लिए बदला गया।

इंसान और सुअर के डीएनए को मिलाया गया

एस्टेबन का कहना है कि अंततः हमारा लक्ष्य पूरी तरह से प्रत्यारोपण के लिए तैयार अंगों का उत्पादन करना है। टीम किडनी के अलावा दिल, पेनक्रियाज जैसे अंगों को भी सुअर के भ्रूण में विकसित करने पर काम कर रही है। इंसान और सुअर के डीएनए को मिलाने का काम कर चुके यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्सास के एसोसिएट प्रोफेसर जून वू ने कहा कि यह रिसर्च अहम है। इसमें करीब 60 प्रतिशत इंसानी कोशिकाएं हैं जबकि हमारी स्टडी में इंसानी कोशिकाओं का स्तर बहुत कम था।

भारतीय छात्रा की मौत पर हंसा अमेरिकी पुलिस ऑफिसर: कहा 9 लाख का चेक लिख दो बस; भारत ने कार्रवाई की मांग की

वॉशिंगटन।
अमेरिका के सिएटल शहर में एक भारतीय छात्रा जाह्नवी कमडुला की पुलिस पैट्रोल कार से टक्कर लगने पर मौत हो गई। इसके बाद एक्सीडेंट की जांच के लिए आए पुलिस ऑफिसर ने उसकी मौत का मजाक उड़ाया। इस मामले की अभी जांच की जा रही है। घटना की जांच के लिए आए पुलिस ऑफिसर की कार का एक वीडियो और ऑडियो वायरल हो रहा है। इसमें वो कह रहा है कि भारतीय छात्रा की जिंदगी की लिमिटेड वैल्यू थी। एक चेक लिखने से काम बन जाएगा। सैन फ्रैंसिस्को में भारतीय कॉन्सुलेट ने इस घटना की निंदा करते हुए तुरंत जांच और कार्रवाई की मांग की है।

बॉडीकैम ऑन था तो बातें रिकॉर्ड हुई

पुलिस ऑफिसर जब छात्रा की मौत का मजाक उड़ा रहा था तो उसका बॉडीकैम यानी उसके शरीर पर लगा कैमरा ऑन था। इससे सारी बातें रिकॉर्ड हो गईं। वो अपनी कार में बैठकर ये कहता सुनाई दे रहा है कि लड़की एक्सीडेंट के बाद 40 फीट तक नहीं उछली थी। पर वो मर चुकी है। इसके बाद पुलिस वाला ठहाके लगाकर हंसता है। फिर कहता है कि वो एक रेगुलर इंसान थी। 11 हजार डॉलर का चेक लिखने से काम बन जाएगा। पुलिस ऑफिसर फिर हंसते हुए कहता है कि वो सिर्फ 26 साल की थी। उसकी लिमिटेड वैल्यू थी।

8 महीने बाद घटना का खुलासा

जाह्नवी की मौत जनवरी के महीने में हुई थी। सिएटल पुलिस ने बताया कि उसकी मौत का मजाक उड़ाए जाने का खुलासा इस महीने हुआ। जब उनके किसी कर्मचारी ने रूटीन चेक के लिए बॉडीकैम से रिकॉर्ड किए गए ऑडियो सुने। जाह्नवी पर किए कमेंट्स कर्मचारी को आपत्तिजनक लगे और उसने अपने सीनियर्स से इसकी शिकायत की। इसके बाद मामले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने छात्रा को सीपीआर भी दिया था। आंध्र प्रदेश की रहने वाली जाह्नवी कमडुला इस साल दिसंबर में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने वाली थीं।

आरोपी पुलिस वाले ने कहा- मेरे बातों को गलत संदर्भ में पेश किया

जाह्नवी की मौत का मजाक उड़ाने वाले पुलिस ऑफिसर का नाम डेनियल ऑडेरेर बताया जा रहा है। उसने खुद पर लगे आरोपों पूरी तरह से गलत बताया है। उसके कहा है कि वो सिर्फ शहर के अटॉर्नी की नकल कर रहा था। जो ऐसे मामलों में सजा सुनाने के दौरान ढिलाई बरतते हैं। वहीं, कम्युनिटी पुलिस कमिशन ने इस मामले की आलोचना की है। इसे दिल तोड़ने वाली घटना बताया है।

अदालत ने डीएसीए को अवैध घोषित किया, भारतीयों समेत लाखों प्रवासी होंगे प्रभावित

वॉशिंगटन।
ह्यूस्टन में एक संघीय न्यायाधीश ने उस संघीय नीति को अवैध घोषित कर दिया है जो बचपन में अमेरिका लाए गए सैकड़ों भारतीयों समेत बिना दस्तावेज वाले लाखों प्रवासियों के निर्वासन पर रोक लगाती है। ओबामा काल के डेफर्ड एक्शन फॉर चाइल्डहुड अराइवल्स प्रोग्राम (डीएसीए) को बड़ा झटका अमेरिकी जिला अदालत के न्यायाधीश एंड्रयू हानेन के एक फैसले से लगा।

न्यायाधीश ने लिखा, 16 जुलाई, 2021 से पहले अपना प्रारंभिक डीएसीए दर्जा प्राप्त करने वाले सभी डीएसीए प्राप्तकर्ताओं के लिए कानून पर रोक लगाया जाता है। प्रशासन ऐसे व्यक्तियों के लिए डीएसीए के नवीकरण आवेदनों को संसाधित करना और देने से जुड़े कार्क्रम जारी रख सकते हैं।

न्यायाधीश हनेन ने इसके साथ ही लगभग 580,000 ड्रीमर्स के निर्वासन

संरक्षण और कार्य परमिट को समाप्त करने का आदेश देने से परहेज किया। साउथ एशियन अमेरिकन्स लीडिंग टुगेदर (एसएएएलटी) की 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 630,000 भारतीय ऐसे हैं जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं, जिसमें 2010 के बाद से 72 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वर्तमान में कम से कम 4,300 सक्रिय दक्षिण एशियाई डीएसीए लाभार्थी हैं। अगस्त 2018 तक, लगभग 2,550 सक्रिय भारतीय डीएसीए लाभार्थी थे। एसएएएलटी ने कहा कि कुल 20,000 डीएसीए-पात्र भारतीयों में से केवल 13 प्रतिशत ने डीएसीए के लिए आवेदन किया है और इसे प्राप्त किया है।

क्या है डीएसीए

डीएसीए (डेफर्ड एक्शन फॉर चाइल्डहुड अराइवल्स प्रोग्राम) 2012 से अमेरिका की दक्षिणी सीमा को अवैध रूप से पार करने वाले या वीजा अवधि से अधिक समय तक रहने वाले हजारों प्रवासियों को निर्वासन के डर के बिना देश में रहने और काम करने की अनुमति देती है, अगर वे कुछ जरूरतों को पूरा करते हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि वह अदालत के फैसले से निराश है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केरिन जीन पियरे ने देर रात एक बयान में कहा, हम दक्षिणी टेक्सास में जिला अदालत से आए आज के डीएसीए के फैसले से बहुत निराश हैं। अपने प्रशासन के पहले दिन राष्ट्रपति (जो) बाइडन ने एक ज्ञापन जारी कर संघीय सरकार को डीएसीए नीति को संरक्षित और मजबूत करने के लिए सभी उचित कदम उठाने का निर्देश दिया था।

राष्ट्रपति बना तो बंद होगा एफबीआई, 75 प्रतिशत संघीय कर्मचारी होंगे बाहर, विवेक रामास्वामी ने किया दावा

नई दिल्ली । अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी से उम्मीदवारी का दावा ठोंक रहे भारतीय मूल के अमेरिकी विवेक रामास्वामी ने एक चौंकाने वाली बात कही है। उन्होंने कहा है कि अगर वह 2024 का चुनाव जीतते हैं तो संघीय कार्यबल के 75 प्रतिशत से अधिक लोगों को नौकरी से निकाल देंगे और एफबीआई जैसी कई प्रमुख एजेंसियों को बंद कर देंगे। अमेरिकी समाचार वेबसाइट के साथ एक साक्षात्कार में, रामास्वामी ने कहा कि उनके निशाने पर शिक्षा विभाग, एफबीआई, शराब, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो, परमाणु नियामक आयोग, (आंतरिक राजस्व सेवा) आईआरएस और वाणिज्य विभाग होंगे। उन्होंने कहा, हम पहले दिन से शुरुआत करेंगे और हम पहले साल के अंत तक 50 प्रतिशत कटौती करना चाहते हैं। रामास्वामी (38) ने कहा, ध्यान रहे कि इनमें से 30 प्रतिशत कर्मचारी अगले पांच साल की अवधि में सेवानिवृत्ति के पात्र हैं। उन्होंने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है लेकिन यह उतना पागलपन नहीं है जितना लगता है।

मुख्यमंत्री गहलोत से कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री की शिष्टाचार भेंट

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से गुरुवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इनके साथ विधायक एनए हारिस भी उपस्थित थे। इस दौरान शिवकुमार ने राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और चहुंमुखी विकास के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि महंगाई राहत कैंप, स्वास्थ्य का अधिकार, गिग वर्कर्स एक्ट, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, 500 रुपए में गैस सिलेंडर, अन्नपूर्णा फूड पैकेट सहित विभिन्न योजनाओं की चर्चा पूरे देश में है। उन्होंने कोटा शहर के नवनिर्मित चंबल रिवर फ्रंट और ऑक्सीजोन सिटी पार्क के लिए भी तारीफ की। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला, खान एवं पेट्रोलियम मंत्री प्रमोद जैन भाया, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजन लाल जाटव समेत बनेक मंत्री, पार्टी पदाधिकारी और पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा उपस्थित थे।

सनातन है, सनातन था और सनातन रहेगा : केंद्रीय मंत्री ठाकुर

शाहपुरा (हिंस)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि सनातन धर्म को जड़ से खत्म करने का संकल्प लेकर जो घमंडिया गठबंधन के नेता चल रहे हैं। मैं उनको इतना ही कहना चाहता हूं कि आप संविधान व बाबा साहब अंबेडकर का अपमान करने के साथ ही 140 करोड़ भारतवासियों को भी नीचा दिखाने का काम कर रहे हो। अगर यही भविष्य का प्लान व रणनीति विपक्ष की है तो मैं यही कह सकता हूं कि उनके पास न नेता है न नीति है। यह राजनेता याद रखें ना देश में मुगल सनातन को खत्म कर पाए, ना अंग्रेज सनातन को खत्म कर पाए। सनातन है, सनातन था और सनातन रहेगा। केंद्रीय मंत्री ठाकुर गुरुवार को भीलवाड़ा- शाहपुरा में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनेता संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं। इसका सवाल सोनिया और राहुल गांधी से हैं। सनातन धर्म और संविधान को खत्म करने वाला ठेका इंडिया एलायंस के लोगों ने क्यों लिया है। राजस्थान में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्राओं में भीड़ नहीं जुटने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यात्राओं में हजारों की भीड़ जुट रही है। राजस्थान की जनता ने परिवर्तन का मन पक्का बना चुकी हैं। गहलोत सरकार ने जो महिला अत्याचार, पेपर लीक, भ्रष्टाचार, खनन, भू माफिया, महिला इज्जत की लूट की खुली छूट गहलोत की सरकार ने दे रखी है उससे राजस्थान की जनता मुक्ति पाना चाहती हैं। इसलिए प्रदेश की जनता ने सख्त फैसला ले लिया है कि तख्त बदल देंगे, ताज बदल देंगे, इन बेईमानों का राज बदल देंगे। इंडिया गठबंधन के सवाल पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि कुछ लोग अपना भ्रष्टाचारी चेहरा छुपाने के लिए अपने यूपीए के गठबंधन के नाम को बदलने का प्रयास किया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ठाकुर परिवर्तन संकल्प यात्रा में शामिल हुए। यात्रा का शाहपुरा पहुंचने पर जगह-जगह स्वागत किया गया। इस दौरान शाहपुरा में सभा को संबोधित करते हुए ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर बेरोजगारी, शिक्षा, किसान कर्जा माफ, महिला अत्याचार, बजरी माफिया व पेपर माफिया जैसे मुद्दो को लेकर हमला बोला। उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई।

जम्मू के विभिन्न हिस्सों में हुए पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन

जम्मू (हिंस)। अनंतनाग जिले के कोकरनाग में हुई एक मुठभेड़ में तीन अधिकारियों तथा राजौरी में एक सैन्यकर्मी के बलिदान से आक्रोश में भरे जम्मू के विभिन्न हिस्सों में गुरुवार को पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन हुए। पनुन कश्मीर और ईक सनातन भारत दल (ईएसबीडी) ने कर्मियों को श्रद्धांजलि दी और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाने की मांग की। बुधवार को अनंतनाग जिले के कोकरनाग इलाके में आतंकवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ के दौरान भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स के एक कर्नल, सेना के एक मेजर और एक पुलिस उपाधीक्षक बलिदान हो गए और इसकी जिम्मेदार आतंकी संगठन लश्कर द्वारा पोषित टीआरएफ ने ली है। जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष अरुण प्रभात के नेतृत्व में सैकड़ों भाजपा युवा कार्यकर्ताओं ने पक्का डंगा में विरोध प्रदर्शन किया और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को समर्थन देने और बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की। पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए और देश के झंडे के पोस्टर जलाए। प्रभात ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता के बाद भारत की लोकप्रियता से पाकिस्तान बौखला गया है। इसलिए वे जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। वे क्षेत्र में परेशानी पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीमा पार आतंकवाद के स्रोत से सख्ती से निपटने का आग्रह किया। डोगरा फ्रंट शिव सेना (डीएफएसएस) के कार्यकर्ताओं ने जम्मू में विरोध मार्च निकाला और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकी ढांचे पर नए सिरे से हमले की मांग की। उन्होंने पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए और पाकिस्तानी झंडों को आग लगा दी। डीएफएसएस अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने कहा कि अधिकारियों की ताजा शहादत इस साल जम्मू-कश्मीर में चौथी बड़ी घटना है। हालांकि समग्र सुरक्षा स्थिति नियंत्रण में है और आतंकवाद लगभग समाप्त हो गया है, ऐसे हमलों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ढांचे पर नए सिरे से हमले का आह्वान किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र और जम्मू-कश्मीर प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। युवा राजूत सभा ने भी इस हमले पर अपना गुस्सा व्यक्त करने के लिए जम्मू में एक विशाल विरोध रैली निकाली।

पंजाब में उद्योगों का विस्तार करेगी आआपा : केजरीवाल

अमृतसर (हिंस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने राज्य में औद्योगिक विकास के लिए किए जा रहे बड़े प्रयासों के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सराहना की है। गुरुवार को अमृतसर में *सरकार-उद्योगपति मिलनी* के दौरान अपने संबोधन में दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब अब हरेक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब को भगवंत सिंह मान के रूप में राज्य का सबसे बेहतरीन और काबिल मुख्यमंत्री मिला है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृतसर की पवित्र धरती से बीते दिनों हम राज्य के पहले सरकारी हाई-टैक *स्कूल ऑफ ऐमिनेंस* की शुरुआत कर इतिहास की सृजना की है। हम सभी सरकारी स्कूलों को विश्व स्तर की सुविधाओं से अति-आधुनिक स्कूलों में तबदील करेंगे। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों के साथ ऐसी मिलनियों के द्वारा हम उद्योग क्षेत्र के सभी मसले हल करेंगे। केजरीवाल ने कहा कि बीते समय में 882 स्टील फाऊंड्री यूनिट होते थे, परन्तु अब पिछली राज्य सरकारों की नाकामियों के कारण केवल 126 यूनिट काम कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने वायदा किया कि पंजाब सरकार अपनी उद्योग समर्थकीय नीतियों से इनकी संख्या 2000 ईकाइयों तक ले जाएगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने निजी तौर पर हर एक बड़े उद्योगपतियों तक पहुंच की थी।

भारतीय कस्टम विभाग के 45 प्रशिक्षु अधिकारियों ने किया सीमा दर्शन

जैसलमेर (हिंस)। भारतीय कस्टम सेवा के प्रशिक्षु निरीक्षकों को 173वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल के प्रांगण में गुरुवार को सीमा सुरक्षा बल की बीओपी और फेंसिंग की बनावट, सीमा को सुरक्षित रखने के लिए सीमा सुरक्षा बल द्वारा की जाने वाली गतिविधियों से रूबरू करवाया गया। सीमा सुरक्षा बल के प्रादुर्भाव से लेकर अभी तक के सफर के इतिहास के साथ-साथ 1971 के ऐतिहासिक युद्ध स्थली लोंगेवाला के रणनीतिक और सामरिक महत्व के विषय के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही कार्यवाहक समादेष्टा 173वी वाहिनी रविशंकर प्रसाद ने सभी को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाए दीं।

पेट्रोल पंपों पर सांकेतिक के बाद अब होगी बेमियादी हड़ताल

जोधपुर (हिंस)। पेट्रोल-डीजल पर वेट घटाने को लेकर राज्य सरकार और पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन अपनी-अपनी बात पर अड़े हुए है, जिसका सीधा खामियाजा आम जनता पर पड़ रहा है। अब दो दिन की सांकेतिक हड़ताल के दौरान भी मांगें नहीं माने जाने पर प्रदेशभर के तमाम पेट्रोल पंप कल से बेमियादी हड़ताल पर जाने वाले हैं। आज रात बारह बजे से जरूरी सेवाओं को छोड़कर अन्य तमाम तरह के वाहनों को पेट्रोल पंपों से ना पेट्रोल मिल सकेगा और ना ही डीजल। इधर आज भी लगातार दूसरे दिन सुबह दस बजे से आठ घंटे तक पेट्रोल पंप बंद रहे। इससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा। राजस्थान में पेट्रोल-डीजल पर सबसे ज्यादा वेट वसूलने के विरोध में पेट्रोल पंप संचालकों की दो दिवसीय हड़ताल आज लगातार जारी रही। हड़ताल के दौरान आज दूसरे दिन भी पेट्रोल पंप पर बंद होने के कारण आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा। हड़ताल शुरू होने से पहले तक सुबह दस बजे तक

पेटोल पंपों पर तेल भरवाने के लिए वाहनों की लंबी कतारें लगी रही। बाद में दस बजे पेट्रोल पंप में प्रवेश करने वाले सभी द्वार पर बेरिकेटिंग लगाकर और रस्सियों से रास्ता बंद कर दिया गया। कई लोग अपने वाहन लेकर पेट्रोल पंप के चक्कर लगाते रहे लेकिन उनको पेट्रोल नहीं मिला। पेट्रोल पंप डीलरों का कहना है कि अब भी अगर सरकार ने वेट कम नहीं किया तो वे आज रात बारह बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। इस दौरान वाहन चालकों को पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा। एम्बुलेंस सहित अन्य इमरजेंसी सेवाएं इससे मुक्त रखी गई है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल-डीजल पर वैट कम करने और डीलर्स कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर दो दिन सांकेतिक हड़ताल की गई है। अब अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पेट्रोल पर वैट की दर करीब 31 प्रतिशत और डीजल पर करीब 22 प्रतिशत है जो पड़ोसी राज्यों से ज्यादा है, जिसके कारण प्रदेश के सीमावर्ती पेट्रोल पंपों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। डीलर कमीशन भी बीते कई सालों से नहीं बढ़ा है।

मुख्यमंत्री गहलोत पहुंचे विरोध में मुंडन कराने वाले नाराज विधायक भरत सिंह के घर

कोटा (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कोटा दौरे के दौरान गुरुवार को नाराज कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक भरत सिंह से मिलने पहुंचे। विधायक भरत सिंह बीते कुछ दिनों से नाराज थे और लगातार मुख्यमंत्री और अधिकारियों के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। सीएम गहलोत सुबह पूर्व मंत्री और सांगोद से विधायक भरत सिंह के निवास पहुंचे, जहां दोनों के बीच कुछ ही घंटों के फासले में दूसरी बार बातचीत हुई। इस दौरान यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और विधायक रफीक खान भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के पहुंचने पर विधायक भरत सिंह और उनके समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। लंबे समय से नाराज चल रहे विधायक भरत सिंह की बुधवार रात को भी सीएम गहलोत से बंद कमरे में तकरीबन 15 मिनट तक चर्चा हुई थी। पूर्व मंत्री ने खान की झोपड़ी गांव सहित कई अन्य मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री के सामने अपनी बात रखी। इस मुलाकात के बाद भरत सिंह ने कहा कि सीएम ने मेरे घर आने की मंशा जताई थी, मुझे यह पता चला तो मैंने उन्हें कहा कि मैं ही आ जाता हूं। सिर मुंडवाने के सवाल पर भरत सिंह ने कहा कि बात रखने का अपना-अपना तरीका होता है, मैंने सिर मुंडवाया है। विधायक भरत सिंह ने खान मंत्री प्रमोद जैन भाया के कथित भ्रष्टाचार और उसके प्रति मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अनदेखी के खिलाफ बीते मंगलवार को मुंडन कराया था। इससे पूर्व सिंह ने मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कहा था कि आपका *ईमान मर जाने पर* मैं मुंडन करवा कर अपने केश आपको भेंट कर रहा हूं। कृपया यह तुच्छ भेंट स्वीकार करें एवं महात्मा गांधी को याद कर उनके बताएं सात पाप पर चिंतन करें। उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री पद स्थाई नहीं होता है। भरत सिंह ने कहा, मेरा चेहरा ही अब विरोध करेगा। इन मुद्दों को लेकर मैं बात कर रहा हूं, मैं अपने मुंह से कोई बात नहीं बोलूंगा। वह अपने आप ही महसूस करेंगे कि मुझे किन बातों को लेकर तकलीफ है। किसी ने नंगे पैर जिला बनाने को लेकर मांग की थी, जिला बन गया तो यह प्रतीकात्मक विरोध खत्म हो गया था। उसी तरह से मैं भी प्रतीकात्मक विरोध करता रहूंगा। यह मुद्दा मेरे लिए अब महत्वपूर्ण भी नहीं है। मैं बच्चों की तरह जिद नहीं कर सकता, मैंने अपनी बात कह दी है, लेकिन सिर पर बाल नहीं रखकर विरोध जारी रहेगा। भरत सिंह का कहना था कि भाजपा और कांग्रेस में यही अंतर है। भीलवाड़ा के शाहपुरा से विधायक कैलाश मेघवाल काफी वरिष्ठ हैं और लगातार भाजपा से विधायक भी रहे हैं, इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया। क्योंकि उन्होंने पार्टी के नेताओं के खिलाफ बयानबाजी की थी। हमारी पार्टी में लोकतंत्र और संविधान है, मैं लगातार पार्टी के नेताओं के खिलाफ मुद्दे उठाता था और बोलता था, इसके बावजूद भी मेरा सम्मान किया जाता है, मुझे पार्टी से बाहर नहीं निकाला गया। साथ ही कोई नोटिस भी नहीं दिया गया, अगर मैं भाजपा में होता तो बाहर फेंक दिया जाता।

सनातन धर्म के लिए जागरुकता लाने के लिए आज से शौर्य जागरण यात्राएं

अजमेर (हिंस)। युवाओं में सनातन धर्म के लिए जागरूकता लाने के उद्देश्य से संघ के चित्तौड़ प्रांत के 24 जिलों में 15 से 24 सितंबर तक शौर्य जागरण यात्राएं निकाली जाएंगी। ये यात्राएं चार धार्मिक स्थानों से रवाना होंगी। अजमेर-भीलवाड़ा विभाग की यात्रा पुष्कर से प्रात: दस बजे आरंभ होगी। इससे पहले सभी यात्री पुष्कर सरोवर पर पूजा अर्चना करेंगे। सभी यात्राएं 24 सितंबर तक निकाली जाएंगी। ये यात्राएं प्रदेश के चौबीस जिलों से होकर गुजरेंगी। अजमेर की यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए सुनील दत्त जैन ने बताया कि शौर्य जागरण यात्रा अजमेर शहर में रामप्रसाद घाट से शुरू होगी और फिर अग्रसेन सर्किल आगरा गेट, नया बाजार चौपड़, मदार गेट, पड़ाव, डिग्गी चौक, केसरगंज मार्टिंडल ब्रिज अलवर गेट होते हुए नगरा स्थित टोरेंटो समारोह स्थल पर पहुंचेगी यहां एक धर्म सभा भी होगी। इस धर्म सभा को अजमेर के प्रमुख संघ संबोधित करेंगे। यात्रा में एक रथ होगा, जिसमें राजस्थान के शूरवीरों के चित्र होंगे। अजमेर में विश्व हिंदू परिषद के प्रतिनिधि एडवोकेट शशि प्रकाश इंदौरिया ने बताया कि देश में लगातार ऐसी ताकतें सक्रिय हो रही हैं, जिनकी वजह से आतंकवाद, अलगाववाद जातिवाद, लव हिजाद, लैंड जिहाद, गौ हत्या, जनसंख्या का असंतुलन आदि बुराई पनप रही हैं। यह सब हिंदू समाज पर हो रहे आक्रमण और युवाओं में सनातन धर्म के प्रति जागरुकता लाने के लिए ही युवाओं को हमारे बलिदानियों के जीवन के बारे में जानकारी दी जा रही है।

पोर्टल के कारण जनता भाजपा सरकार को दिखाएगी सत्ता से बाहर का रास्ता : अभय चौटाला

झज्जर (हिंस)। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने मुख्यमंत्री द्वारा 6 नए पोर्टल लांच किए जाने पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा केवल पोर्टल की सरकार बनकर रह गई है। मुख्यमंत्री को केवल झूठी घोषणाएं कर सुर्खियों में रहने की लालसा है, लेकिन ये पोर्टल व झूठी घोषणाएं ही भाजपा को सत्ता से बाहर करने का काम करेंगी। प्रदेश की जनता उन पोर्टल के साथ इस पोर्टल सरकार को भी जड़ से समाप्त करने का मन बना चुकी है। वह बहादुरगढ़ में कार्यकर्ताओं की बैठक लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि आज पोर्टलों के कारण जनता को केवल लाइनों में लगाने का काम किया गया है, लेकिन उनका कोई भी कार्य सुचारू रूप से नहीं हो रहा है। वर्तमान में किसान, व्यापारी, मजदूर व कर्मचारी सभी वर्ग धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हैं और सड़कों पर उतरकर अपनी मांगे सरकार के समक्ष रख रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का काम संभालने वाले कर्मचारी ही अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर हैं तो आम जनता का क्या हाल होगा, इसका अंदाजा स्वयं ही लगाया जा सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पहले कांग्रेस के लोग अखबारों में बयानबाजी कर अपनी भड़ास निकालते थे, लेकिन अब उनके झगड़े सड़कों तक आ चुके हैं। यदि इन्हें एक मंच पर एकत्र किया जाए तो ये वहां पर भी लड़ेंगे। कांग्रेस पार्टी में अनुशासनहीनता सबके सामने आ चुकी है। ऐसे लोग जो स्वयं संगठित नहीं है। वह जनता को भला कैसे कर सकते हैं। विशेषकर युवा वर्ग कांग्रेस से खासा नाराज है। कांग्रेस के मंचों पर होने वाले झगड़े ने कांग्रेस के हाथ से हाथ जोड़ों अभियान को हाथ से हाथ तोड़ों अभियान बनाकर रख दिया है। ऐसे में लोग इनका कैसे विश्वास कर सकते हैं। इसलिए अब प्रदेश की जनता इनेलो की तरफ देख रही है। इनेलो सत्ता में आते ही जनता की सभी उम्मीदों पर खरा उतरेगी और उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं देकर प्रदेश का चहुंमखी विकास किया जाएगा। इस मौके पर इनेलो प्रदेशाध्यक्ष नफे सिंह राठी, झज्जर जिला प्रभारी व बादली के पूर्व विधायक नरेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

हिंदी भारत के माथे की बिंदी, प्रयोग करने में बिल्कुल न हिचकें : पूजा अल्हान

हिसार (हिंस)। फिरोज गांधी मेमोरियल राजकीय महाविद्यालय मंडी आदमपुर में हिंदी दिवस के उपलक्ष में हिंदी विभाग के तत्वाधान में निबंध वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य आत्मप्रकाश ने शिरकत की। हिंदी विभाग की अध्यक्ष पूजा रानी अल्हान ने प्रतियोगिता की अध्यक्षता करते हुए बताया कि हिंदी हमारी मातृभाषा है। हमें इसका प्रयोग करने में बिल्कुल भी हीन भावना से ग्रस्त नहीं होना चाहिए। एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। हिंदी भारतवर्ष के माथे की बिंदी है, उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र प्रदान करते हुए कहा कि सफलता के लिए कोई भी तुच्छ तरीका नहीं अपनाना चाहिए। मेहनत और लगन से ही सफलता को अर्जित किया जा सकता है। कार्यवाहक प्राचार्य आत्मप्रकाश ने हिंदी दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी भारत का गौरव है। हमें ज्यादा से ज्यादा हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। निबंध वाचन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा हिंदी की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता विषय पर अपने-अपने विचार रखें। इस प्रतियोगिता में मंच संचालन श्रीमती सुनील कुमारी ने किया, जबकि निर्णायक मंडल की भूमिका संगणक विभाग के प्रोफेसर विनोद प्रकाश, गृह विज्ञान विभाग से डॉ. पिंकी व गणित विभाग से प्रो. सुमन जस्ता ने निभाई। इस निबंध वाचन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एमए अंतिम वर्ष की छात्रा शिक्षा, द्वितीय स्थान बबीता बीए प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान दीक्षा बीए अंतिम वर्ष ने हासिल किया।

हिंदी भाषा हमारी संस्कृति व संस्कारों की पहचान : कुलपति प्रो. सिंह

सोनीपत (हिंस)। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलपति प्रो. एसपी सिंह ने कहा कि हिंदी भाषा भारत देश की एकता व विविधता का प्रतीक है। हिंदी हमारी राजभाषा है, जिसने हमें पूरे विश्व में एक अलग पहचान दी है। हिंदी भाषा हमारी संस्कृति व संस्कारों की पहचान है। हिंदी भाषा देश भक्ति, संस्कृति व समृद्धि का भी प्रतीक है। वे हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि सभी को अपनी भाषा पर गर्व होता है। जापान में रहने वाले जापानी बोलते हैं, हमारे देश के लोग हिंदी बोलते हैं। विश्व के 170 विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जाती है। विश्व के 20 से अधिक देशों में हिंदी भाषा बोली जाती है। हिंदी हमारी मातृभाषा, हमारी आत्मा है व आमजन की भाषा है। कुलसचिव प्रो. सुरेश कुमार ने कहा कि आम जन की भाषा हिंदी है। अधिकतर समाचार चैनल हिंदी के हैं। हमें हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। हमारे शोध पत्र हिंदी में होने चाहिए। चीन के शोध पत्र उनकी भाषा में हैं। शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. आरसी नौटियाल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. सुखदीप सिंह, लड़कों के चीफ हॉस्टल वार्डन प्रो. विजय शर्मा, केमिस्ट्री विभागाध्यक्ष प्रो. सुमन लता इलैक्ट्रिकल विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दहिया, प्रो. इंचार्ज छोटू राम चेयर प्रो. सुमन सांगवान आदि उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने हसनपुर आरोही मॉडल स्कूल पर ताला जड़ की नारेबाजी

जींद (हिंस)। गांव हसनपुर स्थित आरोही मॉडल स्कूल की प्राचार्या के तबादले तथा अन्य मांगों को लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। इसकी अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि कप्तान सिंह ने की। स्कूल के गेट पर ताला जड़ने की सूचना मिलते ही जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विजय लक्ष्मी तथा डीपीसी सुमित्रा मौके पर पहुंची। ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने स्कूल प्राचार्या के तबादला होने के अलावा अन्य मांगे पूरी होने तक स्कूल के गेट पर लगे ताले को खोलने से मना कर दिया। मौके पर पहुंची दोनों शिक्षा अधिकारियों ने पंचायत से सभी मांगे लिखित में देने की बात कहने के अलावा उनकी मांगों को पंचकूला स्थित उच्चाधिकारियों के यहां भेजे जाने का आश्वासन देकर ग्रामीणों को करीब पांच घंटे बाद स्कूल के मुख्य गेट पर लगे ताले को खोलने पर सहमत किया। ग्रामीणों का कहना था कि अगर उनकी सभी मांगों का जल्द समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण दोबारा से स्कूल के मुख्य गेट पर ताला जड़ने का काम करेगें। ग्रामीणों ने जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विजय लक्ष्मी तथा डीपीसी सुमित्रा को सौंपे मांग पत्र में कहा कि स्कूल प्राचार्या द्वारा काफी दिनों से गांव में पार्टीबाजी बनाई हुई। जिसके कारण स्कूल की पढ़ाई पर इसका विपरित असर पड़ रहा है। प्राचार्या ने पंचायत के अवगत करवाने के बाद भी स्कूल स्थित गर्ल्स हास्टल में पिछले दरवाजे से बाहर के लोगों को नौकरी पर लगाने का काम शुरू कर दिया है। जिसमें दो लोगों की ज्वाइन करने की बात भी सामने आ रही है। स्कूल में नौकरी लगाने तथा हटाने का काम प्राचार्या स्तर का नहीं होता है। इसके लिए पंचायत पंचकूला स्थित निदेशक से मिलकर अपनी बात रख सकती है। स्कूल शुरू से ही पढ़ाई के मामले में टाप पर रहा है और पंचायत का अधिकार है कि वह प्राचार्या का तबादला करवाए या नहीं। वह शुरू से ही पंचायत तथा बड़ों का आदर करती आई है। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विजय लक्ष्मी ने बताया कि पंचायत ने स्कूल में प्राचार्या की तबादले तथा अन्य मांगों को लेकर मांग पत्र सौंपा है।

भारत से 15.76 हजार करोड़ के ऑटो पार्ट्स खरीदेगी टेस्ला : केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल बोले- 8.29 हजार करोड़ के पार्ट्स खरीद चुकी है कंपनी

नई दिल्ली।

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने इस साल भारत से 1.7 से 1.9 बिलियन डॉलर (करीब 14.10 हजार करोड़-15.76 हजार करोड़) के ऑटो पार्ट्स खरीदने का लक्ष्य रखा है। इस बात की जानकारी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 63वें ऑटोमोबाइल कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एनुअल सेशन में संबोधित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि टेस्ला पहले ही भारत से 1 बिलियन डॉलर (करीब 8.29 हजार करोड़) के पार्ट्स खरीद चुकी है। मेरे पास उन कंपनियों की एक लिस्ट है जिन्होंने टेस्ला को आपूर्ति की। पिछले साल के मुकाबले इस साल टेस्ला अपने इंपोर्ट को डबल करने जा रही है। गोयल ने कहा कि 2030 तक कस्टमर्स के लिए ईवी खरीदने के लिए एक बाइंडिंग इकोनॉमिक स्ट्रक्चर होगा।

भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाना चाहती है टेस्ला - टेस्ला भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करना चाहती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार टेस्ला के अधिकारियों की 17 मई को भारत सरकार के अधिकारियों के साथ मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में कंपनी ने भारत में इलेक्ट्रिक कार बनाने के लिए एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने की इच्छा जताई थी। अधिकारियों ने टेस्ला टीम से कहा था कि सरकार डोमेस्टिक वेंडर बेस स्टेब्लिश करने के लिए समय देने को तैयार है, लेकिन टेस्ला को इसके लिए एक कंफर्म टाइम स्लॉट बताना होगा।

पिछले साल टेस्ला और सरकार के बीच नहीं बनी थी बात – पिछले साल टेस्ला ने भारत आने की इच्छा जताई थी, लेकिन तब कंपनी और सरकार के बीच बात नहीं बन पाई थी। टेस्ला ने सरकार से पूरी तरह से असेंबल गाड़ियों पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी को 100 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत करने की मांग की थी। कंपनी चाहती थी कि उसकी गाड़ियों को लग्जरी नहीं बल्कि इलेक्ट्रिक व्हीकल माना जाए, लेकिन सरकार ने कहा था कि दूसरे देशों से इंपोर्ट किए जाने वाले किसी भी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर इंपोर्ट ड्यूटी माफ या कम करने का कोई भी इरादा नहीं है। सरकार ने कहा था कि अगर टेस्ला भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने का कमिटमेंट करती है तो इंपोर्ट पर छूट देने पर विचार किया जाएगा। हालांकि, मस्क चाहते थे कि पहले भारत में कारों की बिक्री की जाए, इसके बाद प्लांट लगाने का विचार किया जाएगा। 27 मई 2022 को भी एक ट्वीट में रिप्लाई करते हुए एलन मस्क ने कहा था, टेस्ला ऐसे किसी लोकेशन पर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट नहीं लगाएगी।

न्यूज ब्रीफ

लगातार पांचवें महीने थोक महंगाई निगेटिव रही: अगस्त में -1.36 प्रतिशत से बढ़कर -0.52 प्रतिशत हुई, लेकिन खाने-पीने के सामानों की कीमतें घटी

नई दिल्ली। अगस्त महीने में थोक महंगाई बढ़कर -0.52 प्रतिशत पर पहुंच गई है। जुलाई महीने में ये -1.36 प्रतिशतरही थी। ये लगातार पांचवां महीना है जब थोक महंगाई निगेटिव रही है। यानी शून्य से नीचे रही है। वहीं अगस्त में खाने पीने की चीजें सस्ती हुई हैं, खाद्य महंगाई 7.75 प्रतिशत से घटकर 5.62 प्रतिशत हो गई है। अगस्त में खाद्य महंगाई दर जुलाई के मुकाबले 7.75 प्रतिशत से घटकर 5.62 प्रतिशत रही है। रोजाना जरूरत के सामानों की महंगाई दर 7.57 से घटकर 6.34 प्रतिशत रही है। ईंधन और बिजली की थोक महंगाई दर -12.79 प्रतिशत से बढ़कर -6.03 प्रतिशत रही है। मेन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई दर -2.51 प्रतिशत से बढ़कर -2.37 प्रतिशत रही है। सब्जियों की महंगाई दर 62.12 प्रतिशत से घटकर 48.39 प्रतिशत रही है। डब्लूपीआई का आम आदमी पर असर थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्लूपीआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्लूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। निगेटिव मंहगाई से भी प्रभावित होती है इकोनॉमी महंगाई का निगेटिव में रहना भी इकोनॉमी पर प्रभाव डालता है। इसे डिफ्लेशन कहा जाता है। निगेटिव महंगाई तब होती है वस्तुओं की आपूर्ति उन वस्तुओं की मांग से ज्यादा हो जाती है। इससे दाम गिर जाते हैं और कंपनियों का प्रॉफिट घट जाता है। प्रॉफिट घटता है तो कंपनियां वर्कर्स को निकलाती हैं और अपने कुछ प्लांट या स्टोर भी बंद कर देती हैं। महंगाई कैसे मापी जाती है भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल, यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। ये कीमतें थोक में किए गए सौदों से जुड़ी होती हैं। दोनों तरह की महंगाई को मापने के लिए अलग-अलग आइटम को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75 प्रतिशत, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 20.02 प्रतिशत और फ्यूल एंड पावर 14.23 प्रतिशत होती है।

भारत ने 76 प्रतिशत तक घटाया चीन से सोलर मॉड्यूल का आयात, घरेलू स्तर पर बढ़ा विनिर्माण

नई दिल्ली। वैश्विक रुख से हटकर भारत ने 2023 की पहली छमाही के दौरान चीन से सौर मॉड्यूल आयात में 76 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है जो सौर विनिर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के दृढ़ बदलाव को दर्शाता है। वैश्विक ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर की रिपोर्ट में कहा गया है कि साल-दर-साल, चीन से भारत का सौर मॉड्यूल आयात 2022 की पहली छमाही में 9.8 गीगावॉट से घटकर 2023 में इसी अवधि के दौरान केवल 2.3 गीगावॉट रह गया। टैरिफ लगाने के साथ यह रणनीतिक बदलाव, आयात पर निर्भरता को कम करने और अपनी घरेलू विनिर्माण क्षमता के विकास को प्राथमिकता देने के लिए भारत के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करता है। एम्बर में इंडिया इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी एनालिस्ट नेश्विन रॉड्रिग्स ने कहा, सोलर मॉड्यूल आयात के लिए चीन पर भारत की निर्भरता 2022 के बाद संतोषजनक है और यह वास्तव में कम हो रही है। नीतिगत हस्तक्षेपों की मदद से घरेलू विनिर्माण गति पकड़ रहा है। चूंकि भारत सौर विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के करीब है, इसलिए चीनी मॉड्यूल और सेल पर निर्भरता अब कोई बाधा नहीं है। अब महत्वपूर्ण यह है कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक सक्षम नीतिगत वातावरण बनाया जाए कि सौर प्रतिष्ठान राष्टीय विद्युत योजना के साथ तालमेल बनाए रखें। अप्रैल 2022 से आयात हुए सौर माड्यूल पर लग रहा 40 प्रतिशत सीमा शुल्क भारत ने आयात में कटौती और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए अप्रैल 2022 से सौर मॉड्यूल पर 40 प्रतिशत और सौर सेल पर 25 प्रतिशत का सीमा शुल्क लगाना शुरू कर दिया था।

होम लोन चुकाया तो कंपनी 30 दिन में लौटाएगी दस्तावेज

टाला तो कस्टमर को रोजाना 5000 हर्जाना देना होगा, आरबीआई का निर्देश

नई दिल्ली।

अब होम लोन चुकाने के बाद बैंक और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस को 30 दिन के अंदर ग्राहकों को प्रॉपर्टी के डॉक्यूमेंट्स वापस लौटाने होंगे। ऐसा न करने पर ग्राहक को 5000 रुपए प्रतिदिन मुआवजे के रूप में देना होगा।

रिजर्व बैंक ने एक सर्कुलर जारी कर इसकी जानकारी दी। नए निर्देश बैंक, हाउसिंग फाइनेंस इंस्टीट्यूशन, एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी, रीजनल बैंक और कोऑपरेटिव बैंक पर लागू होंगे।

आमतौर पर लोन के बदले में बैंक कोलैटरल के तौर पर प्रॉपर्टी के ओरिजिनल डॉक्यूमेंट रख लेते हैं। जून में एक आरबीआई कमेटी ने कहा था कि अगर कर्जधारकों के ओरिजिनल पेपर्स बैंक खो देते हैं, तो उन्हें मुआवजे के साथ-साथ पेनल्टी भी देनी होगी।

अब स्थानीय भाषा में होंगे लोन एग्रीमेंट

हाल ही में रिजर्व बैंक ने लोन को लेकर बैंकों को नए दिशानिर्देश जारी किए थे। इसमें बताया था कि अब ग्राहक की अपनी भाषा में लोन एग्रीमेंट होगा। उसमें बैंकों को पेनल्टी और लेट फीस (विलंब शुल्क) के नियम बोल्ड अक्षरों में लिखने पड़ेंगे। ये नियम अगले साल 1 जनवरी से लागू होंगे।

ये चार बदलाव जानना जरूरी

ग्राहक की अपनी भाषा में लोन एग्रीमेंट होगा। ऐसा करते समय बैंक लेट पेमेंट पर पेनल्टी और विलंब शुल्क बोल्ड अक्षरों में लिखेंगे। हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां होम लोन ले रहे ग्राहक को बताएंगी कि लोन समय पर डिस्बर्स न होने पर कितनी फीस वापस मिलेगी। यदि लोन फ्लोटिंग से फिक्स पर ले जाना हो तो कितनी फीस लगेगी। समय से पहले पेमेंट को लेकर भी स्थिति स्पष्ट करनी होगी।

हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां स्थानीय भाषा में ग्राहक को सेंक्शन लेटर जारी करेंगी। इसमें सालाना ब्याज दर तय करने की प्रक्रिया और ईएमआई के ढांचे के बारे में समझ में आने लायक जानकारी देनी होगी।

होम लोन ग्राहकों को ब्याज दर सालाना आधार पर बतानी होगी, ताकि ग्राहक जान सके कि वह साल में कितना ब्याज दे रहा है। इससे पहले पीनल चार्ज की भी जानकारी देनी होती थी, जो अभी जरूरी नहीं है।

पेनल्टी के लिए बनेगा बोर्ड

पेनल्टी या कर्ज पर शुल्क तय करने की एक सर्वमान्य प्रक्रिया अपनाई जाएगी। बोर्ड का गठन होगा। वह जो तय करेगा, सभी को मानना होगा।

पेनल्टी की दर तय होगी। स्पष्ट करना होगा कि ग्राहक ने पहले बताई गई किन शर्तों का उल्लंघन किया है। इन्हें लागू करने में किसी भी ग्राहक के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा।

फाइनेंशियल कंपनियों की सेल्स टीम को लोन देने से पहले शर्तों और पेनल्टी के बारे में विस्तार से बताना होगा। दरें साइट पर डिस्प्ले करनी होंगी।

ईएमआई का भुगतान न करने पर ग्राहकों को जो रिमाइंडर मैसेज भेजे जाते हैं, उसमें लगने वाली पेनल्टी के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।

पर्सनल लोन लेने वाले को बिजनेस और दूसरी जरूरतों के लिए स्वीकृत लोन चुकाने में देरी पर नियमों से ज्यादा पेनल्टी नहीं लगाई जा सकेगी।

होम लोन क्या है

अगर आपके पास घर लेने के लिए रकम नहीं है। तब बैंकिंग और नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी लंबे समय के लिए कर्ज देती है। इसे इंटरेस्ट रेट पर लिया जाता है। जिसे ईएमआई यानी मंथली इंस्टॉलमेंट में एक निश्चित समय के अंदर चुकाना होता है।

अर्टिगा कार ने दर्ज की रिकॉर्डतोड़ सेल, 7 सीटर कारों की अच्छी डिमांड

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी अर्टिगा और एक्सएल6 सेल करती है। ये दोनों ही कारें इंडिया में खूब पसंद की जाती है। खासतौर पर अर्टिगा को ग्राहकों का खूब प्यार कई सालों से मिल रहा है।

इसके अलावा किआ केरेन्स ने भी कुछ वक्त पहले इस सेगमेंट में एंट्री की है और अर्टिगा को कड़ी टक्कर दे रही है। यहां हम आपको अगस्त में सेल हुई 7 सीटर्स के बारे में जानकारी दे रहे हैं कि कौन सी कार सेल्स चार्ट में किस नंबर पर रही। अगस्त में सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर मारुति सुजुकी अर्टिगा रही। इस एमपीवी की 12 से ज्यादा यूनिट्स पिछले महीने सेल हुई। इस 7 सीटर को टक्कर मिली महिंद्रा की स्कॉर्पियो से। स्कॉर्पियो की 9,898 यूनिट्स पिछले महीने बिकी। यानी दोनों कारों के बीच में सेल अंतर लगभग ढाई हजार यूनिट्स का था। इससे आप अर्टिगा की लोकप्रियता का अंदाजा लगा सकते हैं। इस लिस्ट में सबसे नीचे रही हुंडई अल्कजार जिसकी सिर्फ 1,493 यूनिट्स सेल हुई। टॉप 10 कारों में मारुति की 2, महिंद्रा की 3, टोयोटा की 2, एक कार रेनो की और एक हुंडई की रही।

आने वाले समय में कुछ नई सीटर्स मॉडल्स एक एंट्री इस सेगमेंट में होने वाली है जिससे कॉम्पिटिशन तेज होने की उम्मीद है। बता दें कि इंडिया में 7 सीटर कारों की अच्छी डिमांड है। इस सेगमेंट के लिए यहां के मार्केट में काफी बड़ा कस्टमर बेस मौजूद है। हालांकि, बीते कुछ समय में इस 7 सीटर्स की डिमांड में काफी बढ़ोतरी हुई है। यही कारण है कि कई नई कंपनियां भी इस सेगमेंट में अपने मॉडल्स ला रही हैं।

बर्थ सर्टिफिकेट से होंगे ड्राइविंग लाइसेंस-आधार बनवाने जैसे काम : 1 अक्टूबर से लागू होगा नया नियम, मानसून सत्र में पास हुआ था बिल

नई दिल्ली।

एक अक्टूबर से डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में बर्थ सर्टिफिकेट की अहमियत बढ़ने वाली है। नए नियम के तहत बर्थ सर्टिफिकेट का इस्तेमाल स्कूल में एडमिशन, ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने, वोटर आईडी, विवाह पंजीकरण, सरकारी रोजगार, पासपोर्ट और आधार बनवाने सहित कई जगहों पर सिंगल डॉक्यूमेंट के तौर पर किया जा सकेगा।

जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल 2023 मानसून सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया था। इसे राष्ट्रपति से भी सहमति मिल चुकी थी। एक अक्टूबर से इसे लागू किया जा रहा है।

नया कानून रजिस्टर्ड बर्थ-डेथ का नेशनल और स्टेट लेवल डेटा बेस बनाने में भी मदद करेगा। इससे पब्लिक सर्विसेज बेहतर तरीके से डिलीवर की जा सकेंगीं। ये नया नियम 1 अक्टूबर या इसके बाद बनने वाले बर्थ सर्टिफिकेट पर लागू होगा।

बर्थ और डेथ का डिजिटल सर्टिफिकेट मिल सकेगा – कानून लागू होने से सबसे बड़ा बदलाव यह होगा कि बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट डिजिटल रूप से भी मिल पाएगा। अभी इसकी हार्ड कॉपी ही मिल पाती है। इसके लिए भी कई-कई दिनों तक दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं।

क्या बर्थ-डेथ सर्टिफिकेट का इस्तेमाल आधार कार्ड की तरह ही होगा – अभी तक आधार को हर जगह पहचान पत्र की तरह यूज किया जाता है। इसे अपने दूसरे डॉक्यूमेंट और अकाउंट से लिंक कराने की जरूरत पड़ती है। उसी तरह ये बर्थ-डेथ सर्टिफिकेट होगा, जो कि बर्थ और डेथ प्रूफ के लिए हर जगह पर सर्वमान्य पहचान पत्र की तरह काम करेगा।

गूगल में फिर छंटनी! पैतृक कंपनी अल्फाबेट ने बाहर किए सैकड़ों कर्मचारी

नई दिल्ली।

गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट अपनी वैश्विक भर्ती टीम से एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी कर रही है। बीते कुछ समय से प्रौद्योगिकी दिग्गज ने नियुक्तियों की गति को लगातार धीमा करना जारी रखा है हालांकि रिपोर्ट्स के अनुसार हालिया कुछ सौ कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का कंपनी का हालिया निर्णय व्यापक पैमाने पर हुई छंटनी का हिस्सा नहीं है। कंपनी महत्वपूर्ण भूमिकाओं को भर्ती करने के लिए टीम के एक महत्वपूर्ण हिस्से को बनाए रखेगा। यह श्रमिकों को कंपनी के भीतर और अन्य जगहों पर भूमिकाओं की खोज करने में भी मदद करेगा। अल्फाबेट इस तिमाही में कर्मचारियों की छंटनी करने वाली पहली बिग टेक कंपनी है, इससे पहले मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी समकक्ष कंपनियों ने 2023 की शुरुआत में आक्रामक तरीके से अपनी टीम में कटौती की थी।

अल्फाबेट ने जनवरी में 12,000 लोगों को नौकरी से निकाला – कैलिफोर्निया स्थित अल्फाबेट ने जनवरी में लगभग 12,000 नौकरियों में कटौती की थी, जिससे उसके कर्मचारियों की संख्या में 6 प्रतिशत की कमी आई थी। रोजगार फर्म चैलेंजर, ग्रे एंड क्रिसमस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में छंटनी जुलाई से अगस्त में तीन गुना से अधिक और एक साल पहले की तुलना में लगभग चार गुना बढ़ गई। अर्थशास्त्रियों ने अनुमान लगाया था कि 8 सितंबर को समाप्त सप्ताह में बेरोजगारी में लगभग 9 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जो पिछले सात दिनों की अवधि में 13,000 कम होकर 2,16,000 पर पहुंच गई।

डेलॉय में भी जा सकती है 800 से अधिक लोगों की नौकरी – दुनिया की चार सबसे बड़ी अकाउंटेंसी फर्मों में से एक डेलॉय लागत में कटौती के लिए युनाईटेड किंगडम में बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी कर रहा है। मीडिया में दिए एक बयान में, डेलॉय ने पुष्टि की है कि कंपनी में कुछ भूमिकाओं में कटौती की जाएगी। छंटनी के हालिया प्रस्ताव के तहत कंपनी के कुल वर्कफोर्स 27000 में लगभग 3 प्रतिशत कटौती का अनुमान है।

जेट-एयरवेज फाउंडर नरेश गोयल की ज्यूडिशियल कस्टडी 14 दिन बढ़ी

पीएमएलए कोर्ट का आदेश, मनी लॉन्ड्रिंग केस में 1 सितंबर को हुई थी गिरफ्तारी

मुंबई।

मुंबई की पीएमएलए कोर्ट ने जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल की ज्यूडिशियल कस्टडी 14 दिन के लिए बढ़ा दी है। गोयल की ईडी कस्टडी खत्म होने वाली थी, जिससे पहले उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। मनी लॉन्ड्रिंग केस में 1 सितंबर को ईडी ने मुंबई ऑफिस में पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया था। उन पर 538 करोड़ रुपए के घोटाला का आरोप है। इसके पहले ईडी ने गोयल दो बार पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वो पेश नहीं हुए थे। पिछले साल नवंबर में केनरा बैंक ने नरेश गोयल, सहित अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत की थी। इस शिकायत के बाद मई 2023 में सीबीआई ने फ्रॉड केस दर्ज किया। बाद में ईडी ने भी मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया।

पूरा मामला समझें:

जेट को 848.86 करोड़ रुपए की क्रेडिट लिमिट और लोन दिए गए थे, जिसमें से 538.62 करोड़ रुपए बकाया हैं। ये अकाउंट 29 जुलाई 2021 में फ्रॉड घोषित किया गया था। सीबीआई ने 5 मई को गोयल के मुंबई स्थित ऑफिस सहित 7 ठिकानों की तलाशी ली थी। नरेश गोयल, अनीता गोयल और जेट एग्जीक्यूटिव गौरांग शेट्टी के घर पर भी छापे पड़ थे। सीबीआई की एफआईआर के आधार पर ईडी ने 19 जुलाई को मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया। तब ईडी ने भी गोयल और उनके साथियों के ठिकानों पर छापेमारी कर तलाशी ली थी।

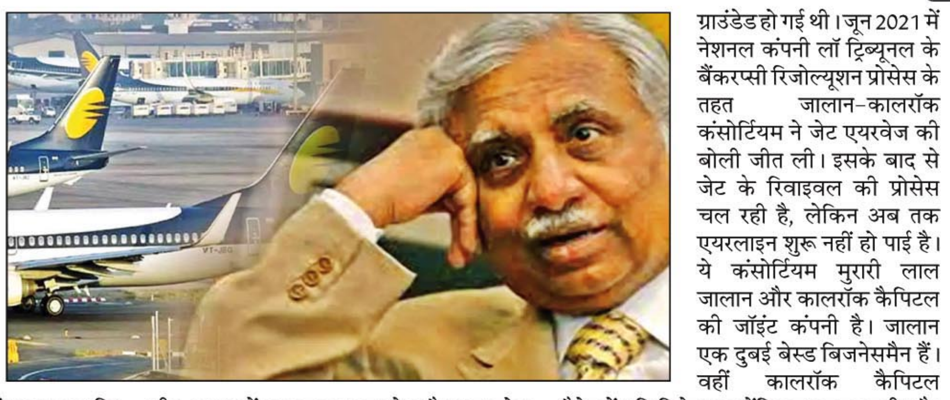

बैंक का आरोप- पैसों की हेराफेरी की गई – केनरा बैंक ने आरोप लगाया था कि जेट एयरवेज की फोरेंसिक ऑडिट में पाया गया कि जेट ने अपने से जुड़ी कपंनियों यानी रिलेटेड कंपनियों को 1,410.41 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। ऐसा कंपनी के अकाउंट से पैसा निकालने के लिए किया गया। गोयल परिवार के पर्सनल खर्चे - जैसे स्टाफ की सैलरी, फोन बिल और व्हीकल एक्सपेंस, सब जेट एयरवेज से ही होते थे। गोयल ने 1993 में जेट एयरवेज की स्थापना की थी। 2019 में एयरलाइन का चेयरमैन पद छोड़ दिया था।

अप्रैल 2019 से बंद है जेट एयरवेज – जेट एयरवेज एक समय भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट एयरलाइंस में से एक थी और एयरलाइन को साउथ एशियन नेशन की सबसे बड़ी प्राइवेट एयरलाइन का दर्जा हासिल था। फिर, कर्ज में दबे होने के कारण जेट एयरवेज 17 अप्रैल 2019 में ग्राउंडेड हो गई थी। जून 2021 में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के बैंकरप्सी रिजोल्यूशन प्रोसेस के तहत जालान-कालरॉक कंसोर्टियम ने जेट एयरवेज की बोली जीत ली। इसके बाद से जेट के रिवाइवल की प्रोसेस चल रही है, लेकिन अब तक एयरलाइन शुरू नहीं हो पाई है। ये कंसोर्टियम मुरारी लाल जालान और कालरॉक कैपिटल की जॉइंट कंपनी है। जालान एक दुबई बेस्ड बिजनेसमैन हैं। वहीं कालरॉक कैपिटल मैनेजमेंट लिमिटेड फाइनेंशियल एडवाइजरी और ऑल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट के क्षेत्र में काम करने वाली लंदन बेस्ड ग्लोबल फर्म है।

नरेश गोयल ने की थी जेट एयरवेज की शुरुआत – 1990 के दशक की शुरुआत में टिकटिंग एजेंट से एंटरप्रेन्योर बने नरेश गोयल ने जेट एयरवेज इंडिया लिमिटेड की शुरुआत कर लोगों को एअर इंडिया का ऑल्टरनेटिव दिया था। एक वक्त जेट के पास कुल 120 प्लेन थे और वो लीडिंग एयरलाइन में से एक हुआ करती थी। दि जॉय ऑफ फ्लाइंग टैग लाइन वाली कंपनी जब पीक पर थी तो हर रोज 650 फ्लाइट्स का ऑपरेशन करती थी। जब कंपनी बंद हुई तो उसके पास केवल 16 प्लेन रह गए थे। मार्च 2019 तक कंपनी का घाटा 5,535.75 करोड़ रुपए का हो चुका था।

मामा की ट्रैवल एजेंसी से शुरू किया था करियर – अप्रैल 2019 में 25 साल तक चलने के बाद जेट एयरवेज भारी कर्ज में डूबी, इसके बाद कंपनी बंद हो गई थी। नरेश गोयल इस कंपनी के संस्थापक थे। बचपन में ही नरेश गोयल के पिता का निधन हो गया। 11 साल की उम्र में परिवार पर आए आर्थिक संकट के कारण उन्हें घर नीलाम करना पड़ा। फिर वो अपनी मां के चाचा के साथ रहने लगे। नरेश ने 1967 में अपने मामा की ट्रैवल एजेंसी में कैशियर के रूप में करियर शुरू किया। उनकी पहली सैलरी 300 थी। ग्रेजुएशन के बाद, वह लेबनानी इंटरनेशनल एयरलाइंस के लिए जीएसए के साथ ट्रैवल बिजनेस में शामिल हो गए। और ट्रैवल एजेंसी चलाने लगे।

अभिनेत्री सोनम कपूर ने बताया अपने जीवन का सबसे खूबसूरत पल

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री सोनम कपूर ने बताया, जब उन्होंने अपने बच्चे को जन्म दिया था और वह उनकी गोद में वहां पल मेरी जिदंगी का सबसे खूबसूरत पल था। अपने जीवन के सबसे जादुई पल के बारे में बात करते हुए सोनम ने कहा कि जब मैंने अपने बच्चे को जन्म दिया और वह मेरी गोद में आया, तब यह मेरे लिए सबसे अच्छी चीजों में से एक था। मुझे पहली बार एक अलग खुशी और सुकून महसूस हुआ। मेरी नॉर्मल डिलीवरी हुई थी और यह सबसे अद्भुत मोमेंट्स था। मेरे पति मेरे बगल में थे और जिस डॉक्टर ने मुझे बच्चे को जन्म देने में मदद की, वह मेरी मां की करीबी दोस्त थी। मेरे आस-पास मेरे माता-पिता, मेरी बहन, मेरे ससुराल वाले मुझे प्यार करने वाले लोग थे। यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा पल था। जब आप एक बच्चे को जन्म देते हैं तो यह वास्तव में जीवन बदल देता है। अपनी गर्भावस्था के दौरान अपने आहार के बारे में साझा करते हुए, अभिनेत्री ने कहा कि लंदन में मेरे डॉक्टर ने मुझे हेल्दी डाइट खाने को कहा जो मूल रूप से भारतीय खाना है। इसलिए मैंने दाल, रोटी और भाजी खाई। अगर आप मांसाहारी हैं, तब आप चिकन, मछली और दही खा सकते हैं। इसलिए मैंने संतुलित आहार लिया, पैदल चली और थोड़ा व्यायाम किया। इससे मुझे सचमुच मदद मिली। मेरी प्रेग्नेंसी बहुत अच्छी रही क्योंकि मैंने इस आसान और सरल बनाए रखा।

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने पिता की स्मृति में अपने गांव के स्कूल में खोला पुस्तकालय

मुंबई (ईएमएस)। असाधारण अभिनय कौशल के लिए मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने अपने पिता की स्मृति में एक पुस्तकालय खोला है। यह पुस्तकालय उन्होंने अपने गांव के स्कूल में शुरू किया है। उन्होंने गोपालगंज के बेलसंड में हायर सेकेंडरी स्कूल में एक नई लाइब्रेरी का उद्घाटन करके शिक्षा और सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। यह पहल उनके दिवंगत पिता पंडित बनारस तिवारी की स्मृति को समर्पित है। बिहार के गोपालगंज के मूल निवासी पंकज त्रिपाठी पहले उस स्कूल का कायाकल्प करने के मिशन पर निकले थे जहाँ उन्होंने अपनी शिक्षा प्राप्त की थी। अपने बड़े भाई के साथ, उन्होंने पंडित बनारस तिवारी फाउंडेशन ट्रस्ट के माध्यम से यह प्रयास किया, जो उनके माता-पिता के सम्मान में स्थापित एक ट्रस्ट था। इस प्रोजेक्ट में स्कूल के बुनियादी ढांचे को सुधारने का काम शामिल था, जिसमें बिजली के उपकरण और परिसर के लिए पेंट का नया कोट शामिल था। विकास के प्रति पंकज त्रिपाठी के समर्पण के कारण पर्यावरण-अनुकूल सौर ऊर्जा पैनलों की स्थापना हुई, जिससे स्कूल की बिजली आपूर्ति और बिजली में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित हुई। इन सुधारों के अलावा, पंकज त्रिपाठी के साहित्य और पुस्तकों के प्रति गहन प्रेम ने उन्हें स्कूल परिसर के भीतर एक पुस्तकालय के निर्माण के लिए प्रेरित किया। यह पुस्तकालय अब ज्ञान के प्रतीक के रूप में खड़ा है, जो आने वाले वर्षों में छात्रों की पीढ़ियों को फायदा पहुंचाने के लिए तैयार है। लाइब्रेरी का उद्घाटन विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह पंकज त्रिपाठी के हाल ही में अपने प्रिय पिता को खोने के साथ मेल खाता है। अपने पिता की स्मृति का सम्मान करते हुए, पंकज ने स्कूल और उसके छात्रों को एक स्थायी उपहार प्रदान किया है, जिसमें सीखने और साहित्य के प्रति प्रेम को बढ़ावा दिया गया है जो समय के साथ कायम रहेगा।

फिल्म जवान में मुकेश छाबड़ा ने दी जबरदस्त कास्टिंग, खुद ने भी की एक्टिंग

मुंबई (ईएमएस)। शाहरुख खान स्टारर ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान में मुकेश छावड़ा की कास्टिंग की खूब चर्चा हो रही है। वहीं उन्होंने एक जगह एक्टिंग भी की है। उनका स्क्रीन पर यूं अचानक से आना कई लोगों के लिए सरप्राइजिंग था। इस गेस्ट अपीयरेंस पर रिएक्ट करते हुए मुकेश कहते हैं, मुझे एक्टर थोड़ी न बनना है। वो तो शाहरुख खान सर और फिल्म के डायरेक्टर एटली पीछे पड़ गए थे कि अरे तुम ही इस पार्ट को कर लो। बहुत मजा आएगा। बस उन्हीं के जोर देने पर मैं भी इस फिल्म में एक कैमियो के रूप में शामिल हो गया। यहां मैं हेल्थ मिनिस्टर के पीए के किरदार में दिख रहा हूं। शूटिंग के एक्सपीरियंस पर मुकेश आगे कहते हैं, देखो मैं शाहरुख सर का बहुत बड़ा फैन हूं। अपने पसंदीदा स्टार के सामने मैं एक्टिंग कर पा रहा हूं, इससे बड़ी बात मेरे लिए कुछ हो ही नहीं सकती है। अपने फेवरेट एक्टर के सामने परफॉर्म करने का अपना ही मजा होता है। मुझे लोगों ने यहां भी नोटिस कर लिया, ये देखकर मैं हैरान हूं। इससे पहले स्कैम 2003 में भी कैमियो किया था। उसे भी नोटिस किया गया।

मतलब यह तो ऐसा हुआ कि लोग अपने काम से ब्रेक लेकर हॉलीडे जाते हैं और मैं ब्रेक लेकर फिल्मों में कैमियो कर लेता हूं। इस फिल्म में मुकेश ने अपनी एक्टिंग के लिए भी पैसे लिए थे। जवाब में मुकेश कहते हैं, हंसते हुए आप सोचें, मेरे बचपन का सपना पूरा हो रहा था। जहां मुझे बादशाह के साथ परफॉर्म करने का मौका मिल रहा है, तो यहां फीस की गुंजाइश ही नहीं होती है। बल्कि उनका साथ और प्यार जो मिला, उससे बड़ी मेरे लिए कोई फीस नहीं थी। मुकेश कहते हैं, ऐसा नहीं है कि मैं केवल ऑडिशन लेने का ही काम करता हूं। बल्कि मैं सेट पर बतौर एक्टिंग कोच भी रहता हूं। कई ऐसे न्यूकमर एक्टर्स होते हैं, जिन्हें कंफर्टेबल होना होता है। मैं उनके साथ बकायदा जुड़कर उन्हें मदद करता हूं। इसके लिए भी कमर्शल फीस होती है। मैं एक्टिंग वर्कशॉप भी करवाता रहता हूं।

द ग्रेट इंडियन फैमिली का ट्रेलर जारी

बालीवुड फिल्म निर्देशक विजय कृष्ण आचार्य ने खुलासा किया है कि ट-ीजीआईएफ एक पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है जिसका उद्देश्य समुदाय को देखने का ऐसा अनुभव प्रदान करना है जैसा किसी अन्य फिल्म में नहीं है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका हैं! यह फिल्म 22 सितंबर को रिलीज होने वाली है। टीजीआईएफ भारत में परिवार के सदस्यों के एक-दूसरे के प्रति विशेष, अटूट बंधन के बारे में एक फिल्म है। मैं हमारे ट्रेलर पर लोगों की प्रतिक्रिया देखने के लिए उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि उन्हें यह पसंद आएगी और वे फिल्म से जुड़ेंगे और हमारी फिल्म के संदेश के बारे में बातचीत करेंगे। द ग्रेट इंडियन फैमिली में एक पावर-पैक टीम है जिसमें मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, सादिया सिद्दीकी, अलका अमीन, सृष्टि दीक्षित, भुवन अरोड़ा, आशुतोष उज्ज्वल, भारती पेरवानी जैसे अत्यधिक प्रशंसित कलाकार शामिल हैं। इसमें मानुषी छिल्लर भी हैं जो विक्की कौशल के साथ नजर आयेंगी।

बेयॉन्से के रेनेसां कॉन्सर्ट में पहुंची माधुरी दीक्षित, इंस्टाग्राम पर डालीं फोटो

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने हाल ही में बेयॉन्से के रेनेसां कॉन्सर्ट में शामिल हुईं। उन्होंने बेयॉन्से के साथ फोटो भी इंस्टाग्राम पर साझा की है। अभिनेत्री ने बेयॉन्से के प्रदर्शन पर थिरकते हुए अपनी कुछ तस्वीरें और एक वीडियो डाला हैं। पहली तस्वीर में उनके पति के साथ एक सेल्फी है और उसके बाद कॉन्सर्ट से गायिका बेयॉन्से की एक झलक है। इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव साझा करते हुए माधुरी ने कैप्शन में लिखा, दुनिया को कौन चलाता है? लड़कियों, क्वीन बे हमारी यात्रा का मुख्य आकर्षण थी। हमारे साथ अपना जादू साझा करने के लिए बेयॉन्से को धन्यवाद, इसे संभव बनाने के लिए अंजलीरवाल को धन्यवाद। जैसे ही माधुरी ने वीडियो साझा किया, प्रशंसकों ने तुरंत प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया। एक शख्स ने लिखा, यह बहुत मजेदार है कि उस स्टेडियम में मौजूद लोगों को पता ही नहीं था कि आप भारत में बेयॉन्से से भी बड़ी स्टार हैं। एक अन्य व्यक्ति ने टिप्पणी की, ओएमजी हां, एक स्टेडियम में दो आइकन। एक अन्य यूजर्स ने कहा, एक रानी, एक रानी को देख रही है, मुझे यह पसंद है। इससे पहले, माधुरी ने अपने दोनों बेटों के लिए एक भावनात्मक नोट साझा किया था क्योंकि वे उच्च अध्ययन के लिए घर छोड़ रहे थे। माधुरी दीक्षित ने अपने बेटों के साथ दो तस्वीरें साझा कीं। पहली छवि में, मां और बेटे पोज देते हुए अपनी मुस्कान बिखेर रहे हैं। गौरतलब है कि बेयॉन्से के रेनेसां कॉन्सर्ट में अब तक कई मशहूर हस्तियां शामिल हो चुकी हैं। हॉलीवुड स्टार टिमोथी चालमेट और काइली जेनर को हाल में इस कार्यक्रम में पीडीए में शामिल होते देखा गया, इस कॉन्सर्ट में टॉम हॉलैंड और जेंडाया भी शामिल हुए।

अनुपम ने जवान मूवी देखकर की शाहरुख की तारीफ

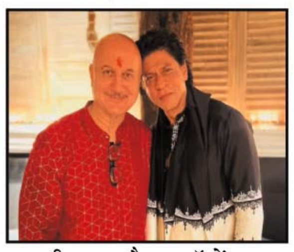

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने शाहरुख खान की हाल ही में रिलीज हुई जवान के लिए प्रशंसा की, जिसने दुनिया भर में बॉक्स-ऑफिस कलेक्शन में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। अनुपम और शाहरुख ने 1995 में दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) में स्क्रीन साझा की थी। उन्होंने फिल्म में शाहरुख के पिता धर्मवीर मल्होत्रा की भूमिका निभाई थी।वरिष्ठ अभिनेता ने सोशल मीडिया पर डीडीएलजे अंदाज में शाहरुख की सराहना की। शाहरुख के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा कर अनुपम ने एक नोट लिखा, मेरे प्यारे शाहरुख! अभी-अभी अमृतसर में ऑडियंस के साथ आपकी फिल्म जवान देख कर निकला हूं। मजा आ गया। एक्शन, पिक्चर का स्केल, आपकी अदा और परफॉरमेंस बहुत ही उम्दा है। एक दो जगह तब मैंने सिटी भी मार दी। फिल्म में हर किसी का काम बहुत पसंद आया। बता दें कि ये लाइनें फिल्म डीडीएलजे का डायलॉग है, जिसमें अनुपम पिता के रूप में बेटे शाहरुख के लिए बोलते हैं। एटली द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर में शाहरुख दोहरी भूमिका में हैं, उनके साथ नयनतारा, विजय सेतुपति, प्रियामणि और सान्या मल्होत्रा हैं।

पहली पत्नी रीना दत्ता के साथ आए नजर आमिर खान, वीडियो वायरल

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट अभिनेता आमिर खान और उनकी पहली पत्नी रीना दत्ता दोनों का कई साल पहले तलाक हो गया था, लेकिन दोनों एक दूसरे से मिलते हैं। हाल ही में आमिर और रीना को मुंबई में एक शॉप से निकलते हुए देखा गया। इतना ही नहीं, उन्होंने तस्वीरें ले रहे फोटोग्राफर्स को खुशी-खुशी पोज भी दिए। आमिर ने नीला कुर्ता और जींस पहनी थी, जबकि रीना ने बैंगनी रंग का कुर्ता और सफेद पैंट पहनी थी। दोनों ने मुस्कुराते हुए फोटो खिंचवाई और फिर एक ही कार में बैठकर निकल गए। इसी बीच आमिर और रीना का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। नेटिजन्स भी इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ ने कहा है कि दोनों साथ में बहुत अच्छे लगते हैं, तो कुछ ने कहा कि आमिर की दोनों पूर्व पत्नियों का हेयरस्टाइल एक जैसा है। इस बीच, पिछले महीने आमिर अपनी पूर्व पत्नियों रीना और किरण राव के साथ फिल्म निमार्ता मंसूर खान की किताब वनः द स्टोरी ऑफ अल्टीमेट मिथ के लॉन्च में शामिल हुए थे। इस मौके पर उनके बड़े बेटे जुनैद भी मौजूद थे। आमिर और रीना की शादी 1986 में हुई थी। उनका एक बेटा जुनैद और एक बेटी इरा है। 2002 में इस जोड़े का तलाक हो गया। बाद में आमिर की मुलाकात किरण राव से हुई और दोनों ने 2006 में शादी कर ली और उनका एक बेटा आजाद राव खान है।

नाना पाटेकर के साथ काम करने पर विवेक अग्निहोत्री ने बताया अपना अनुभव

फिल्म द वैक्सीन वॉर का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ। फिल्म में अभिनेता नाना पाटेकर और अभिनेत्री पल्लवी जोशी मुख्य भूमिका में हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद फिल्म के डायरेक्टर समेत लीड एक्टर्स ने मीडिया से बातचीत की। इस मौके पर नाना पाटेकर ने बॉलीवुड के मौजूदा हालात और फिल्मों पर टिप्पणी की। इसके साथ ही मीडिया से बातचीत करते हुए विवेक अग्निहोत्री और नाना पाटेकर ने पहली बार एक दूसरे के साथ काम करने के अनुभव पर भी कमेंट किया। नाना पाटेकर को फिल्म में कास्ट करते वक्त विवेक को कई लोगों ने नाना के गुस्सैल स्वभाव के बारे में भी बताया था, इतना ही नहीं बल्कि कुछ लोगों ने नाना को फिल्म में कास्ट करने को लेकर उनका मजाक भी उड़ाया था। इस बारे में बात करते हुए विवेक अग्निहोत्री ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो कई लोगों ने मुझसे कहा कि फिल्म में नाना को नहीं बल्कि किसी और को कास्ट किया जाए। कई लोगों ने कहा था कि अगर उनकी मर्जी के खिलाफ कुछ हुआ तो आपकी खैर नहीं।

जब मैंने पल्लवी से इस बारे में पूछा तो मुझे एहसास हुआ कि जब काम की बात आती है तो नाना उतने अच्छे कलाकार नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, नाना पुणे के पास खडकवासला के पास एक फार्म हाउस में रहते हैं, मैं वहां गया, नाना ने हमारे लिए अच्छा खाना बनाया था। इसके बाद मैंने बिना किसी हिचकिचाहट के नाना से फिल्म के लिए पूछा और कहा, मैं जानना चाहता हूं कि जो रोल मैंने लिखा है, क्या आप बिल्कुल वैसा ही निभाएंगे। मैं एक बात गर्व से कहना चाहूंगा कि नाना सेट पर एक नए बच्चे की तरह व्यवहार करते थे। स्क्रीन पर साफ दिख रहा है कि नाना ने इस रोल के लिए काफी मेहनत की है। फिल्म में नाना पाटेकर, पल्लवी जोशी, गिरिजा ओक, सप्तमी गौड़ा, राइमा सेन और अनुपम खेर मुख्य भूमिका में हैं। इस बीच एक्टर आर माधवन ने भी फिल्म की तारीफ की। भारत की पहली वैक्सीन विकसित करने वाले एक असाधारण वैज्ञानिक की यह असाधारण कहानी 28 सितंबर को स्क्रीन पर सामने आएगी।

प्रभास का राम अवतार लोगों को बेहद पसंद आया

साउथ के स्टार प्रभास के फैंस के लिए एक गुड न्यूज सामने आ रहीं है। भले ही आदिपुरुष फ्लॉप रही हो लेकिन एक्टर का राम अवतार लोगों को बेहद पसंद आया। खबरों की माने तो एक्टर के हाथ एक नया और बड़ा प्रोजेक्ट लगा है, जिसमें प्रभास भगवान शिव के अवतार में नजर आएंगे। विष्णु मांचू ने प्रभास की नई फिल्म का ऐलान किया है, जिसका नाम है कनप्पा। उन्होंने ट्विटर पर ये जानकारी दी है। विष्णु मांचू ने हर हर महादेव लिखकर इन खबरों को कंफर्म कर दिया है।बता दें कि प्रभास साउथ और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के पसंदिदा एक्टर्स में से एक हैं। हाल ही में प्रभास और कृती की आदिपुरुष ने कई सुर्खियां बटोरी थी। फिल्म अपने डायलॉग के कारण काफी चर्चा में भी रही जिसके चलते फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी कोई खास कमाल नहीं दिखाया। बाहुबली और बाहुबली 2 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद साउथ एक्टर प्रभास की बैक-टू-बैक तीन फिल्में साहो, राधे श्याम और आदिपुरुष फ्लॉप रहीं। अब ऐसे में एक्टर को इंतजार है तो एक सुपरहिट फिल्म का।

रेखा ने सबके सामने पैपराजी को मारा थप्पड़, वीडियो वायरल

सदाबहार अभिनेत्री रेखा के अनगिनत प्रशंसक हैं। हाल ही में रेखा को मुंबई में पैपराजी ने कैमरे में कैद किया। तस्वीर लेने गए एक फैन के साथ रेखा की उस हरकत का वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें पैपराजी को फोटो लेने के बाद रेखा उनके गाल पर प्यार से थप्पड़ मारती हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो में जब रेखा किसी इवेंट से निकलती हैं, तो पैपराजी फोटो और वीडियो लेने के लिए उमड़ पड़ते हैं। इसी बीच एक फैन उनके साथ फोटो क्लिक कराने आ जाता है। तभी पैपराजी को फोटो लेने के बाद रेखा उनके गाल पर प्यार से थप्पड़ मारती हैं। बीती रात मुंबई में ग्लोबल स्पा अवॉर्ड्स का आयोजन किया गया। अवॉर्ड फंक्शन में रेखा, जरीन खान, वाणी कपूर, मानुषी छिल्लर और रणदीप हुडा समेत कई कलाकार शामिल हुए। इस इवेंट में रेखा ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। ग्रे ड्रेस में रेखा बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

सूडोकु नवताल- 6553

★★★✬✩ मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6552 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्दजाल - 7300

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	उ	न	र	क
गो	ड	म	द	र	वा	जी	म	इ	अ	ल
आ	प	दे	पू	ह	जी	व	रा	का	व	दि
ए	ची	तं	श	ट	ज	प	व	पा	ता	र
क	त	ई	ग	में	व	खें	जा	भा	र	इ
आ	मे	म	दे	दे	व	ता	न	ई	न	ति
द	जं	न्स	मे	प	क	ता	या	ज्वा	है	हा
मी	म	क	ए	सं	र	प	र	ला	म	स
ले	बो	र्न	य	त	चि	व	री	मु	न	क्स
त	ह	म	पां	च	बा	त्र	रि	खी	म	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	श	त	स

शब्दजाल में शबाना आजमी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

उमराव जान, गोडमदर, पतंग, इतिहास, एक आदमी, हम पांच, ज्वालामुखी, अवतार, देवता, परवरिश

शब्दजाल - 7299 का हल

अ	म	मा	वी	र	जा	रा	न	ह	क	र
हा	शो	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	ग	ज
य	वी	का	द	डॅ	ल	त	र	जी	ल	टी.
श	र	दा	ज	ल	न	न	बा	र	सु	को
बॉ	दे	न	ष	ल	म	मी	छ	बा	नो	य
स	मी	व	स	जि	स्वा	क	प	द	स	ला
के	ह	बु	दा	टी	म	मी	टे	शा	रू	प
न	पू	सु	पा	स	पं.	सौ	ल	ह	र	स
प	र	दे	स	ह	प	ने	ने	व	जी	त
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	थ
म	ह	न	मो	ह	ब्ब	ते	न	ज	ल	वा

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6253

4	3	2			1	
5	29		37		31	3
	3		7	5		
3	27	6	41		33	2
		3			5	4
	29		27	4	30	1
7	4		2			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6252 का हल

7	5	2	3	6	4	1
6	34	7	28	1	34	6
2	4	1	5	3	6	7
1	21	5	29	4	36	2
4	1	3	6	2	7	5
3	27	6	39	5	35	4
5	1	4	6	7	2	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

सुनील छेत्री

एशियन गेम्स के लिए भारतीय मेंस फुटबॉल टीम का ऐलान : अंडर-23 टीम के साथ जाएंगे सुनील छेत्री, झिंगन और गोलकीपर गुरप्रीत को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली ।
चीन के हांगझू में इसी महीने होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय मेंस फुटबॉल टीम का ऐलान हो गया है। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने 18 सदस्यीय मेंस टीम की घोषणा की।

एशियन गेम्स में फुटबॉल की -23 टीमों के मुकाबले ही होंगे। जिसमें सभी टीमों के 3 ही सीनियर खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। इससे पहले जब 1 अगस्त को 22 सदस्यीय भारतीय टीम शॉर्टलिस्ट हुई तब 3 सीनियर खिलाड़ी शामिल थे। सीनियर खिलाड़ियों में संदेश झिंगन, गुरप्रीत सिंह संधू और सुनील छेत्री थे, लेकिन अब केवल छेत्री को जगह मिली है।

भारत ग्रुप ए में मेजबान के साथ

टूर्नामेंट में 23 टीमें हैं, जिन्हें छह ग्रुप में बांटा गया है, ग्रुप ए, बी, सी, ई और एफ में प्रत्येक में चार टीमें हैं, जबकि ग्रुप डी में तीन टीमें हैं। भारत की मेंस टीम को ग्रुप ए में मेजबान चीन, बांग्लादेश और म्यांमार के साथ रखा गया है।

1970 से फुटबॉल में मेडल नहीं जीत सका भारत

एशियन गेम्स इसी साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर के बीच चीन के हांगझू में होंगे। भारत ने एशियन गेम्स (1951 और 1962) में 2 गोल्ड मेडल जीते हैं। टीम 1970 में एक ब्रॉन्ज मेडल भी जीत चुकी है।

एसएएफएफ चैंपियनशिप जीती, टॉप 100 में भी आए

क्रोएशियाई कोच इगोर स्टिमैक के नेतृत्व में नेशनल टीम ने एसएएफएफ चैंपियनशिप जीतकर एक बार फिर फीफा रैंकिंग में टॉप-100 क्लब में प्रवेश किया है।

सरकार ने दी विशेष अनुमति

भारतीय मेंस और विमेंस फुटबॉल टीम को एशियाड के लिए भारत सरकार ने विशेष अनुमति दी है। भारतीय टीम को 2018 के एशियाड में खेलने की अनुमति नहीं मिली थी। खेल मंत्रालय का नियम कहता है कि टीम इवेंट में केवल एशिया टॉप -8 रैंक में शामिल टीमों को ही जाने की अनुमति मिलेगी। आखिरी बार टीम ने 2014 के एशियाड में हिस्सा लिया था।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीमः गुरमीत सिंह, धीरज सिंह, सुमित राठी, नरेंद्र गहलोत, अमरजीत सिंह कियाम, सैमुअल जेम्स, राहुल केपी, अब्दुल रबीह, आयुष देव छेत्री, ब्रायस मिरांडा, अजफर नूरानी, रहीम अली, विंसी बरेटो, सुनील छेत्री, रोहित दानू, गुरकीरत सिंह और अनिकेत जाधव।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय टीम के पास नंबर एक पर आने का अवसर

नई दिल्ली । भारतीय टीम का एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अब तक का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। ऐसे में अब उसके लिए एकदिवसीय क्रिकेट में नंबर एक स्थान हासिल का अच्छा अवसर है। उसे अब एकदिवसीय में नंबर एक बनने के लिए बांग्लादेश पर जीत दर्ज करने के अलावा अन्य टीमों के परिणामों को देखना होगा। इसके लिए उन्हें श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया व दक्षिण अफ्रीका के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी। भारतीय टीम को सबसे पहले 15 सितंबर को बांग्लादेश पर जीत हासिल करनी होगी। अगर भारतीय टीम बांग्लादेश को हरा देती है तो नंबर वन बनने की ओर वह कदम बढ़ा देगी। इसके अलावा उन्हें एशिया कप का खिताब भी जीतना होगा हालांकि बांग्लादेशी के खिलाफ भारतीय टीम की जीत की पूरी संभावनाएं हैं। इसके अलावा भारतीय टीम को नंबर एक बनने के लिए अन्य टीमों के मुकाबलों पर भी निर्भर रहना होगा। एशिया कप में 14 सितंबर को पाक और श्रीलंका की टीमें खेलेंगे। दोनों टीमों के लिए यह मैच बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है हालांकि भारतीय फैंस यही चाहेंगे कि पाकिस्तान यह मैच हार जाए. क्योंकि अगर पाकिस्तान यह मैच जीतती है तो भारतीय टीम नंबर 1 पर नहीं आ सकेगी। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गयी ऑस्ट्रेलिया की टीम अभी 5 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से 2-1 से आगे है। ऐसे में अगर ऑस्ट्रेलिया की टीम बचे हुए 2 मुकाबले जीत जाती है तो टीम इंडिया का नंबर पर आना मुश्किल हो जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम में ट्रायॉन शामिल

जोहान्सबर्ग । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने अनुभवी महिला क्रिकेटर क्लो ट्रायॉन को 24 सितंबर से 15

अक्टूबर तक न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम में शामिल कर लिया है। इससे पहले ट्रायॉन छुट्टी के कारण दक्षिण अफ्रीका के पाक दौरे से हट गई थीं पर अब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की सीरीज से वापसी करेंगी। क्लो वोल्वार्ड्ट की कप्तानी वाली टीम में शामिल होने के लिए उपलब्ध हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम पाकिस्तान से टी20 सीरीज 3-0 से हार गयी थी हालांकि वह एकदिवसीय सीरीज जीतने में सफल रही। खिलाड़ियों को वातावरण के भीतर विकसित होने की अनुमति देने के लिए टीम की निरंतरता बनाए रखना अहम है। हम क्लो ट्रायॉन को वापस क्षेत्र में पाकर बहुत खुश हैं और यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि वह अपने ऑलराउंड गुणों के साथ टीम को और कैसे बेहतर बनाएगी। हम आगे बढ़ते हैं। न्यूज़ीलैंड सीरीज़ अपने शीर्ष पर है और हम इस लय को घरेलू दौरे पर भी बरकरार रखना चाहते हैं। वहीं क्लिंटन डु प्रीज़, चयनकर्ताओं की प्रोटियाज़ महिला संयोजक ने कहा,पाक के हालातों के अनुसार ढलना हमेशा बहुत कठिन रहा है। हालाँकि, मैं इस बात से खुश हूँ कि टीम ने टी20 में कैसे प्रतिस्पर्धा की, जहाँ वे गेम जीतने से रह गए। यह छोटे अंतर से बना रहा और कोई भी देख सकता है कि कैसे खिलाड़ियों ने अपनी कमियों से सीखा है और इसे एकदिवसीय प्रारूप में लाया है। इसमें कई सकारात्मक बातें हैं, और एक जो मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है वह है खिलाड़ियों का साझा व्यक्तिगत प्रदर्शन।

वेल्लालागे है श्रीलंकाई क्रिकेट का भविष्य : मलिंगा

कोलंबो । श्रीलंका के दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने युवा स्पिनर दुनिथ वेल्लालागे की जमकर

प्रशंसा करते हुए उसे टीम का भविष्य बताया है। मलिंगा के अनुसार इस क्रिकेटर से टीम को काफी उम्मीदें हैं। मलिंगा ने दुनिथ वेल्लालागे के एशिया कप में शानदार प्रदर्शन को लेकर कहा कि अगले एक दशक में वह श्रीलंकाई टीम का सबसे सफल गेंदबाज होगा। उन्होंने कहा कि दुनिथ अच्छी बल्लेबाज भी करने के कारण एक बेहतरीन ऑलराउंडर की जिम्मेदारी निभा सकता है। इस युवा क्रिकेटर ने अबतक केवल 13 एकदिवसीय मैचों में ही 13.58 की औसत से सबसे अधिक 17 विकेट लिए हैं। बाएं क्रिकेटर अगले महीने भारत में शुरू होने वाले आईसीसी एकदिवसीय पुरुष क्रिकेट विश्व कप में भी अहम भूमिका निभा सकता है। वेल्लालागे ने एशिया कप सुपर-4 चरण के एक मुकाबले में शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों को आउट कर सबको हैरान कर दिया था। उनके इस प्रदर्शन की कई क्रिकेटरों ने प्रशंसा की है। इस खिलाड़ी ने भारत के खिलाफ न केवल पांच विके लिए बल्कि नाबाद 42 रन बनाकर दिखाय कि वह निचले क्रम पर बल्लेबाजी भी संभाल सकते हैं।

बेन स्टोक्स ने बनाए रिकॉर्ड 182 रन

इंग्लैंड के वनडे इतिहास का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर ; न्यूजीलैंड को 181 रन से हराया

लंदन।
इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने से चूक गए। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ लंदन के द ओवल मैदान पर 182 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 15 चौके और 9 छक्के लगाए। यह इंग्लैंड के वनडे इतिहास का सबसे व्यक्तिगत स्कोर है। स्टोक्स से पहले जेसन रॉय ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2018 में 180 रन बनाए थे। लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। इंग्लैंड टीम पहले बैटिंग करते हुए 48.1 ओवर 368 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। न्यूजीलैंड से ट्रेंट बोल्ट ने 5 विकेट लिए। जवाब में न्यूजीलैंड टीम 187 रन बनाकर ढेर हो गई और 181 रन से मुकाबला गंवा दिया। 4 मैचों की सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। चौथा वनडे 15 सितंबर को खेला जाएगा।

इंग्लैंड के 6 में से 5 टॉप स्कोर 2015 के बाद बने- बेन स्टोक्स ने 182 रन बनाकर इंग्लैंड के लिए सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड खड़ा किया। उन्होंने जेसन रॉय का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 180 रन बनाए थे। इंग्लैंड के टॉप-6 में 5 स्कोर 2015 वनडे वर्ल्ड कप के बाद बने हैं। इस वर्ल्ड कप में इंग्लैंड टीम ग्रुप स्टेज में बांग्लादेश से हारने के बाद बाहर हो गई थी। टॉप-6 स्कोर में नंबर-4 पर मौजूद रॉबिन स्मिथ ने 1993 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 167* रन बनाए हैं।

टॉप वनडे स्कोर से बहुत पीछे रहे स्टोक्स - स्टोक्स अगर पूरे 50 ओवर तक बैटिंग करते तो इंग्लैंड के लिए दोहरा शतक भी लगा देते। वह ऐसा करने वाले इंग्लैंड के पहले और दुनिया के 9वें खिलाड़ी बनते। वनडे में अब तक 4 देशों के 8 खिलाड़ियों ने 10 डबल सेंचुरी लगाई हैं। भारत के रोहित शर्मा के नाम 3 दोहरे शतक हैं। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे। ये वनडे इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। रोहित के अलावा भारत से 4 और खिलाड़ियों ने भी वनडे में डबल सेंचुरी लगाने का कारनामा किया है। इनमें सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, शुभमन गिल

स्टोक्स
182 (124)
vs न्यूजीलैंड

और ईशान किशन शामिल हैं। दूसरे देशों में पाकिस्तान के फखर जमान (210* रन), वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (215 रन) और न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल (237* रन) ने भी वनडे में दोहरा शतक लगाने का कारनामा किया है।

तीसरे ही ओवर में बैटिंग पर आ गए बेन स्टोक्स - लंदन के द ओवल मैदान पर टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लैड ने 13 रन पर ही 2 विकेट गंवा दिए। ट्रेंट बोल्ट ने जॉनी बेयरस्टो (0 रन) और जो रूट (4 रन) को कैच आउट कराया। बेन स्टोक्स नंबर-4 पर बैटिंग करने उतरे। उन्होंने ओपनर डेविड मलान के साथ 199 रन की पार्टनरशिप की। डेविड मलान 95 बॉल पर 96 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच साझेदारी टूटी। मलान को भी बोल्ट ने ही पवेलियन भेजा।

बटलर के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की - मलान के विकेट के बाद स्टोक्स ने कप्तान जोस बटलर के साथ महज 46 गेंद पर 78 रन की पार्टनरशिप कर डाली। बटलर 24 गेंद पर 38 रन बनाकर ग्लेन फिलिप्स का शिकार हुए। इस साझेदारी में स्टोक्स ने 22 गेंद पर 38 रन बनाए। बटलर के बाद लियाम लिविंगस्टोन भी 11 रन बनाकर ही आउट हो गए। इस वक्त इंग्लैंड का स्कोर 5 विकेट पर 336 रन पहुंचा था।

इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ा स्कोर बनाया - दूसरे एंड से लगातार विकेट गिरने के बावजूद स्टोक्स ने अपनी आक्रामक पारी जारी रखी। उन्होंने 30वें ओवर से पहले ही अपनी सेंचुरी पूरी की और 40वें ओवर तक 150 रन का आंकड़ा भी पार कर लिया। 45वें ओवर में उन्होंने बेन लिस्टर की बॉल पर मिड-विकेट की दिशा में छक्का लगाया और इंग्लैंड के लिए सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड बना लिया। 182 रन बनाने की अगली ही बॉल पर स्टोक्स डीप स्क्वेयर लेग पर कैच आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके और 9 छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 146.77 का रहा।

बोल्ट ने 5, लिस्टर ने 3 विकेट लिए - इंग्लैंड की टीम 48.1 ओवर में 268 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। न्यूजीलैंड से ट्रेंट बोल्ट ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। वहीं बेन लिस्टर को 3 विकेट मिले। लॉकी फर्ग्यूसन और ग्लेन फिलिप्स को भी एक-एक विकेट मिला।

न्यूजीलैंड को मिली खराब शुरुआत - 369 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम ने 37 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। कप्तान टॉम लैथम 3, हेनरी निकोल्स 4, विल यंग 12 और डेवोन कॉन्वे 9 रन बनाकर आउट हो गए। 70 रन के स्कोर पर टीम ने डेरिल मिचेल (17 रन) का विकेट भी गंवा दिया।

ग्लेन फिलिप्स ने संभाला - शुरुआती 5 विकेट जल्दी गंवा देने के बाद ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड को संभाला। दोनों टीम का स्कोर 100 रन के पार ले गए। लेकिन 28 रन बनाकर रवींद्र मोईन अली का शिकार हो गए। फिलिप्स फिर भी एक एंड पर टिके रहे, उन्होंने अपनी फिफ्टी पूरी की और काइल जेमिसन के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली।

187 बनाकर ऑलआउट हुई टीम - जेमिसन 14 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद फिलिप्स भी लियाम लिविंगस्टोन की गेंद पर आउटहो गए। फिलिप्स ने 72 रन बनाए। 187 रन पर टीम ने सभी 10 विकेट गंवा दिए। ट्रेंट बोल्ट ने 2, बेन लिस्टर ने 4 और लॉकी फर्ग्यूसन ने 5 रन बनाए। इंग्लैंड से क्रिस वोक्स और लिविंगस्टोन को 3-3 विकेट मिले। रीस टॉप्ले को 2 सफलताएं मिलीं, जबकि सैम करन और मोईन अली के हाथों एक-एक विकेट लगा। 182 रन बनाने वाले इंग्लैंड के बेन स्टोक्स प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

एशियाड दल में 19 नए खिलाड़ी

पूजा वस्त्राकर क्रिकेट टीम में शामिल; घुड़सवारी टीम को लेकर विवाद

नई दिल्ली ।
हांगझोऊ एशियाई खेलों के दल से 19 चोटिल खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। उनके स्थान पर नए 19 खिलाड़ी शामिल किए गए हैं। महिला क्रिकेट टीम में अनुभवी मध्यम तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर को शामिल किया गया है। उन्हें पहले टीम में शामिल और अब चोटिल हो गई अंजलि सरवानी की जगह रखा गया है। वहीं, भारतीय घुड़सवारी महासंघ के अंतिम क्षणों में किए गए परिवर्तन की कीमत एक घुड़सवार को इन खेलों में नहीं भाग लेकर चुकानी होगी। यही नहीं महासंघ के चलते हांगझोऊ में पदक की दावेदार शोजंपिंग टीम ही रुक गई, लेकिन साई ने घुड़सवारों की गुहार के बाद टीम को एशियाड में भेजने का फैसला लिया।

छह फुटबॉलर बदले गए

इंडियन सुपर लीग शुरू होने के चलते फुटबॉलरों को एशियाड के लिए नहीं छोड़े जाने के विवादों से जूझ रही फुटबॉल टीम में भी छह खिलाड़ी बदले गए हैं। ये फुटबॉलर पुरुष और महिला टीम दोनों के हैं। क्रिकेट, तैराकी, वूशु में एक-एक, रग्बी में दो और पुरुष-महिला बास्केटबॉल टीम में आठ खिलाड़ी बदले गए हैं। बीसीसीआई ने एशियाड के लिए टीम में छह टी-20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली बाएं हाथ की मध्यम तेज गेंदबाज अंजलि सरवानी को शामिल किया था, लेकिन उनके चोटिल होने के चलते अब दो टेस्ट, 27 वनडे और 50 टी-20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली मध्य प्रदेश की पूजा वस्त्राकर को शामिल कर लिया गया है।

पहले चयन किया फिर बाहर करने को कहा

पहले से ही विवादों में घिरे घुड़सवारी महासंघ ने एक और नए विवाद को जन्म दे दिया। पहले महासंघ ने 11 सदस्यीय टीम में राजू सिंह (इवेंटिंग), तेजस ढींगरा, कीरत सिंह नागरा और यश का नाम शामिल किया। इसे खेल मंत्रालय ने उनके प्रदर्शन और पदक की संभावनाओं के मद्देनजर मंजूरी भी दे दी, लेकिन बाद में मंत्रालय और साई को बोला गया कि राजू सिंह और कीरत सिंह गैर मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट से क्वालिफाई किया है, इस लिए उनका नाम दल से हटा दिया जाए।

अफगानिस्तान ने एकदिवसीय विश्वकप के लिए घोषित की टीम, नवीन-उल-हक की वापसी,गुलबदीन नायब हुए बाहर

काबुल ।
अफगानिस्तान ने पांच अक्टूबर से होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। हशमतुल्लाह शाहिदी को इस टीम का कप्तान बनाय गया है जबकि तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक की टीम में वापसी हुई है। वहीं अनुभवी ऑलराउंडर गुलबदीन नायब को इस टीम में जगह नहीं मिली है। दो साल के बाद वापसी कर रहे नवीन ने अफगानिस्तान की ओर से 7 एकदिवसीय मैचों में 25.42 के औसत से 14 विकेट लिए हैं। दूसरी ओर गुलबदीन को पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के अलावा एशिया कप में भी अच्छे प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह नहीं मिली है जबकि चोटिल होने के कारण एशिया कप से बाहर रहने वाले अजमतुल्लाह उमरजई को भी टीम में शामिल किया गया है।

विश्वकप के लिए टीम में चार ऐसे खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है जो एशिया कप में शामिल थे। गुलबदीन के अलावा करीम जनत, शराफुद्दीन अशरफ और सुलेमान सफी को भी टीम में जगह नहीं मिली है। बाकि वही खिलाड़ी हैं जो एशिया कप में खेल रहे थे। टीम के स्पिन विभाग में राशिद खान, मोहम्मद नबी और युवा खिलाड़ी मुजीब उर रहमान और नूर अहमद शामिली हैं। नवीन की टीम में वापसी के अलावा फजलहक फारूकी, अब्दुल रहमान और उमरजई के आने से टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी।

अफगानिस्तान टीम इस प्रकार है:

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल, अजमतुल्ला उमरजई, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी , अब्दुल रहमान, नवीन-उल-हक।

साइना बोलीं- दो घंटे अभ्यास करते ही सूज जाते हैं घुटने, पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल करना मुश्किल

नई दिल्ली ।
भारतीय अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने कहा कि पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करना मुश्किल है, लेकिन मैं अभी संन्यास के बारे में नहीं सोच रही हूं। ओलंपिक अगले साल पेरिस में होंगे। साइना लगातार चोटों से परेशान रही हैं और उसके कारण वह कई टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाई। वह विश्व रैंकिंग में 55वें स्थान पर हैं। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना ने आखिरी बार जून में सिंगापुर ओपन में भाग लिया था। उन्होंने अपना आखिरी खिताब जनवरी 2019 में मलयेशिया मास्टर्स के रूप में जीता था। 33 साल की साइना ने कहा, 'जब भी मैं एक या दो घंटे अभ्यास करती हूं तो मेरे घुटने में सूजन आ जाती है। मैं अपना घुटना नहीं मोड़ पाती हूं और इसलिए दूसरे सत्र के अभ्यास में भाग नहीं ले सकती। चिकित्सकों

ने मुझे कुछ इंजेक्शन दिए हैं। बेशक ओलंपिक पास में है, लेकिन उसके लिए क्वालिफाई करना मुश्किल है। लेकिन मैं वापसी के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास कर रही हूं। फिजियो मेरी मदद कर रहे हैं, लेकिन अगर सूजन कम नहीं होती तो फिर पूरी तरह फिट होने में थोड़ा समय लगेगा। मैं भी अधूरे मन से नहीं खेलना चाहती हूं और ऐसे में परिणाम भी अनुकूल नहीं आएंगे।

अपने खेल को उच्च स्तर पर लाना होगा

गुरुग्राम में 24 सितंबर को होने वाली हार्वेस्ट गोल्ड ग्लोबल रेस की ब्रांड एंबेसडर नियुक्त हुई साइना ने कहा, 'अगर आपको एन सेयॉन्ग या ताई त्जु यिंग या अकाने (यामागुची) के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी हैं तो इसके लिए एक घंटे के अभ्यास से काम नहीं चलेगा। अगर आप इस तरह की उच्च स्तर की खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रही हैं तो आपको अपने खेल को भी उच्च स्तर पर लाना होगा।

जब शरीर साथ नहीं देगा तो खेल छोड़ दूंगी

साइना से जब संन्यास के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'संन्यास तो सभी को लेना है। ऐसी कोई समय सीमा तय नहीं है। जब भी आपको लगेगा कि आपका शरीर साथ नहीं दे रहा है तो आप खेलना बंद कर दोगे। लेकिन अभी मैं प्रयास कर रही हूं। एक खिलाड़ी होने के नाते कोशिश करना मेरा काम है क्योंकि मैं इस खेल से प्यार करती हूं और मैं इतने लंबे समय से खेल रही हूं। मेरा लक्ष्य एशियाई खेल या ओलंपिक में खेलने का नहीं है क्योंकि इन प्रतियोगिताओं में मैंने काफी कुछ हासिल किया है। अगर मैं खेलने में सक्षम रहती तो इससे बेहतर कर सकती थी। देखते हैं आगे क्या होता है।

हैरी केन-बेलिंघम के गोल के चलते इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को 3-1 से हराया, इटली-स्पेन भी जीते

ग्लासगो ।

उभरते सितारे जूड बेलिंघम और अनुभवी हैरी केन के गोल की बदौलत इंग्लैंड ने यूरोपियन क्वालिफायर में स्कॉटलैंड को 3-1 से परास्त कर दिया। वहीं स्पेनिश सॉकर के पूर्व अध्यक्ष लुइस रुबियालेस के इस्तीफे के तुरंत बाद स्पेन ने साइप्रस पर 6-0 से बड़ी जीत दर्ज की। इटली ने भी यूक्रेन को 2-1 से हराकर यूरोपियन चैंपियनशिप में अपने क्वालिफाई करने की उम्मीदों को बनाकर रखा है।

रियल के लिए पांच गोल कर चुके हैं बेलिंघम

इस वर्ष जून में बोरसिया डॉर्टमुंड से

लगभग 1153 करोड़ रुपये में रियल मैड्रिड जाने वाले बेलिंघम ने इंग्लैंड के लिए भी अपनी फॉर्म को बरकरार रखा। उन्होंने एक गोल के अलावा हैरी केन को गोल करने में मदद की। बेलिंघम इस सत्र में रियल के लिए चार मैचों में पांच कर चुके हैं। उन्होंने इस मुकाबले में अपने खेल से बता दिया कि यूरोपियन चैंपियनशिप में वह इंग्लैंड के प्रमुख खिलाड़ी होंगे। इंग्लैंड के लिए तीसरा गोल करने वाले फिल फोडेन ने बेलिंघम के बारे में कहा कि वह अपनी उम्र से भी ज्यादा परिपक्व हैं। उनके पास अनोखी और अपार प्रतिभा है। बेलिंघम का कहना है कि वह यूक्रेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ में अपने प्रदर्शन से खुश नहीं थे, लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ वह अपने सर्वश्रेष्ठ के नजदीक थे। इंग्लैंड के हैरी मैग्वायर ने आत्मघाती गोल कर स्कोर 1-3 किया।

इटली की यूक्रेन पर राहत भरी जीत

वहीं स्पेन की साइप्रस पर 6-0 से जीत में गावी ने जब 18वें मिनट में पहला गोल कर बढ़त दिलाई। उसी दौरान फीफा महिला विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान स्पेनिश खिलाड़ी हारमोसो को चुंबन लेने वाले रुबियालेस को मैड्रिड की अदालत की ओर सम्मन जारी किए गए। माइकल मरीनो ने 33वें मिनट में गोल किया। इसके बाद स्पेन ने 13 मिनट के अंतराल में चार गोल किए। 70वें मिनट के बाद जोसेलो, फेरान टोरेस ने दो और एलेक्स बाएना ने गोल किए। नए कोच लुसियानो स्पलेट्टी की कोचिंग में खेल रही इटली को पहली जीत मिली। उत्तरी मेसिडोनियो के खिलाफ 1-1 से अप्रत्याशित ड्रॉ खेलने वाली इटली ने डेविड फ्रेटेसी के दो गोल की बदौलत यूक्रेन को 2-1 से हराया।

जर्मनी ने फ्रांस को हराया, मेसी के बिना जीता अर्जेंटीना

जापान के खिलाफ 1-4 से करारी हार खाने के बाद अपना कोचिंग पद खोने वाले हांसी फ्लिक के बिना पहला मैच खेल रहे जर्मनी ने 2018 के विश्व चैंपियन फ्रांस को दोस्ताना मैच में 2-1 से हरा दिया। इस जीत से जर्मनी पर यूरोपियन चैंपियनशिप में गहराए संकट के बादल छंटने की उम्मीद है। पिछले 5 मैचों से बिना जीत के खेल रही जर्मनी के लिए थॉमस मुलर और लेराय सेन ने गोल किए। 0-2 से पिछड़ी फ्रांस के लिए एंटोनी ग्रीजमैन ने पेनाल्टी पर गोल किया। वहीं दक्षिण अमेरिकी विश्वकप क्वालिफायर में लियोनल मेसी के बिना खेल रही अर्जेंटीना ने बोलीविया को 3-0 से हरा दिया। यह उसकी लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले उसने मेसी के गोल की बदौलत इक्वाडोर को 1-0 से हराया था। अर्जेंटीना के लिए एंजो फर्नांडीज, निकोलस टैगलियाफिको और निको गोंजोलेज ने गोल किए। अन्य क्वालिफायर में इक्वाडोर ने उरुग्वे पर 2-1 से अप्रत्याशित जीत दर्ज की।

हेल्थ को ऐसे नुकसान पहुंचाता है मैदा...

मैदे का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है लेकिन क्या आपको पता है कि मैदे से बनीं चीजें हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है या नहीं। आज हम आपको मैदे के बारे में बताएंगे कि मैदा हमारी सेहत को कैसे नुकसान पहुंचाता है। मैदे के कई साइड इफेक्ट होते हैं, जिनका हमें लंबे समय बाद पता चलता है। एक शोध से बात सामने आई है कि मैदे को सफेद रंग ब्लीच से दिया जाता है। इसके ज्यादा सेवन से हमारी सेहत खराब हो सकती है और कई तरह की परेशानियां भी हो सकती है। आइए जानते है मैदे से सेहत को होने वाले नुकसान...

डायबिटीज: मैदे में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जिसके सेवन से शुगर लेवल बढ़ जाता है। अगर आप भी मैदे का अधिक सेवन करते है तो संभल जाएं।

पेट की समस्या: मैदे में डाइट्री फाइबर बिल्कुल नहीं होता, इसलिए मैदे से बनी डिश का सेवन करने से ये पूरी तरह से पच नहीं पाता है। इसके सेवन से अक्सर कब्ज की समस्या हो जाती है।

फूड एलर्जी: मैदे में काफी मात्रा में ग्लूटन पाया जाता है जो खाने को लचीला बना कर उसको मुलायम टेक्सचर देता है और फूड एलर्जी का कारण बनता है।

हड्डियां कमजोर: मैदे में प्रोटीन ना होने से शरीर में एसिड बन जाता है, जो हड्डियों से कैल्शियम को कम करके उनको कमजोर कर देता हैं।

मोटापा: मैदा में स्टार्च की मात्रा बहुत अधिक होती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। यही नहीं इससे कोलेस्ट्रॉल स्तर भी बढ़ता है। अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो मैदे का कम सेवन करें।

आज ही छोड़े रात में लाइट जलाकर सोने की आदत

अगर आपको रात में लाइट जलाकर सोने की आदत है तो समय रहते ये आदत बदल डालिए क्योंकि एक रिसर्च से ये बात साबित हुई है कि लाइट जलाकर सोने से आपको गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हमारे शरीर का एक बायोलॉजिकल क्लॉक सूरज और चांद की रोशनी से नियंत्रित होता रहता है जो कि कृत्रिम रोशनी के कारण गड़बड़ा रहा है। इसलिए कभी भी लाइट जलाकर नहीं सोना चाहिए। यदि हम रात को सोते समय लाइट जलाकर रखते हैं तो ये शरीर में कैंसर कोशिकाओं को एक्टिव करता है। एक अध्ययन से इस बात की पुष्टि हुई है कि सोने के समय अगर रोशनी हो तो ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका में 22 फीसदी का इजाफा होता है। लाइट जलाकर सोने से नींद में भी व्यवधान का सामना करना पड़ता है। आपने खुद ये बात महसूस की होगी कि जब भी फोन या लैपटॉप की लाइट जलती है आपकी नींद अपने आप टूट जाती है। सोते समय लाइट जलाकर रखना हमारे मूड पर तो असर डालता है। हमारे दिल को भी इससे नुकसान पहुंचता है। इससे हृदय सम्बंधी बीमारियां हमें धर दबोचती हैं। लाइट जलाकर रखने से हमारे ब्लडप्रेशर पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा ये हमारे दिमाग को भी नुकसान पहुंचाती हैं।

थायराइड के उपचार के लिए एक्यूप्रेशर

थायराइड हार्मोन चयापचय की दर को सही बनाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। इसके ठीक से काम न करने से वजन का बढ़ना, थकान, हाथों और पैरों में ठंडापन,चिंता, बालों को झड़ना जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। घबराइए नहीं एक्यूप्रेशर थेरेपी से इसका इलाज किया जा सकता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों खासकर हथेलियों और पैरों के तलवों के बिन्दुओं पर दबाव डालकर इलाज करने को एक्यूप्रेशर चिकित्साकहा जाता है।

मुंह और जीव के घाव में हरा धनिया सहायक

धनिया स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। हरे धनिया में विटामिन ए, सी, पोटैशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, कैरोटीन आयरन, फाइबर, जैसे पोषक तत्व काफी मात्रा में होते है, जो हर तरह के रोगों से शरीर को बचाते है। हरे धनिए में मौजूद एंटी-सेप्टिक गुण जीभ और मुंह के अंदर घाव होने से बचाता है। शरीर की आंतरिक और बाहरी जलन और पेट की एसिडिटी को दूर करता है।

क्या आप मांसपेशियों और चयापचय स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं? और बड़ी संख्या में स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने वाले प्राकृतिक पदार्थ की खोज कर रहे हैं? तो आपको मैलिक एसिड पर विचार करना चाहिए। यह स्वस्थ होने के साथ बहुत सारे लाभ प्रदान करता है।

मैलिक एसिड से दूर करें क्रोनिक थकान सिंड्रोम...

मैलिक एसिड एक प्राकृतिक पदार्थ है, कि ज्यादातर फलों और सब्जियों के बीच पाया जाता है। जो कि सेब जैसे फलों के साथ जुड़ा होता है, और कार्बोहाइड्रेट को एनर्जी में परिवर्तित करने के लिए जाना जाता है। यह स्वास्थ्य समस्याएं फाइब्रोमयाल्जिया और क्रोनिक थकान सिंड्रोम के उपचार में लाभदायक होता है। इतना ही नहीं, अगर आप साफ, चमकदार और सॉफ्ट त्वचा चाहते हैं तो आपकी समस्या का हल निश्चित रूप से मैलिक एसिड है। आइए मैलिक एसिड के स्वास्थ्य और सौंदर्य लाभ के बारे में जानकारी लेते हैं।

एनर्जी बढ़ाए

हमें पूर्णरूप से जीने के लिए एनर्जी की जरूरत होती है। अगर आपको भरपूर नींद लेने के बावजूद दिन भर एनर्जी महसूस नहीं होती या आप सुस्त महसूस करते हैं, तो समस्या आपके शरीर के साथ नहीं है बल्कि आपके खान-पान में हैं। आपके आहार में मैलिक एसिड का अभाव है। मैलिक एसिड के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि यह एनर्जी के स्तर को बढ़ा देता है। यह प्रतिबंध चक्र का एक महत्वपूर्ण घटक है जो आपके शरीर में एनर्जी में प्रोटीन, फैट और कार्बोहाइड्रेट में बदल जाता है। यह आपके शरीर में एनर्जी के स्तर के उत्पादन में सुधार करता है।

ओरल स्वच्छता के लिए बेस्ट

मैलिक एसिड आपके ओरल स्वच्छता के लिए अच्छा होता है। यह लार के उत्पादन को बढ़ा कर, मुंह में विषाक्त बैक्टीरिया के स्तर को कम करता है। इससे दांत साफ होते हैं और पीले निशान तेजी से कम होते हैं। इसके अलावा दांतों को सुरक्षा और मजबूती मिलती है। अक्सर, मैलिक एसिड वाणिज्यिक उत्पादों, माउथवॉश और टूथपेस्ट में मिलाया जाता है।

खूबसूरत त्वचा

मैलिक एसिड से भी त्वचा में अद्भुत निखार आता हैं। मैलिक एसिड त्वचा को लंबे समय तक सुंदर और स्वस्थ रखने में मददगार होता है। यह प्राकृतिक रूप से व्हाइटनिंग एजेंट के रूप में जाना जाता है। जब आप इसे सीधा त्वचा पर लगाते है, तो यह त्वचा को एक्सफोलिएट और सॉफ्ट करता है, साथ ही एजिंग के निशान को भी कम करता है। साथ ही इसके इस्तेमाल से झुर्रियां दूर हो जाती है। इसके अलावा कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देता है जिससे मुंहासों के सभी लक्षण समाप्त हो जाते हैं।

दर्द कम करें

मैलिक एसिड शरीर के दर्द को कम करने के लिए भी जाना जाता है। हालांकि, इसके लंबे समय तक परिणाम देखने के लिए इसे आपको नियमित आधार पर लेना होगा। आमतौर पर शरीर के दर्द को कम करने के लिए 48 घंटे का समय पर्याप्त माना जाता है। अब आप जब भी गंभीर दर्द से परेशान होगें तो आपको पता है कि आपको क्या करना है।

कितना लें मैलिक एसिड

ज्यादातर अध्ययनों और शोधकर्ताओं के अनुसार, प्रतिदिन मैलिक एसिड की 1,200 से 1,800 मिलीग्राम तक राशि लेने की सिफारिश की जाती है। यह क्रोनिक थकान सिंड्रोम जैसी स्वास्थ्य की स्थिति के इलाज के लिए जाना जाता है। हालांकि मैलिक एसिड में विषाक्तता नहीं होती है, लेकिन इसके सेवन से कुछ लोगों का पेट खराब हो सकता है। अगर आपको नियमित आधार पर मैलिक एसिड लेने के लिए सिफारिश की है, तो प्रतिदिन 280 मिलीग्राम लेना, सबसे अच्छा रहता है।

अमृत समान है काले नमक का पानी...

आयुर्वेद के अनुसार काला नमक अपने आहार में शामिल करने से शरीर के कई रोग दूर हो सकते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह, हाई बीपी, डिप्रेशन और पेट की तमाम बीमारियों से मुक्ती दिलाता है क्योंकि इसमें 80 प्रकार के खनिज शामिल हैं। अगर आप सुबह काला नमक और पानी मिला कर पीना शुरु कर दें तो आपको काफी स्वास्थ्य लाभ पहुंच सकता है। कुछ लोंगो को अभी पता नहीं है कि सादे नमक का बहुत ज्यादा प्रयोग हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है इसलिए अच्छा होगा कि आप उसे हटा कर काले नकम का सेवन कीजिए।

मोटापा घटाए: यह पाचन को दुरस्त कर के शरीर की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचाता है, जिससे मोटापा कंट्रोल करने में मदद मिलती है। समुंद्री नमक छोड़ कर आपको इस नमक को अपने आहार में शामिल करना चाहिए।

जोड़ों के दर्द में आराम दिलाए: मासपेशियों के दर्द और जोड़ों के दर्द से यह नमक आराम दिलाता है। आपको एक कपड़े में 1 कप काला नमक डाल कर उसे बांध कर पोटली बनानी है। इसके बाद उसे किसी पैन में गरम करें और उससे जोड़ों की सिकाई करें। इसे दुबारा गरम कर के फिर से दिन में दो बार सिकाई करें।

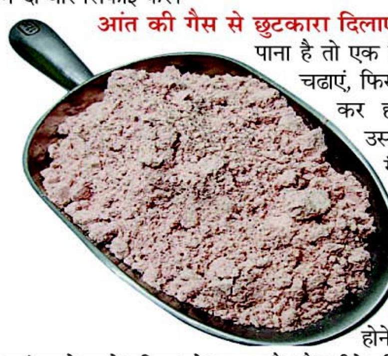

आंत की गैस से छुटकारा दिलाए: अगर गैस से छुटकारा पाना है तो एक कॉपर का बरतन गैस पर चढाएं, फिर उसमें काला नमक डाल कर हल्का चलाएं और जब उसका रंग बदल जाए तब गैस बंद कर दें। फिर इसका आधा चम्मच ले कर एक गिलास पानी में मिक्स कर के पिएं।

सीने की जलन से मुक्ती: क्षारीय प्रकृति होने के नाते यह पेट में जा कर वहां बनने वाले एसिड को काटता है और सीने की जलन तथा एसिडिटी को ठीक करता है।

कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल करे: काला नमक खाने से रक्त पतला होता है जिससे वह पूरे शरीर में आराम से पहुंचता है। ऐसे में आपका हाई कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर ठीक होता है। हाइ बीपी है तो नमक की जगह पर खाएं यह मसल स्पैजम और क्रैंप में आराम दिलाए-काला नमक में पोटैशिमय होता है जो कि हमारी मासपेशियों को ठीक से काम करने में मदद करता है। इसलिये काले नमक को रोजाना खाने में शामिल करें जिससे मसल स्पैजम और क्रैंप ना हो।

शिशुओं के लिए भी अच्छा: काला नमक छोटे बच्चों के लिए सबसे अच्छा है। यह अपच और कफ की जमावट को सीने से हटाता है। अपने शिशु के भोजन में थोड़ा सा काला नमक रोजाना मिलाएं क्योंकि इससे उनका पेट भी ठीक रहेगा और कफ आदि से भी छुटकारा मिलेगा।

नींद लाने में लाभदायक: अपरिष्कृत नमक में मौजूदा खनिज हमारी तंत्रिका तंत्र को शांत करता है। नमक, कोर्टिसोल और एड्रनलाईन, जैसे दो खतरनाक सट्रेस हार्मोन को कम करता है। इसलिए इससे रात को अच्छी नींद लाने में मदद मिलती है।

रूसी से मुक्ती दिलाए: अगर आपको रूसी और बाल झड़ने की समस्या है तो काला नमक और टमाटर का जूस हफ्ते में एक दिन सिर में लगाएं। यह रूसी को दूर करेगा और बालों की ग्रोथ को भी बढ़ाएगा।

शरीर करे डिटॉक्स: नमक में काफी खनिज होने की वजह से यह एंटीबैक्टीरियल का काम भी करता है। इसकी वजह से शरीर में मौजूद खतरनाक बैक्टीरिया का नाश होता है।

त्वचा की समस्या: नमक में मौजूद क्रोमियम एक्ने से लड़ता है और सल्फर से त्वचा साफ और कोमल बनती है। इसके अलावा नमक वाला पानी पीने से एग्जिमा और रैश की समस्या दूर होती है।

कैसे बनाएं काला नमक वाला पानी: एक गिलास गुनगुने पानी में आधा छोटा चम्मच काला नमक मिलाइए। फिर इसे चम्मच से मिक्स कीजिए और 24 घंटे के लिए छोड़ दीजिए। उसके बाद जब सारा नमक पानी में घुल जाए तब इसे पी जाइए एवं किसी भी उपचार को करने से पहले य अन्य किसी समस्या के लिए अपने डॉक्टर से अवश्य संपर्क करें।

LIFE-STYLE

छोटे-छोटे टिप्स कर सकते हैं जिंदगी में बड़े बदलाव

दाम्पत्य को खुशहाल बनाते बेडरूम में सुंदर चित्र

बेडरूम हमारे घर का बहुत ही खास हिस्सा होता है। कई बार बेडरूम में वास्तु दोष होने से उसका बुरा असर हमारे दांपत्य जीवन पर भी पड़ता है। वास्तु टिप्स का उपयोग हमारे बेडरूम में करें तो दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रह सकती है। ये वास्तु टिप्स इस प्रकार हैं...

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए पलंग के सामने की दीवार पर सुंदर चित्र लगाने चाहिए। सुंदर चित्रों से मन में शांति की अनुभूति होती है और पलंग के सामने दर्पण नहीं होना चाहिए। अगर पलंग के सामने दर्पण होगा तो आप हमेशा परेशान रहेंगे। बेडरूम में पलंग हमेशा दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। सोते समय सिर उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं कर सकते तो पश्चिम दिशा में पलंग रखना चाहिए। इस स्थिति में सोते समय मुंह पूर्व की ओर व सिरहाना पश्चिम की ओर रहना चाहिए। पूर्व की ओर व उत्तर की ओर मुंह करके सोना सुखदायक होता है। दक्षिण की ओर मुख करके नहीं सोना चाहिए। दक्षिण की ओर मुंह करके सोने से नींद नहीं आती है ।

दरवाजे से दूरी

बेडरूम में आपका बेड दरवाजे के पास नहीं होना चाहिए यदि ऐसा करेंगे तो चित्त में अशांति व व्याकुलता बनी रहेगी। बेडरूम में खिड़की अवश्य होना चाहिए। सुबह की किरणें बेडरूम में प्रवेश करने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है। कभी भी मुख्य द्वार की ओर पैर करके न सोएं।

बेड पर सीधे न पड़े प्रकाश

बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल कभी भी खिड़की के सामने न रखें, क्योंकि खिड़की से आने वाला प्रकाश परावर्तित होने के कारण परेशानी उत्पन्न करेगा। पलंग के सामने खिड़की न होकर ठोस दीवार होना चाहिए। बेडरूम में पलंग के दाईं ओर छोटी टेबल आवश्यक वस्तु रखने के लिए रख सकते हैं। बेडरूम में प्रकाश व्यवस्था ऐसी हो कि पलंग पर सीधा प्रकाश नहीं पड़े। प्रकाश सदैव पीछे या बाईं ओर से आना चाहिए। मुख्य बेडरूम नैऋत्य (पश्चिम-दक्षिण) कोण में होना चाहिए। मुख्य बेडरूम वह होता है, जिसमें घर का मालिक सोता है। गलत दिशा में बेडरूम होने पर कमरे में राधा-कृष्ण का प्रेममय फोटो लगाएं। ऐसा करने पर कमरे के वास्तु दोष खत्म हो जाएंगे।

एयरोस्पेस मैनेजमेंट में भविष्य की उड़ान

कुछ वर्षों के दौरान ग्लोबल कमर्शियल एयरोस्पेस सेक्टर महत्वपूर्ण विकास का साक्षी रहा है। एयरोस्पेस सेक्टर में हुए इस विकास की बदौलत ट्रेंड मैनेजर्स की जरूरत पैदा हुई है। इसे देखते हुए हाल ही में कनाडा की एचईसी मांट्रियाल ने एयरोस्पेस मैनेजमैंट में एमबीए डिग्री लॉन्च की है ताकि देश-विदेश में एयरोस्पेस सेक्टर में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के इच्छुक युवाओं को प्रशिक्षित किया जा सके।

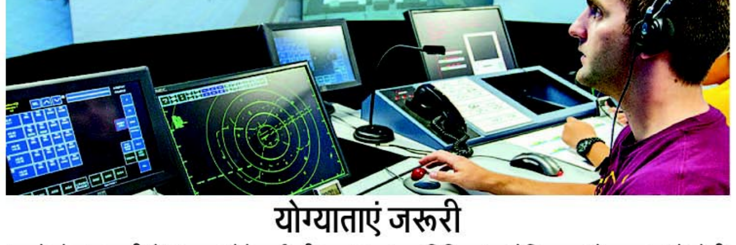

योग्याताएं जरूरी

एयरोस्पेस इंडस्ट्री में अक्सर मैनेजर्स की शुरुआत साइंटिफिक या टेक्निकल बैकग्राउंड से होती है, जिसके पश्चात वे टीम या प्रोजेक्ट मैनेजमेंट पोजीशंस पर पहुंचते हैं, लेकिन इस कार्य के लिए उनमें कुछ विशिष्ट गुण, कौशल तथा योग्यताएं होनी जरूरी होती हैं। एयरोस्पेस मैनेजमैंट में एमबीए उन्हें वह कौशल देगा, जिसकी उन्हीं इस क्षेत्र में सफल होने के लिए जरूरत पड़ेगी। एयरोवर्ल्ड एमबीए नामक यह प्रोग्राम एक वर्षीय कोर्स है, जिसे एयरोस्पेस में महारत रखने वाले ईबीसी एयरोवर्ल्ड इंस्टीट्यूट के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ मिल कर करवाया जाएगा।

बेहतर कॅरियर की संभावनाएं

बोइंग के अनुसार अगले 20 वर्षों के दौरान नए विमानों में से आधे से अधिक की बिक्री चीन तथा भारत जैसे देशों में होगी। नए विमान बनाने में विलम्ब, अनिश्चितता, बड़ा पूंजी निवेश तथा लम्बे समय तक वसूली जैसी बातें जुड़ी होती हैं। ऐसे में एयरोस्पेस इंडस्ट्री को न केवल उच्च दक्षता व कुशलता सहित रणनीतिक दृष्टिकोण वाले इंजीनियर्स व वैज्ञानिक ही नहीं, अच्छी तरह प्रशिक्षित मैनेजर व लीडर्स भी चाहिए। इसलिए एयरोस्पेस मैनेमेंट में एमबीए से आप इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं तलाश सकते हैं। इसमें शुरुआती सैलरी 25 से 30 तक हो सकती है। इसे बाद तजुर्बा बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी इजाफा होगा।

रेसिपी

कॅरेमलाईस्ड बनानास्

सामग्री

- 2 बड़े पके हुए केले
- 2 टेबल-स्पून मक्खन
- 2 टेबल-स्पून ब्राउन शुगर
- 1/4 टी-स्पून दालचीनी पाउडर

विधि

प्रत्येक केले को छिलकर, 2 भाग टुकड़ो में काटकर, प्रत्येक टुकड़े को 2 लंबे भाग में काट लें। आपको कुल मिलाकर 8 टुकड़े प्राप्त होंगे। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, ब्राउन शुगर डालकर, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट या शक्कर के पिघलने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। केले डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। इन कॅरेमलाईस्ड केले के टुकड़ो को एक प्लेट में रखकर, दालचीनी पाउडर छिड़कर गुनगुने तापमान पर परोसें।

दही भल्ले

सामग्री

घोल के लिए: 250 ग्राम मूंग दाल, नमक स्वादअनुसार, **इमली की चटनी के लिए**: 1 कटोरी इमली का पानी, नमक स्वादअनुसार, 2 चम्मच चीनी, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच जीरा पाउडर, **अन्य साम्रगी**: 100 ग्राम दही, 4 चम्मच चीनी, 1 चम्मच जीरा पाउडर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, काला नमक स्वादअनुसार, **तलने के लिए**: तेल

विधि

दाल को पानी में 5-6 घंटे के लिए भिगो दीजिए, फिर उसे मिक्सी में पीस लें। पीसते समय पानी न मिलाएं। अब पैन में तेल गरम करें। पीसी हुई दाल के पेस्ट की पकौड़ी बनाकर फ्राई कर लें। तलने के बाद पकौड़ों को पेपर पर निकाल लें और हल्के गरम पानी में भिगो दें। अब दही को छानकर उसमें हल्का पानी मिलाएं। दही में चीनी,नमक, जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर डालकर मिक्स करें। अब पैन में इमली का पानी डालकर उबालें, फिर उसमें नमक, चीनी, लाला मिर्च पाउडर और जीरा पाउडर मिलाकर चटनी तैयार करें। गरम पानी में भिगोई हुई पकौड़ियों को निकाल कर दही के साथ मिलाएं। ऊपर से इमली की चटनी डालें। काला नमक, जीरा पाउडर और लाल मिर्च पाउडर छिड़क कर सझ करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**